सच, सिर्फ सच **
वॉयस ऑफ लखनऊ
शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 31, पेज 12, 3.50 रुपये
www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 374 अंकों की उछाल
स्थानीय शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 374 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में मामूली 11 अंक की तेजी रही। } 10

नड्डा ने बाढ़ प्रभावित अरुणाचल को दिया हर संभव मदद का भरोसा
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने बाढ़ प्रभावित अरुणाचल प्रदेश के लिए राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों में केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। } 12

बायोगैस उत्पादन बढ़ाने पर जोर
मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को दी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन में तेजी लाने के लिए बृहस्पतिवार को 23,731 करोड़ रुपये की एक राष्ट्रीय एकीकृत योजना को मंजूरी दी। यह योजना आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को मजबूत करने के लिए कृषि एवं शहरी कचरे के उपयोग पर आधारित है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर 135.871 किलोमीटर लंबे गुवाहाटी-तेजपुर गलियारे का 8,970.20 करोड़ रुपये की लागत से विकास करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, चार लेन वाली इस राजमार्ग

परियोजना को निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (बीओटी) टोल मॉडल पर विकसित किया जाएगा। सरकार ने एक बयान में कहा कि गोबरधन (जैविक संसाधनों से धन सृजन) योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 के बीच लागू की जाएगी। इसका लक्ष्य सुनिश्चित खरीद, विनियमित मूल्य, पूंजी सब्सिडी, पाइपलाइन अवसंरचना और वित्त तक आसान पहुंच के जरिये घरेलू सीबीजी उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाना है। कुल 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना के तहत कृषि अवशेष, गोबर, चीनी उद्योग का कचरा (गन्ने की खोई), शहरी जैविक कचरा एवं अन्य बायोमास का उपयोग कर कम्प्रेस्ड बायोगैस तैयार की जाएगी। इस गैस को वाहनों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी में मिलाया जा सकेगा। यह योजना मौजूदा पहल, जैसे सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (सतत) कार्यक्रम पर आधारित है, जिसके तहत 200 से अधिक सीबीजी संयंत्र पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। नए ढांचे के तहत शहरी गैस वितरण कंपनियां सीएनजी और ...शेष पृष्ठ 10 पर

जेन-जी की शिकायतें जायज, उनकी ईमानदारी पर पूरा भरोसा
लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका, शिक्षा प्रणाली को लेकर जतायी जा रही चिंताएं जायज

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है, लेकिन इसका मकसद विभाजन पैदा करने के बजाय आम सहमति बनाना होना चाहिए। भागवत ने मुंबई में एक कार्यक्रम में में जेन-जी और जेन अल्फा के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा विरोध प्रदर्शन भी बातचीत का एक तरीका है। लोकतंत्र में, विरोध प्रदर्शन आम सहमति बनाने का एक जरिया है। अलग-अलग विचार एक साथ आते हैं और चर्चा के बाद आम सहमति बनती है।

उन्होंने कहा अगर विभिन्न कारणों से बातचीत के जरिए चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो लोग आंदोलन की ओर जा सकते हैं। लेकिन इन सबका मकसद आम सहमति बनाना है, न कि विभाजन पैदा करना। जेन-जी की शिकायतें जायज़ हैं और मुझे उनकी ईमानदारी पर भरोसा है। भागवत के इस संवाद को आरएसएस की ओर से जेन-जी और जेन अल्फा तक पहुंचने की सबसे अहम कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। यह कोशिश कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के उस विरोध-प्रदर्शन के बाद हो रही है, जो

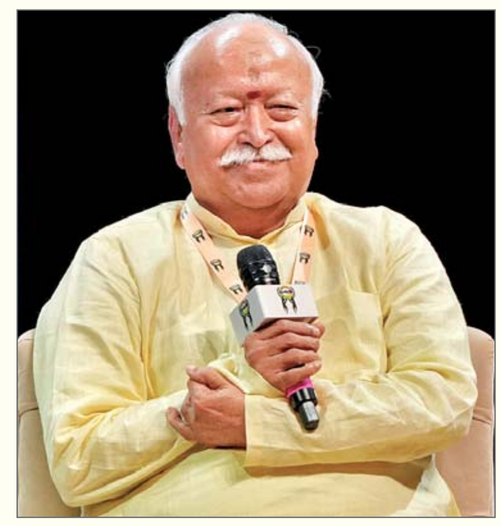

नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर हुआ था तथा उसके फलस्वरूप केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफ़ा देना पड़ा था। भागवत ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर जताई जा रही चिंताएं जायज हैं। उन्होंने कहा कि संवाद हमेशा पहला कदम होना चाहिए। भागवत ने कहा, बातचीत होनी चाहिए। अगर बातचीत से काम न बने तो आगे क्या किया जाए, इस पर बाद में विचार किया जा सकता है। सरसंघचालक ने कहा कि जेन-जी अपनापन और सम्मान के साथ-साथ तार्किक जवाब भी चाहता है, जबकि पिछली पीढ़ियां बिना सवाल किए बड़ों की बात मान लेती थीं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाना इसके नुकसानदेह असर का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज को आत्म-अनुशासन विकसित करना चाहिए और ऑनलाइन किसी भी बात पर विश्वास करने से पहले विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करनी चाहिए। भागवत ने कहा कि जब तक लोगों का नज़रिया नहीं बदलेगा, तब तक सिर्फ़ नियम-कानून काम नहीं आएंगे। उन्होंने कहा नियम और अनुशासन जरूरी हैं, लेकिन वे तभी सफल होते हैं जब सोच बदलती है। कई कानून बनाए गए हैं। असल में जो बात मायने रखती है वह है लोगों की सोच में बदलाव। प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के बारे में चेतावनी देते हुए सरसंघचालक ने कहा कि लोगों को बिना जांच-पड़ताल के सोशल मीडिया पर मौजूद सामग्री पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा आज प्रौद्योगिकी हमारे चेहरे ...शेष पृष्ठ 10 पर

युवाओं का विकास सरकार की प्राथमिकता
शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और नेतृत्व क्षमता को एकीकृत करेगी नयी युवा नीति : योगी

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं के समग्र विकास के लिए एकीकृत युवा नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के समग्र विकास से जुड़े कार्यक्रमों की सतत मॉनिटरिंग, मूल्यांकन और समय-समय पर आवश्यक सुझाव उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञों की सहभागिता वाला स्वतंत्र राज्य युवा आयोग गठित किए जाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए। यह आयोग नियमित रूप से युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा करे, आवश्यक सुझाव दे तथा बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप नीति और कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने में सहयोग करे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा नीति युवाओं की बदलती अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार की जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा युवाओं का विकास सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि युवा नीति तैयार करने से पहले प्रदेश के 16 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझा जाए। नीति निर्माण की प्रक्रिया में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, शोधार्थियों, स्टार्टअप उद्यमियों, युवा पेशेवरों तथा विभिन्न वर्गों के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सार्वजनिक डोमेन के माध्यम से सुझाव भी आमंत्रित किए जाएं, ताकि नीति युवाओं की वास्तविक जरूरतों और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया जाए। विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र युवा तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पहुंचे। युवा नीति का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें शिक्षा एवं कौशल विकास, उद्यमिता, रोजगार एवं नवाचार, डिजिटल सशक्तीकरण, स्वास्थ्य, खेल, नेतृत्व ...शेष पृष्ठ 10 पर

घुमंतू समाज को मिलेगा सम्मान व विकास का नया अधिकार: सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घुमंतू विकास बोर्ड वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को सम्मान, सुरक्षा और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि अब घुमंतू समाज को दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ेंगी और सरकार उन्हें सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

घुमंतू विकास बोर्ड के गठन की घोषणा पर आयोजित विमुक्त एवं घुमंतू समाज के अभिनंदन एवं आभार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को सरकार अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रही है। इसी सोच के अनुरूप घुमंतू विकास बोर्ड उपेक्षित समाज के उत्थान का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के तहत अंग्रेजों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अनेक घुमंतू समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था। स्वतंत्र भारत में बाबा ...शेष पृष्ठ 10 पर

अनुशासन व सामाजिक समरसता का संदेश दे रही कांवड़ यात्रा : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और सामाजिक समरसता का महापर्व है। इसके शांतिपूर्ण और व्यवस्थित संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। भ्रामक और मिथ्या समाचार फैलाकर माहौल बिगाड़ने के हर प्रयास का तत्काल तथ्यात्मक खंडन किया जाए। पवित्र धार्मिक आयोजनों में उपद्रव, अराजकता और गुंडागर्दी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था, कांवड़ यात्रा, बाढ़ की स्थिति, आगामी पर्व एवं त्योहारों की तैयारियों, खाद की उपलब्धता तथा स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब समाज में जातीय विद्वेष फैलाने की साजिशें की जा रही हैं, ऐसे समय में लाखों श्रद्धालुओं की सहभागिता वाली कांवड़ यात्रा सामाजिक समरसता का प्रेरक उदाहरण ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप
अग्नि-4 मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। भारत ने बृहस्पतिवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया। मिसाइल का परीक्षण सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा छह अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया गया।

मकान गिरने से दो बच्चों समेत तीन की मौत

बाराबंकी/सहारनपुर। प्रदेश के बाराबंकी और सहारनपुर जिले में हुई अलग-अलग घटनाओं में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य घायल हो गये। बाराबंकी जिले के दरियाबाद क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह एक पुरानी दीवार गिरने से उसके मलबे में दबने से दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी तथा तीन अन्य जख्मी हो गये। जबकि, प्रदेश के सहारनपुर में भी एक कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर एक महिला की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बाराबंकी जिले दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के गुलचप्पा कलां अलियाबाद गांव में आज पांच बच्चे खेलते वक्त गांव की एक गली से गुजर रहे थे, तभी वर्षों पुरानी ईंट की दीवार अचानक ढह गयी, जिसके मलबे में वे दब गये।

सड़क हादसे में अतीक के बेटे की मौत
बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गयी एसयूवी

जिला संवाददाता

झांसी (उप्र)। माफिया एवं पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे अबान अहमद समेत दो लोगों की बृहस्पतिवार को झांसी जिले में एक सड़क हादसे में मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना में कार सवार तीन अन्य लोग घायल हो गये, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) अरविंद कुमार ने बताया कि पूर्व सांसद अतीक अहमद का बेटा अबान अहमद अपने कुछ साथियों के साथ झांसी जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने जा रहा था, तभी रास्ते में पुंछ थाना क्षेत्र में झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उसकी तेज गति से गुजर रही कार (एसयूवी) बेकाबू होकर एक

डिवाइडर से टकराकर पलट गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने संवाददाताओं को बताया कि इस हादसे की सूचना पुलिस को सुबह साढ़े 10 बजे मिली। उन्होंने कहा कि इस हादसे में अबान अहमद (21) और उसके दोस्त सोनू (25) की मौत हो गई। मूर्ति ने ...शेष पृष्ठ 10 पर

यौन उत्पीड़न मामले में तरुण तेजपाल को 10 साल का कारावास

पणजी। बंबई उच्च न्यायालय ने समाचार पत्रिका तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को 2013 में अपनी एक सहकर्मी से दुष्कर्म का दोषी ठहराते हुए उसे 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनायी।

अदालत ने गोवा की एक सत्र अदालत द्वारा पांच साल पहले उसे बरी करने के फैसले को भी रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय की गोवा पीठ की न्यायमूर्ति नीला गोखले और न्यायमूर्ति अमित जामसांडेकर ने पहले तरुण तेजपाल को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था, लेकिन उनके वकीलों के अनुरोध पर अदालत ने यह अवधि बढ़ाकर चार सप्ताह कर दी। अदालत ने न्यूनतम सजा सुनाते हुए कहा कि यह घटना 13 वर्ष पहले हुई थी ...शेष पृष्ठ 10 पर

उत्तराखंड के दुर्गम क्षेत्रों में एनसीसी का होगा विस्तार
सीएम धामी से नयी दिल्ली में महानिदेशक एनसीसी ने की शिष्टाचार भेंट

प्रमुख संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेन्द्र वत्स ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तराखण्ड में एनसीसी के विस्तार, विशेष रूप से सीमांत एवं दुर्गम क्षेत्रों के युवाओं तक एनसीसी की पहुंच बढ़ाने, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास तथा संगठन के लिए मजबूत एवं आधुनिक आधारभूत संरचना तैयार करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं के लिए एनसीसी की

भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए राज्य में अधिकाधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर विचार-विमर्श किया गया। महानिदेशक एनसीसी ने सीमांत एवं दूरस्थ क्षेत्रों में नई एनसीसी इकाइयों के गठन और मौजूदा इकाइयों के विस्तार की आवश्यकता ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	36.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- तीन नये निजी विवि के संचालन को मिली हरी झंडी (पृष्ठ-02)
- कांवड़ मार्गों पर दौड़ रहीं बाइक एंबुलेंस (पृष्ठ-02)
- रुपया 16 पैसे टूटकर 95.24 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)
- सोना 3,800 के उछाल के साथ उच्च स्तर पर (पृष्ठ-10)
- कोल इंडिया ने लौह अयस्क खनन में रखा कदम (पृष्ठ-10)

विशेष खबर

75 जिलों में होगा तिरंगा संगीत समारोह, शहीदों के परिवार का होगा सम्मान
यूपी में 5 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य

विशेष संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत उत्तर प्रदेश सरकार इस वर्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदों में तिरंगा संगीत समारोह (तिरंगा कॉन्सर्ट) आयोजित करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर होने वाले इन आयोजनों का उद्देश्य राष्ट्र नायकों का सम्मान करने के साथ भावी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना है।

राज्य सरकार ने इस वर्ष प्रदेश के 5 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही तिरंगा मेला, तिरंगा संगीत समारोह और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों के साथ आम जनता की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

तिरंगा संगीत समारोह में वंदे मातरम का सामूहिक गायन, देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक नृत्य, स्कूलों के विद्यार्थियों, पुलिस बैंड और सेना के बैंड की संगीतमय प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिल सके। समारोह के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा विभिन्न युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र निर्माण में वीरों के योगदान से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राजधानी लखनऊ में 1090 चौराहा, हजरतगंज, घंटाघर चौक, जनेश्वर मिश्र पार्क, एमरॉल्ड मॉल, लुलु मॉल समेत कई प्रमुख स्थानों पर तिरंगा कॉन्सर्ट प्रस्तावित हैं।

इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि 14 और 15 अगस्त को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का अनिवार्य प्रसारण किया जाए। इसके अलावा जिला, तहसील, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर भी देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार ने इन आयोजनों में ...शेष पृष्ठ 10 पर

प्रतापगढ़ : मकान ढहने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत
मुख्यमंत्री योगी ने जनहानि पर जताया शोक

जिला संवाददाता

प्रतापगढ़। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में बारिश के दौरान एक जर्जर मकान ढहने से उसके मलबे में दबने के कारण एक परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना में हुई जनहानि पर शोक जताया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय जिला प्रशासन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घायल अमन के समुचित इलाज का निर्देश दिया। इस दुखद घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि जनपद प्रतापगढ़ में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायल को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। इस घटना में प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता (55), उनकी बहू माधुरी (24), उनके पोतों माधव (दो) एवं आद्विक (10 माह) और परिवार के एक अन्य सदस्य नितिन (25) की मौत हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) आशुतोष मिश्रा ने को ...शेष पृष्ठ 10 पर

विधायक उमाशंकर सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों का लगा रहा तांता

योगी व मायावती समेत अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बसपा के इकलौते विधायक स्वर्गीय उमाशंकर सिंह के गोमतीनगर स्थित आवास पर गुरुवार को दिनभर उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बसपा सुप्रीमो मायावती के अलावा अन्य नेताओं ने भी आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती उनके आवास पहुंची थीं। आवास पर सुबह से ही बसपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। अन्य दलों के नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपर मुख्य सचिव, गृह संजय प्रसाद समेत कुछ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बसपा विधायक का पार्थिव शरीर गुरुवार शाम लखनऊ से उनके बलिया स्थित आवास पर ले जाया गया।

बलिया में शुक्रवार को उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार होगा। वहीं सभी मंडलों में चल रही कैडर की बैठकों में भी पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने शोकसभा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौन धारण की दिवंगत विधायक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। बसपा कार्यालयों में भी शोक सभाएं हुईं। बसपा विधायक 55 वर्षीय उमाशंकर सिंह का बुधवार रात गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह लगभग दो वर्ष से ब्रेन कैंसर से पीड़ित थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मंगलवार को गुरुग्राम ले जाया गया था। वह बलिया के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र के खनवर गांव के निवासी थे। उमाशंकर सिंह बलिया की रसड़ा सीट से लगातार तीन बार विधायक रहे।

बेटा चाहेगा तो राजनीति में बढ़ाऊंगी : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि वे मुझे सगी बहन की तरह मानते थे। मैं लखनऊ रहूं या दिल्ली में वे मुझसे राखी बंधवाने जरूर आते थे। भाई तो बहुत बने दलितों को छोड़कर सब धोखा देकर चले गए लेकिन उन्होंने धोखा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में हमारी पार्टी उनके परिवार के साथ है। उनका एक बेटा और एक बेटी है। अगर बेटा राजनीति में आना चाहेगा तो मैं उसे जरूरी बढ़ावा दूंगी। उमाशंकर राजनीति में बहुत सक्रिय रहे। समाज में सेवा करते रहे। परिवार चाहेगा तो मैं उनके बेटे की राजनीति में मदद करूंगी। उन्होंने रसड़ा से जब भी चुनावी लड़ा, वे जीते। रसड़ा की जनता ने उन्हें पूरा प्यार दिया। ऐसे में उनकी विधानसभा के लोग भी चाहेंगे कि अब वे नहीं रहे तो उनके बेटे को बढ़ावा दिया जाए। मैं उनके परिवार का पूरा साथ दूंगी।

तीन नये निजी विश्वविद्यालयों के संचालन को मिली हरी झंडी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश सरकार राज्य को उच्च शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर बुधवार को प्रदेश में स्थापित होने जा रहे तीन नए निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को 'संचालन प्राधिकार पत्र' (अनुज्ञा पत्र) प्रदान किया। योगी सरकार की इस पहल से गाजियाबाद, कानपुर और फतेहपुर जिलों में उच्च, तकनीकी एवं कृषि शिक्षा का विस्तार होगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक अवसर प्राप्त होंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने जनपद गाजियाबाद में 'अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय' के संचालन के लिए 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग सोसाइटी', गाजियाबाद के सचिव/चेयरमैन को, कानपुर नगर के बिल्हौर में 'महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय' के संचालन के लिए 'स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट', दिल्ली के सचिव को तथा फतेहपुर में 'ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय' के संचालन के लिए 'एंग्लो संस्कृत कॉलेज', फतेहपुर के अध्यक्ष को आधिकारिक संचालन प्राधिकार पत्र सौंपा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा अनुभाग-1 द्वारा उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन अध्यादेशों के तहत यह स्वीकृति जारी की गई है। इसके अंतर्गत गाजियाबाद के अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय को तृतीय संशोधन अध्यादेश (अध्यादेश संख्या 17 सन्-2026), कानपुर के महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय को चतुर्थ संशोधन अध्यादेश (अध्यादेश संख्या 18 सन्-2026) तथा फतेहपुर के ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय को पंचम संशोधन अध्यादेश (अध्यादेश संख्या 19 सन्-2026) के तहत सम्मिलित करते हुए संचालन की अनुज्ञा संबंधी अधिसूचनाएं जारी कर दी गई हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने प्राधिकार पत्र सौंपते हुए संबंधित संस्थाओं से अपेक्षा की कि वे शासन द्वारा निर्धारित मानकों, नियमों एवं शर्तों का अनुपालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करेंगे।

पुनर्वासन योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अहम कार्य योजना तैयार

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान संचालित करने का निर्णय लिया गया है। अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजनों तथा उनके परिजनों को विभागीय योजनाओं, अधिकारों, उपचार, पुनर्वास, प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध कराना है। दिव्यांगता निवारण, बचाव, उपचार, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास से संबंधित योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार के अंतर्गत दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठनों व स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माध्यम से जनजागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया जायेगा। इस प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 35.00 लाख रुपये बजट की व्यवस्था की गयी है। प्रचार अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 350 तहसील मुख्यालयों, 18 मंडल मुख्यालयों तथा चयनित महत्वाकांक्षी जिलों सहित कुल 375 स्थानों पर एक माह की अवधि के लिए होर्डिंग लगाने का निर्णय लिया गया है। इन होर्डिंग्स के माध्यम से विभाग की विभिन्न योजनाओं, दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं सुविधाओं का व्यापक प्रचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों तथा जनहितकारी संदेश नियमित रूप से डिजिटल माध्यमों से जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए कार्य योजना तैयार कर उस पर शीघ्र क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जायेगा।

शिक्षामित्रों को विशेष टीईटी परीक्षा में शामिल किया जाये

मुख्यमंत्री से शिक्षामित्र संघ ने की मुलाकात, मिला आश्वासन

विशेष संवाददाता (vol)

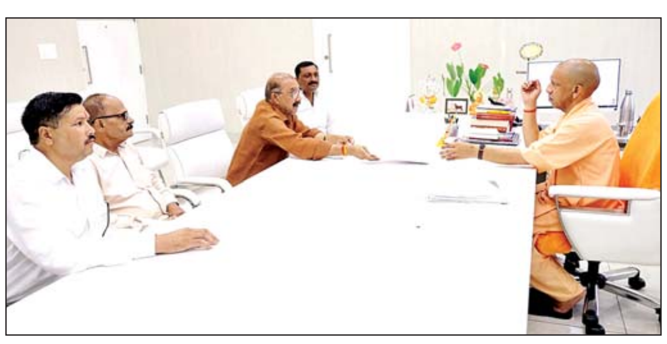

लखनऊ। कुंवर महाराज सिंह, सभापति अंकुश समिति एवं सदस्य, विधान परिषद की अगुवाई में शिक्षामित्रों के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। प्रदेश में कार्यरत लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों की समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुलाकात में शिक्षामित्र प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ला और संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह उपस्थित रहे।

इस दौरान शिक्षामित्र संघ ने प्रमुख मांगे रखीं, जिसमें एनसीटीई की सभी योग्यताओं और अहर्ताओं को पूरा करने वाले टीईटी पास शिक्षामित्रों को सभी सहायक अध्यापकों को मिलने वाली सुविधाओं के साथ शिक्षामित्र पद पर ही नियमित करने का अनुरोध किया गया।

शिक्षामित्रों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा को 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष किए जाने का आग्रह किया गया। शिक्षामित्रों को विशेष टीईटी परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के संबंध में निवेदन किया। पिछले 18 महीनों से लंबित पड़ी महिला शिक्षामित्रों के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण और मूल विद्यालय वापसी की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराए जाने की मांग उठाई गई। सेवाकाल के दौरान जान गंवाने वाले मृतक साथियों के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता के साथ-साथ अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने का अनुरोध किया गया।

साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में लागू की गई मानदेय वृद्धि, कैशलेस चिकित्सा कार्ड और जीवन सुरक्षा कवर जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री का हार्दिक धन्यवाद किया। साथ ही, इसके लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री से समय की मांग भी की गई। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि शिक्षामित्रों की सभी समस्याओं का समाधान शीघ्र अति शीघ्र किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी शिक्षामित्रों से आह्वान किया कि वे पूरे मनोयोग के साथ पठन-पाठन और बच्चों के शिक्षण कार्य में अपनी निष्ठा बनाए रखें।

गोरखपुर का मातृ सेवा मॉडल बना मिसाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मातृ मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य से गोरखपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया मातृ सेवा मॉडल प्रभावी साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संचालित इस पहल के तहत बीते दो महीनों में प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव (पोस्टपार्टम हैमरेज) के 15 अतिगंभीर मामलों में प्रसूताओं की जान बचाई गई है। अब आसपास के जिलों की हाईरिस्क गर्भवतियों को भी गोरखपुर रेफर किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट (यूपीटीएसयू) और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल के तहत हाईरिस्क गर्भावस्था प्रबंधन के लिए एक समन्वित व्यवस्था विकसित की गई है। इसमें एम्स गोरखपुर, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, जिला महिला अस्पताल, सीएमओ कार्यालय, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों के साथ आशा, एएनएम, नर्स, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) और एम्बुलेंस समन्वयकों को एक साझा व्हाट्सएप समूह से जोड़ा गया है। जैसे ही किसी गर्भवती को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जाता है, स्वास्थ्यकर्मी उसकी जोखिम श्रेणी का आकलन करते हैं। गंभीर स्थिति होने पर मरीज को तत्काल उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर किया जाता है। रेफरल, उपचार और एम्बुलेंस की पूरी प्रक्रिया रियल टाइम में साझा कर मरीज को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब से बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू हो रहा है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत अब प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे, जो शिक्षकों को तकनीक आधारित शिक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य विद्यालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक, सहभागितापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

इस संबंध में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार प्रत्येक विकासखंड से एक शिक्षक को संदर्भदाता (मास्टर ट्रेनर) के रूप में नामित किया गया। इन संदर्भदाताओं का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण का प्रशिक्षण 27 से 29 जुलाई तथा द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 4 से 6 अगस्त तक संपन्न हुआ। अब यही प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर अपने-अपने विकासखंडों में शिक्षकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देंगे। प्रत्येक प्रशिक्षण बैच में अधिकतम 50 प्रतिभागी शामिल होंगे तथा प्रशिक्षण निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, ई-कंटेंट तथा अन्य डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें तकनीक आधारित कक्षा-शिक्षण, डिजिटल प्रस्तुतीकरण, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने तथा विषयों को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से पढ़ाने की आधुनिक तकनीकों से भी परिचित कराया जाएगा। साथ ही एनबीडीआईयूपी पोर्टल पर उपलब्ध डिजिटल बोर्ड मैनुअल, इंस्टॉलेशन वीडियो, संचालन संबंधी ट्यूटोरियल तथा अन्य डिजिटल सामग्री का भी उपयोग कराया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एस्केलेशन मैट्रिक्स, प्रेरणा मॉड्यूल तथा विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से डिजिटल संसाधनों में आने वाली तकनीकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी भी दी जा रही है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने निर्देश दिए हैं कि स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और अन्य डिजिटल शिक्षण संसाधनों के संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आने पाए। इसके लिए विभिन्न सेवा प्रदाताओं के जिला, राज्य एवं उच्च स्तर के अधिकारियों के संपर्क विवरण उपलब्ध कराए गए हैं।

संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने बताया कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित करना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाना है। प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाते हुए कक्षा शिक्षण में डिजिटल संसाधनों का अधिकतम प्रयोग कराया जाना है।

कांवड़ मार्गों पर दौड़ रहीं बाइक एंबुलेंस

मिनटों में मिल रहा उपचार, 6 प्रमुख रूटों पर 18 बाइक एंबुलेंस तैनात

विशेष संवाददाता (vol)

मेरठ। श्रावण कांवड़ यात्रा में लाखों शिवभक्तों की सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योगी सरकार और मेरठ जिला प्रशासन ने चिकित्सा व्यवस्था को हाईटेक बना दिया है। पहली बार कांवड़ मार्गों पर 18 बाइक एंबुलेंस उतारी गई हैं, जो भीड़भाड़ और संकरे रास्तों में भी कुछ ही मिनटों में कांवड़ियों तक पहुंचकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध करा रही हैं। गंभीर स्थिति होने पर तत्काल बड़े अस्पताल तक रेफर करने की व्यवस्था भी की गई है। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग ने पूरी कांवड़ यात्रा के लिए व्यापक चिकित्सा प्रबंधन तैयार किया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सकौती से मोहिउद्दीनपुर तक 6 बाइक एंबुलेंस तैनात की गई हैं। सलावा झाल से सिवालखास पुल तक 4 बाइक एंबुलेंस सेवाएं दे रही हैं। दयावती मोदी एकेडमी से बेगमपुल, बेगमपुल से परतापुर, बेगमपुल से लोहिया नगर सब्जी मंडी तथा हापुड़ अड्डा से माछरा रोड तक 2-2 बाइक एंबुलेंस लगातार गश्त कर रही हैं। इनका उद्देश्य किसी भी बीमार या घायल कांवड़िए तक सबसे पहले पहुंचकर उपचार उपलब्ध कराना है। कांवड़ यात्रा के दौरान कई स्थानों पर भारी भीड़ और यातायात प्रतिबंध के कारण सामान्य एंबुलेंस का पहुंचना कठिन हो जाता है। ऐसे में बाइक एंबुलेंस सबसे प्रभावी साबित हो रही हैं। प्रत्येक बाइक पर प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ और आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयां उपलब्ध हैं। सूचना मिलते ही टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर प्राथमिक उपचार देती है और जरूरत पड़ने पर मरीज को एंबुलेंस के माध्यम से उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था करती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि कांवड़ मार्गों पर 32 हेल्थ कैंप स्थापित किए गए हैं, जहां प्रशिक्षित चिकित्सक, दवाइयां, वैक्सीन कैरियर और आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं। इसके अलावा जिले के 25 निजी अस्पतालों में भी बेड आरक्षित किए है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में कांवड़ियों को तुरंत बेहतर उपचार मिल सके। एंटी स्नेक वेनम, डॉग बाइट इंजेक्शन समेत सभी जरूरी दवाइयों की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की अलग टीम जिला कंट्रोल रूम से 24 घंटे निगरानी कर रही है। हेल्पलाइन पर सूचना मिलते ही संबंधित बाइक एंबुलेंस और स्वास्थ्य टीम को तत्काल मौके पर भेजा जा रहा है। इसके लिए सभी वाहनों में ईंधन और आवश्यक संसाधनों की पहले से व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। योगी सरकार के निर्देशों और जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की निगरानी में तैयार की गई यह स्वास्थ्य व्यवस्था कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। तेज, सुलभ और त्वरित चिकित्सा सुविधा के कारण बाइक एंबुलेंस कांवड़ियों के लिए सबसे भरोसेमंद सहारा साबित हो रही हैं।

सीएम आज अम्बेडकरनगर को देंगे 706.81 करोड़ की सौगात

विशेष संवाददाता (vol)

- **गोविंद साहब से जनकल्याण योजनाओं का होगा शुभारंभ**

लखनऊ/अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जनपद अम्बेडकरनगर का दौरा करेंगे। अम्बेडकरनगर तहसील आलापुर अंतर्गत विकासखंड रामनगर स्थित पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन स्थल गोविंद साहब में उनका दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वह विधानसभा क्षेत्र टांडा, आलापुर और जलालपुर क्षेत्रों में कुल 706.81 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, पर्यटन, लोक निर्माण और कौशल विकास सहित अनेक विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल, बिजली आपूर्ति और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

टांडा विधानसभा क्षेत्र में 69 परियोजनाओं पर 217.69 करोड़ रुपये, आलापुर में 75 परियोजनाओं पर 312.18 करोड़ रुपये तथा जलालपुर में 50 परियोजनाओं पर 176.93 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें से शिलान्यास कार्यों की संख्या 36 और लागत 145.98 करोड़ रुपये है, जबकि लोकार्पण कार्यों की संख्या 158 और लागत 560.83 करोड़ रुपये है। इस दौरे से अम्बेडकरनगर में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार पिछड़े और विकास की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रों में तेज गति से कार्य कर रही है।

टांडा, आलापुर और जलालपुर जैसे क्षेत्रों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से जनजीवन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होने वाले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे। यह दौरा न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी नई रफ्तार देगा। मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर कोने तक विकास की किरण पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोक निर्माण से लेकर कौशल विकास तक अनेक जनहित कार्यों की एक साथ शुरूआत होगी, जो अम्बेडकरनगर को प्रगति के पथ पर और आगे ले जाएगा। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम स्थल से लेकर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की गई है।

पीपीपी मॉडल पर बनेंगे 18 आधुनिक बस स्टेशन, यूपीएसआरटीसी ने मांगी निविदाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के परिवहन ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर 18 प्रीमियम बस स्टेशनों और वाणिज्यिक परिसरों के विकास के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के अनुसार इन परियोजनाओं में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावना है। योजना के तहत बस स्टेशनों के साथ होटल, फूड कोर्ट, रिटेल शॉप, ऑफिस स्पेस, मल्टीप्लेक्स और अन्य व्यावसायिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सरकार ने निवेशकों के लिए 90 वर्ष तक की कंसेशन अवधि का प्रावधान किया है, जिससे दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 दोपहर 2 बजे निर्धारित की गई है। इच्छुक निवेशक यूपीएसआरटीसी और उत्तर प्रदेश ई-टेंडर पोर्टल से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। फेज-2 में जिन 18 स्थानों पर परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, उनमें अकबरपुर, अमेठी, बदायूं, भिनगा, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, गोला, सिधौली, माती, उन्नाव, हैदरगढ़, नहटौर, सराय अकिल, बादशाहपुर, तरवा, पीलीभीत और निचलौल शामिल हैं।

आगरा में यमुना किनारे 3.46 करोड़ से बनेगा रिवर फ्रंट पार्क

विशेष संवाददाता (vol)

- **झलकारी बाई चौराहे से वेदांत मंदिर तक विकसित होगा नया 'ग्रीन जोन'**
- **पार्क में मिलेगा 1500 मीटर लंबा पाथवे, ओपन जिम और एम्फीथिएटर**

आगरा। प्रदेश सरकार राज्य में पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और शहरी बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर लगातार ऐतिहासिक कदम उठा रही है। इसी कड़ी में अब ताजनगरी में यमुना नदी के किनारों को खूबसूरत, प्रदूषण मुक्त और उपयोगी बनाने की बड़ी तैयारी शुरू हो गई है। आगरा के झलकारी बाई चौराहे से लेकर वेदांत मंदिर के पास यमुना किनारे (यमुना बैंक साइड) एक नए और भव्य पार्क का विकास किया जा रहा है। योगी सरकार की इस पहल से शहरवासियों और पर्यटकों को एक बेहतरीन और अत्याधुनिक 'ग्रीन जोन' की सौगात मिलेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जुलाई 2026 को किया था।

यमुना किनारे की तस्वीर बदलने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 'अमृत 2.0' योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है, जिस पर 3.46 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस बड़ी धनराशि का उपयोग अविकसित और कचरायुक्त क्षेत्र को एक व्यवस्थित, हरे-भरे और आधुनिक सुविधाओं वाले पार्क में तब्दील करने के लिए किया जाएगा। योजना के तहत यहां 1500 मीटर लंबा और 1.5 मीटर चौड़ा सुंदर पाथवे, 200 वर्ग मीटर में ओपन जिम, फाउंटेन, आकर्षक लाइटिंग और बैठने के लिए बेंच की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 300 वर्ग मीटर में 100-150 लोगों की क्षमता वाला एक 'ओपन-एयर एम्फीथिएटर' भी बनेगा, जिसे लाल बलुआ पत्थर की सीटों के साथ डिजाइन किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 200 वाहनों की कार पार्किंग और 1500 मीटर क्षेत्र में मजबूत फेंसिंग भी की जाएगी। सरकार नदियों के संरक्षण (रिवर फ्रंट डेवलपमेंट) पर विशेष जोर दे रही है। साइट पर मौजूद कचरे को हटाकर औपचारिक लैंडफिल में भेजा जाएगा और प्रदूषित क्षेत्र को 'फाइटोरेमेडिएशन' प्रजातियों से आच्छादित किया जाएगा। दृश्य को बेहतर बनाने के लिए ताजमहल की ओर 'विजुअल कॉरिडोर' खुले छोड़े गए हैं। पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए कैसिया बाइफ्लोरा, बोगनवेलिया, नेरियम ओलियंडर, पाम और बेबी गोल्डन जैसी प्रजातियों का सघन पौधरोपण किया जाएगा।

उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थापित होंगी 'भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ'

50 वर्ष पुराने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को मिलेगा अवसर, 5,000 से अधिक छात्र संख्या वाले संस्थान होंगे पात्र

विशेष संवाददाता (vol)

- **प्रत्येक शोधपीठ को 5 वर्षों के लिए 2 करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान, एफडी के ब्याज से होगा शोधपीठों का नियमित संचालन**
- **दुर्लभ पांडुलिपियों एवं ग्रंथों का होगा डिजिटलीकरण**

लखनऊ। योगी सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के मुख्य प्रवाह में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों तथा राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ की स्थापना के लिए विस्तृत नीति और दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दर्शन, विज्ञान, संस्कृति और बौद्धिक विरासत को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार चाहती है कि नई पीढ़ी केवल आधुनिक शिक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि भारतीय ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और सांस्कृतिक मूल्यों को भी समझे तथा उन पर शोध कर विश्व स्तर पर नई पहचान स्थापित करे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि शोधपीठों की स्थापना के लिए स्पष्ट पात्रता मानक निर्धारित किए गए हैं। केवल वे विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय आवेदन कर सकेंगे, जिनकी स्थापना को कम से कम 50 वर्ष पूरे हो चुके हों। इसके साथ ही संस्थान में वर्तमान छात्र संख्या 5,000 से अधिक होना आवश्यक होगा तथा यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2(एफ) एवं 12 (बी) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य होगा।

योगी सरकार प्रत्येक चयनित शोधपीठ को पांच वर्षों के लिए 2 करोड़ रुपए का एकमुश्त अनुदान उपलब्ध कराएगी। यह धनराशि सावधि जमा (एफडी) के रूप में सुरक्षित रखी जाएगी तथा उससे प्राप्त ब्याज का उपयोग शोधपीठ के नियमित संचालन, शोध गतिविधियों और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में किया जाएगा।

शोधपीठों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), दान एवं अन्य वैधानिक स्त्रोतों से भी संसाधन जुटाए जा सकेंगे। पांच वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर शोधपीठों के कार्यों की समीक्षा कर आगे विस्तार का निर्णय लिया जाएगा। इन शोधपीठों के माध्यम से पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट तथा स्नातक एवं परास्नातक स्तर के शोधार्थियों को शोध अनुदान एवं शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के अंतर्गत शोध पुस्तकों, अनुवादों और समीक्षात्मक संस्करणों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ISBN व DOI के साथ कराया जाएगा। साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों, प्राचीन ग्रंथों एवं शोध सामग्री का डिजिटलीकरण कर उनका स्थायी संरक्षण किया जाएगा। शोध निष्कर्षों को ओपन-एक्सेस डिजिटल लाइब्रेरी तथा मॉक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश-दुनिया के विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

योजना के सफल संचालन के लिए प्रत्येक संस्थान में कुलपति अथवा प्राचार्य की अध्यक्षता में संचालन समिति गठित की जाएगी। समिति में विषय विशेषज्ञ, वित्त अधिकारी एवं बाह्य विशेषज्ञ शामिल होंगे। शोधपीठ के संचालन के लिए निदेशक/चेयर प्रोफेसर, शोध सहायक, शोध फैलो तथा डिजिटल एवं आईटी विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी। शोधपीठों के चयन के लिए निदेशक, उच्च शिक्षा, प्रयागराज की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय समिति सभी प्रस्तावों का परीक्षण कर शासन को संस्तुति भेजेगी। स्वीकृति के बाद ही बजट आवंटित किया जाएगा।

हर विकासखंड में तैयार होंगे मास्टर ट्रेनर

लखनऊ। योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे, जो शिक्षकों को तकनीक आधारित शिक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक, सहभागितापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य केवल विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाना है। जब शिक्षक तकनीक का प्रभावी उपयोग करेंगे, तभी विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण, रोचक और सहभागितापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी। यह प्रशिक्षण अभियान राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप डिजिटल शिक्षा को विद्यालयों की नियमित शिक्षण प्रक्रिया का मजबूत आधार बनाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने इस संबंध में सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक विकासखंड से एक शिक्षक को संदर्भदाता (मास्टर ट्रेनर) के रूप में नामित किया गया है। इनका राज्य स्तरीय प्रशिक्षण दो चरणों में 27 से 29 जुलाई तथा 4 से 6 अगस्त तक संपन्न हुआ। अब यही मास्टर ट्रेनर अपने-अपने विकासखंडों में शिक्षकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देंगे। प्रत्येक बैच में अधिकतम 50 प्रतिभागी होंगे। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और एस्केलेशन मैट्रिक्स की व्यवस्था की गई है।

51 अवैध इमारतों का निरीक्षण करेगी टीम

भू उपयोग के उल्लघंन पर कोर्ट ने एलडीए से जतायी नाराजगी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज क्षेत्र में आवासीय भूखंडों पर निर्मित 51 अवैध व्यावसायिक इमारतों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में पहुंच गया है। न्यायालय की ओर से गठित टीम अगले दो सप्ताह के भीतर लखनऊ पहुंचकर इन भवनों का भौतिक सत्यापन और स्थलीय निरीक्षण करेगी। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही मामले में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अधिकारियों का कहना है कि चूंकि भवनों की पहचान सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर की गई है, इसलिए अब आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ही होगी। यदि सुप्रीम कोर्ट ध्वस्तीकरण या अन्य कार्रवाई का आदेश देता है तो एलडीए उसका अनुपालन करेगा। वहीं, यदि न्यायालय किसी प्रकार की राहत देता है तो संबंधित भवन स्वामियों को उसका लाभ मिलेगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के अनुसार, चिन्हित 51 भवन किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अलीगंज के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में स्थित हैं। इन भूखंडों का मूल आवंटन आवासीय उपयोग के लिए किया गया था, लेकिन उन पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स और प्रतिष्ठान विकसित किए जाने की शिकायतें हैं।

अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की निरीक्षण टीम की रिपोर्ट पर टिकी हैं, क्योंकि उसी के आधार पर इन भवनों के भविष्य और संभावित कार्रवाई का फैसला होगा। उधर, भीषण अग्निकांड में 15 छात्रों की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को अवमानना नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई में सीलबंद लिफाफे में विशेष जांच दल की रिपोर्ट लेकर उपस्थित हों। अदालत ने यह भी पूछा है कि न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करने के मामले में उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ कर रही है। सुनवाई के दौरान न्यायालय के एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार सिन्हा ने अदालत को बताया कि जिस भवन में आग लगी थी, उसे ध्वस्त करने का आदेश पहले ही 10 मई 2016 को जारी किया गया था।

उन्होंने बताया कि इसके बावजूद 5 जुलाई 2016 को तकनीकी आधार का हवाला देते हुए प्राधिकरण ने अपना ही आदेश वापस ले लिया। इसके बाद कई वर्षों तक भवन के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और अंततः जून 2026 में हुए अग्निकांड में 15 छात्रों की मौत हो गई।

पूरे देश में लैंड यूज उल्लंघन पर नजर : सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि 25 मार्च 2026 के आदेश के जरिए मामले का दायरा बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया गया था। अदालत का कहना है कि राजधानी शहरों और बड़े शहरी क्षेत्रों में मास्टर प्लान, भवन उपविधियों और सार्वजनिक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना राष्ट्रीय महत्व का विषय है। अब अगली सुनवाई में उपाध्यक्ष को रिपोर्ट के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित होना होगा। सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई के बाद अवैध निर्माण और शहरी नियोजन में अधिकारियों की जिम्मेदारी को लेकर देशभर में बड़ा संदेश माना जा रहा है।

लैब में तैयार सेल्स से पेशाब की नली की बीमारी के इलाज में सफलता

लखनऊ। प्रदेश में पहली बार लैब में तैयार की गई सेल्स की मदद से यूरेथ्रल स्ट्रिक्चर यानी पेशाब की नली के सिकुड़ने की बीमारी का सफल इलाज किया गया है। यह कारनामा अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की टीम ने किया है। डॉ. मयंक अग्रवाल, डॉ. वेद भास्कर और डॉ. शैलेंद्र गुप्ता की टीम ने 30 वर्षीय लखनऊ निवासी मरीज का ऑपरेशन किया। मरीज 3 सेमी लंबी बुलबर यूरिथ्रा स्ट्रिक्चर से पीड़ित था। डॉक्टरों ने मरीज के गाल के अंदर से सिर्फ 10 एमएम गुणा 5 एमएम का छोटा सा ऊतक लिया। इसे हवाई मार्ग से पुणे की लैब भेजा गया। वहां 2 हफ्ते में टिश्यू इंजीनियरिंग से करीब 50 लाख सेल्स तैयार किए गए। इन सेल्स की लाइफ सिर्फ 72 घंटे होती है, इसलिए कोल्ड चेन में रखकर वापस लखनऊ लाया गया। अगले दिन दूरबीन की मदद से इन सेल्स को लिक्विड थ्रोम्बिन के साथ मिलाकर नली के सिकुड़े हिस्से पर लगाया गया। पूरी प्रक्रिया सिर्फ 15-20 मिनट में पूरी हुई।

आगरा एक्सप्रेस-वे पर एलडीए लायेगा वशिष्ठ नगर योजना

स्टेट कैपिटल रीजन का ग्रोथ इंजन बनेगी 1035 एकड़ की यह योजना

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण आगरा एक्सप्रेस-वे पर लगभग 1035 एकड़ क्षेत्रफल में वशिष्ठ नगर योजना विकसित करेगा। यह योजना न सिर्फ उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन में औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स व आर्थिक गतिविधियों को गति देगी, बल्कि राजधानी को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जोड़ेगी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि योजना का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। इसे मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत विकसित किया जाएगा, जिसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। वशिष्ठ नगर योजना में विश्वस्तरीय औद्योगिक अवसंरचना विकसित होने से बाहरी निवेश आकर्षित होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि स्टेट कैपिटल रीजन के विजन को साकार करने के लिए जरूरी है कि यहां बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किये जाएं। इसके लिए औद्योगिक विकास, निर्बाध कनेक्टिविटी, सतत विकास तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वशिष्ठ नगर योजना की रूपरेखा तैयार की गयी है। जिसमें आधुनिक औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स हब, उत्कृष्ट रोड नेटवर्क, विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना तथा पर्यावरणीय संतुलन पर विशेष बल दिया गया है। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि वशिष्ठ नगर योजना आगरा एक्सप्रेस-वे, मोहन रोड, लिंक एक्सप्रेस-वे तथा वरुण विहार योजना जैसे महत्वपूर्ण कॉरिडोर से सीधे कनेक्ट होगी। इससे उद्योग, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स एवं परिवहन क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि योजना में अंतरराष्ट्रीय बस टर्मिनल भी विकसित किया जाएगा।

इन गांवों की जमीन चिन्हित

उपाध्यक्ष ने बताया कि आगरा एक्सप्रेस-वे के एक तरफ वरुण विहार योजना और दूसरी तरफ वशिष्ठ नगर योजना विकसित की जाएगी। वशिष्ठ नगर के लिए ग्राम-रेवरी, भलिया, गहलवारा, आदमपुर इन्दवारा, बहरू एवं जलियामऊ की लगभग 1035 एकड़ भूमि चिन्हित की गयी है। शासन से मंजूरी मिलते ही किसानों से सहमति व अन्य माध्यमों के आधार पर योजना के लिए भूमि जुटाव का कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भूमि संकलित करने में लगभग 1328 करोड़ रुपए व्यय किये जाएंगे।

ऐशबाग जलकल मुख्यालय में आधुनिक वाटर टेस्टिंग लैब शुरू

पानी की गुणवत्ता की होगी कई स्तरों पर हो सकेगी जांच

लखनऊ। शहरवासियों को उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी अब और बेहतर तरीके से हो सकेगी। शुक्रवार को ऐशबाग स्थित जलकल मुख्यालय में नवनिर्मित आधुनिक वाटर टेस्टिंग लैब का उद्घाटन महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने किया। अत्याधुनिक उपकरणों से लैस इस प्रयोगशाला में पानी की विभिन्न स्तरों पर जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

नई लैब के माध्यम से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से लिए जाने वाले पानी के नमूनों की नियमित जांच की जाएगी, जिससे पेयजल की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। लैब के उद्घाटन अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि लखनऊ के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम और जलकल विभाग की प्राथमिकता है।

आधुनिक वाटर टेस्टिंग लैब शुरू होने से पानी की जांच प्रक्रिया तेज और प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि किसी क्षेत्र के पानी में गंदापन, क्लोरीन की कमी या हानिकारक बैक्टीरिया जैसी समस्या सामने आती है तो विभाग को समय रहते जानकारी मिल सकेगी और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जा सकेंगे। नई प्रयोगशाला में पानी के पीएच स्तर, टर्बिडिटी (गंदेपन), टीडीएस और अन्य घुले हुए पदार्थों की जांच की जाएगी। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि पानी में अम्ल या क्षार की मात्रा सामान्य है या नहीं। टर्बिडिटी जांच के जरिए पानी में मिट्टी, धूल या अन्य सूक्ष्म कणों की मौजूदगी का पता लगाया जाएगा। वहीं टीडीएस जांच से पानी में मौजूद नमक, खनिज और अन्य घुले हुए पदार्थों की मात्रा की जानकारी मिलेगी।

लैब में पानी में मौजूद क्लोरीन की मात्रा की जांच भी की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि जल को संक्रमण मुक्त रखने के लिए आवश्यक क्लोरीन की मात्रा सही है या नहीं। इसके अलावा पानी में मौजूद हानिकारक सूक्ष्मजीवों और बैक्टीरिया की जांच भी की जाएगी। इससे बीमारी फैलाने वाले तत्वों की पहचान समय रहते हो सकेगी। जलकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार शहर के अलग-अलग इलाकों से नियमित रूप से पानी के नमूने एकत्र कर उनकी जांच लैब में कराई जाएगी।

11 से 13 अगस्त तक ग्रेटर नोएडा में होगा इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो

विशेष संवाददाता (vol)

- सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, विद्युत एवं वीवीआईपी प्रबंधन पर रहेगा विशेष फोकस

लखनऊ। 11 से 13 अगस्त तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो-2026 एवं प्रस्तावित वीवीआईपी मूवमेंट की तैयारियों को लेकर यूपीनेडा के निदेशक श्री रविंद्र सिंह ने स्थानीय अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, अग्निशमन, कानून-व्यवस्था तथा अतिथि प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आयोजन से जुड़ी समस्त तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करते हुए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित हो सके। बैठक में बताया गया कि इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) एवं एमएम एक्टिव साई-टेक कम्युनिकेशंस द्वारा उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में देश-विदेश के उद्योग विशेषज्ञ, निवेशक, नीति-निमार्ता एवं प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान ग्रीन हाइड्रोजन, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी), एथेनॉल, बायोडीजल, वेस्ट-टू-एनर्जी, बायोमास, कार्बन मार्केट तथा अन्य स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों से जुड़े विषयों पर मंथन होगा।

150 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा शिविर में मिला उपचार

लखनऊ। बारिश के बावजूद यहियागंज स्थित श्री मूलचन्द रस्तोगी औषधालय में गुरुवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 150 मरीजों को उपचार मिला। शिविर का उद्घाटन पद्मश्री डॉ. नवजीवन रस्तोगी ने किया। डॉक्टरों की टीम ने की जांच शिविर में दमा, मधुमेह, स्त्री रोग, आयुर्वेद, होम्योपैथी, नेत्र और न्यूरो रोग के विशेषज्ञ मौजूद रहे। डा. विनय मिश्र, डा. संदीप अग्रवाल, डा. अंशुमाला रस्तोगी, डा. मयंक गुप्ता, डा. आरसी गुप्ता सहित 8 डॉक्टरों ने मरीजों को परामर्श दिया। लखनऊ हरिश्चन्द्र वंशीय समाज के संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी, महामंत्री प्रदीप रस्तोगी ने बताया कि भारी बारिश के बावजूद 4 घंटे में करीब 150 मरीज पहुंचे, इनमें 106 मरीजों ने डाक्टरों से सलाह ली और 38 मरीजों की पैथोलॉजी जांच की गयीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1918 में जुगल किशोर रस्तोगी ने इस आयुर्वेदिक अस्पताल की स्थापना की थी। लगभग 80 साल तक यहां मुफ्त इलाज हुआ।

रोडवेज कार्यशालाओं में बसों के पाट्र्स की कालाबाजारी की आशंका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की कुछ कार्यशालाओं में बसों के स्पेयर पाट्‌र्स की खरीद, भंडारण और उपयोग को लेकर अनियमितताओं तथा कथित कालाबाजारी की शिकायतों ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों और संबंधित सूत्रों का दावा है कि कई कार्यशालाओं में नए स्पेयर पाट्‌र्स के स्थान पर पुराने अथवा मरम्मत किए गए पाट्‌र्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि रिकॉर्ड में नए पाट्‌र्स जारी दिखाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इंजन, क्लच प्लेट, ब्रेक लाइनिंग, बैटरी, टायर, बेयरिंग और अन्य महंगे स्पेयर पाट्‌र्स के रखरखाव एवं वितरण में पारदर्शिता की कमी की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में उपयोग योग्य पाट्‌र्स को कबाड़ घोषित कर बाहर बेचे जाने और उनकी जगह नए पाट्‌र्स की खरीद दशार्ने की भी जांच की मांग उठ रही है। परिवहन विशेषज्ञों का कहना है कि यदि स्पेयर पाट्‌र्स के रखरखाव में अनियमितता होती है तो इसका सीधा असर बसों की सुरक्षा, संचालन और यात्रियों की सुविधा पर पड़ता है। समय पर गुणवत्तापूर्ण पाट्‌र्स उपलब्ध न होने से बसें लंबे समय तक कार्यशालाओं में खड़ी रहती हैं, जिससे निगम के राजस्व पर भी असर पड़ता है। कर्मचारी संगठनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सभी कार्यशालाओं के स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराने तथा स्पेयर पाट्‌र्स की खरीद और निर्गमन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी कार्यशाला में अनियमितता की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच कराई जाएगी। निगम का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर परिवहन सेवा उपलब्ध कराना है तथा भ्रष्टाचार या वित्तीय अनियमितता के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी।

विधायक उमाशंकर सिंह को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। छात्रशक्ति इंफ्रा लि. के संरक्षक एवं संस्थापक और रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन गुरुवार को मुख्य अभियंता गोरखपुर क्षेत्र, लोक निर्माण विभाग, कार्यालय पर उत्तर प्रदेश ठेकेदार कल्याण समिति के तत्वावधान में प्रदेश अध्यक्ष शरद कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें उनके जीवन एवं संघर्ष पर चर्चा की गयी। इसके बाद दिवंगत पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन कर दो मिनट का मौन रखा गया। शोक सभा में अनिल सिंह, राजू पाण्डेय, बृजलाल तिवारी, कपिल देव दूबे, मोहन सिंह, राम सेवक सिंह, अशोक सिंह, अजय पाण्डेय, हनुमान सिंह, अजीत राय, रमाशंकर यादव, डीएन सिंह, कुंवर प्रताप सिंह, वीरेन्द्र सिंह, अजय सिंह, शशि, लालजी चौधरी, राज शुक्ला, धनंजय सिंह, पंकज सिंह, सुभाष मिश्रा आदि सैकड़ो ठेकेदार उपस्थित थे।

लखनऊ व्यापार मण्डल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक अब्दुल कलाम सभागार क्लेट्रेट लखनऊ में शाम 5 बजे से प्रारंभ हुई जिसमें लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र के नेतृत्व में जनपद लखनऊ के विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी एवं वाणिज्य बंधु के अध्यक्ष को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में व्यापारियों एवं आम नागरिकों से जुड़ी विभिन्न विभागों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में मंडी समिति द्वारा लागू की गई जियो टैगिंग व्यवस्था को अत्यधिक जटिल एवं अव्यावहारिक बताते हुए इसे सरल बनाने तथा व्यापारियों पर अनावश्यक प्रक्रियात्मक बोझ समाप्त करने की मांग की गई।

विद्युत विभाग से संबंधित समस्याओं में सरार्फा बाजार की जर्जर भूमिगत विद्युत केबलों का तत्काल प्रतिस्थापन, पुराने एवं जर्जर बिजली के खम्भों को बदलना, व्यापारिक क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, बिजली एवं दूरसंचार के तारों के जाल को व्यवस्थित करना, लोड के अनुसार ट्रांसफार्मर स्थापित करना तथा सीसीटीवी एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग की गई। यातायात एवं पुलिस विभाग के संबंध में चारबाग क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई,

श्रीराम टावर के सामने लगी बैरिकेडिंग हटाने, ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने, व्यस्त चौराहों से 100 मीटर दूरी पर सवारी चढ़ाने-उतारने की व्यवस्था, डालीगंज बाजार में मालवाहक वाहनों के लिए समयबद्ध प्रवेश, पावर हाउस चौराहा (आशियाना), आलमनगर पुल एवं बुलाकी अडडा की जाम समस्या का समाधान तथा चौक क्षेत्र में पार्किंग एवं यातायात सुधार के लिए संयुक्त समिति गठित करने का सुझाव दिया गया।

केस्को में बिजली कर्मियों का वेतन रोका जाना गैर कानूनी : समिति

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने कहा है कि बिजली कर्मियों पर उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के साथ बिजली कर्मियों को एक्ट के तहत मिल रही रियायती बिजली की सुविधा समाप्त करने के की दृष्टि से केस्को में बिजली कर्मियों के वेतन रोकने का आदेश पूरी तरह गैर कानूनी है और ऐसे आदेश से बिजली कर्मियों में भारी गुस्सा फूट पड़ा है । संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों को रियायती बिजली की सुविधा इलेक्ट्रिसिटी रिफॉर्म एक्ट 1999, यूपी ट्रान्सफर स्कीम 2000 और इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के प्राविधानों के अनुसार मिल रही है। इसमें कोई भी छेड़छाड़ इन अधिनियमों का उल्लंघन है जिसे कदापि स्वीकार नहीं किया जायेगा। संघर्ष समिति ने बताया कि इलेक्ट्रिसिटी रिफॉर्म एक्ट 1999 के सेक्शन 23(7) में साफ लिखा है कि 14 जनवरी 2000 को बिजली कर्मियों को मिल रही रियायती बिजली की सुविधा किसी भी स्थिति में कमतर नहीं होगी।

95 प्रतिशत भुगतान के बाद भी नहीं मिला कब्जा, आवंटी परेशान

- गोमती नगर रेलवे स्टेशन की आरएलडीए परियोजना में 30 सितंबर 2023 मिलना था कब्जा

लखनऊ। विभूति खण्ड स्थित गोमती नगर रेलवे स्टेशन से जुड़ी आरएलडीए की प्रीमियम वाणिज्यिक परियोजना में अत्यधिक देरी के कारण सैकड़ों आवंटी परेशान हैं। आर-1 और आर-2 टावर वाली इस परियोजना में लगभग 150-200 आवंटियों ने 95% तक भुगतान कर दिया है, लेकिन आज तक न निर्माण पूरा हुआ और न कब्जा मिला।

यह बात गुरुवार को सप्रू मार्ग स्थित एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में आर-1 आर-2 कामर्शियल काम्पलेक्स व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दी। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष शिव दास रस्तोगी और महामंत्री जयेश सूद ने बताया कि आरएलडीए ने वर्ष 2020-21 में कंट्रक्शन लिंक्ड प्लान के तहत यह परियोजना आवंटित की थी। कब्जे की तिथि 30 सितंबर 2023 तय थी। लेकिन 3 साल बाद भी कोई नई और अंतिम तारीख घोषित नहीं की गई है। आवंटियों का कहना है कि उन्होंने बैंक लोन, सोना गिरवी, मकान बेचकर और रिटायरमेंट की पूरी पूंजी इसमें लगा दी थी। कई आवंटी मधुमेह, बीपी के मरीज हो गए हैं। एक को हार्ट अटैक भी आ चुका है। आवंटियों ने कहा कि रेल विभाग के

रवैये से लोग अवसाद में हैं। शिकायतों के लिए कई बार ईमेल किए गए, लेकिन सिर्फ एक बार काम जल्द होगा का आश्वासन मिला। हाईकोर्ट ने भी निर्माण तेज करने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्रगति अब भी धीमी है। उनकी मांग है कि परियोजना का कार्य युद्धस्तर पर निर्माण पूरा किया जाए। कब्जे की पक्की तारीख घोषित हो और तीन साल का 18% वार्षिक ब्याज मुआवजे के रूप में दिया जाए। एसोसिएशन के सदस्य एसपी सिंह ने बताया कि यदि आरएलडीए की तरफ कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन के लिए जल्द ही रणनीत तय करेंगे।

सिजेरियन सेक्शन और डबल वाल्व रिप्लेसमेंट एक साथ करके माँ और बच्चे की बचायी जान

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के डाक्टरों ने एक 26 वर्षीय गर्भवती महिला की बेहद जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। महिला को गंभीर रूमैटिक हार्ट डिसीज थी और उसकी सर्जरी में सिजेरियन सेक्शन के तुरंत बाद डबल हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट किया गया। उत्तर प्रदेश में यह अपनी तरह का पहला और भारत में चौथा मामला है। मरीज पहली बार माँ बनने वाली 26 वर्षीय महिला थी, जिसे गर्भावस्था के 32वें हफ़्ते में एसजीपीजीआई भेजा गया था, क्योंकि उसे लगातार साँस लेने में तकलीफ और दिल की धड़कन तेज होने की समस्या हो रही थी। जाँच में गंभीर कैल्सिफिक एओर्टिक स्टेनोसिस, गंभीर माइट्रल रीगर्जिटेशन और मध्यम पल्मोनरी हाइपरटेंशन का पता चला। अगर गर्भावस्था जारी रहती या सामान्य प्रसव की कोशिश की जाती, तो माँ और अजन्मे बच्चे दोनों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम हो सकता था। मैटरनल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ, कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजी और नियोनेटोलॉजी के विशेषज्ञों के बीच लंबी चर्चा के बाद, 21 जुलाई 2026 को एक बहुत अच्छी तरह से योजनाबद्ध संयुक्त ऑपरेशन किया गया।

60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा की तैयारी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा देने की संभावना पर चर्चा तेज हो गई है। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो प्रदेश की लाखों वरिष्ठ महिलाओं को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ धार्मिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी यात्राएं करना आसान हो जाएगा। प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की संख्या करोड़ों में है।

परिवहन विभाग के प्रारंभिक आकलन के अनुसार योजना लागू होने पर बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के बेड़े में लगभग 5,500 से अधिक बसें संचालित हैं, जो प्रतिदिन करीब 12 से 14 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं। ऐसे में निशुल्क यात्रा सुविधा लागू होने पर महिला यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। जानकारों का कहना है कि इस योजना से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को अधिक लाभ मिलेगा। अस्पतालों में उपचार, धार्मिक स्थलों के दर्शन, रिश्तेदारों से मिलने और आवश्यक कार्यों के लिए उन्हें किराए की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। साथ ही महिलाओं की सामाजिक भागीदारी और स्वतंत्र आवागमन को भी बढ़ावा मिलेगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकृति देती है तो पात्र महिलाओं के लिए आयु प्रमाण पत्र अथवा वरिष्ठ नागरिक पहचान पत्र के आधार पर यात्रा की व्यवस्था की जा सकती है। इसके लिए निगम को सरकार से अनुदान उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे बस संचालन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े। यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानजनक एवं सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अब सभी की निगाहें राज्य सरकार के अंतिम निर्णय पर टिकी हैं।

मिशन आरोही : परिवहन विभाग ने चलाया सघन प्रवर्तन अभियान

लखनऊ। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश आशुतोष निरंजन के निर्देश पर विभाग ने उत्तर प्रदेश के चिन्हित संभागों में दिनांक 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चार दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान मिशन आरोही चलाया है। अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन के डी सिंह गौर को इस अभियान का नोडल अधिकारी नामित किया गया है, जो प्रदेश के विभिन्न संभागों में स्वयं उपस्थित रह कर प्रवर्तन टीमों का नेतृत्व करेंगे और इस अभियान को प्रभावी और परिणामजन्य बनाने की रणनीति तय करेंगे। मिशन आरोही, मुख्यतः प्रवर्तन कार्यवाही के माध्यम से राजस्व, बकाया वसूली, ओवरलोडिंग के विरुद्ध कार्यवाही और अनधिकृत यात्री वाहनों के संचालन को रोकने तथा सड़क पर विभाग की प्रभावी कार्यवाही को आरोही क्रम में उत्तरोत्तर वृद्धि से प्रेरित है। इस मिशन के पहले दिन ही कानपुर, झांसी, बांदा, आगरा, और लखनऊ संभाग के प्रवर्तन अधिकारियों ने ताबड़तोड़ कार्यवाही की। अभियान के पहले ही दिन इन संभागों में विभिन्न अभियोग में कुल 958 वाहनों के चालान किए गए और 227 वाहन निरुद्ध किए गए। इस पूरी कार्यवाही से लगभग एक करोड़ की राजस्व/ कर, और जुमार्ने की प्राप्ति होगी। पहले दिन की कार्यवाही में अनाधिकृत संचालन में 69 चालान, 21 बंद, बिना नंबर प्लेट वाहनों के 520 चालान, 43 बंद, निजी वाहनों का व्यवसायिक प्रयोग में 55 चालान, 11 बंद, ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही में 113 चालान, 85 बंद और बकाया कर में 142 चालान तथा 48 वाहन बंद किए गए हैं।

एआई आधारित स्किल डेवलपमेंट पर प्रस्तुत हुए प्रेजेंटेशन

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा विभाग में नवाचार, अनुसंधान एवं उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गुरुवार को विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल की उपस्थिति में विभिन्न आईआईटी मंडी तथा आईआईटी इन्दौर द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए गए। बैठक में संस्थानों ने इलेक्ट्रिक व्हीकल तकनीक, स्पेस टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्किल डेवलपमेंट, शिक्षकों के क्षमता विकास तथा युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी दक्ष बनाने से जुड़े नवाचारों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। साथ ही एकेटीयू में अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित विशेष हब स्थापित करने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया।

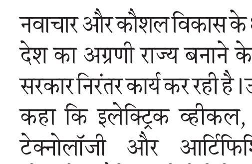

प्रस्तुतियों को देखते हुए मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्पेस टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को दक्ष बनाना समय की आवश्यकता है और ऐसे नवाचार आधारित प्रयास प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देंगे। बैठक में प्रस्तुत सुझावों एवं प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे नवाचारों को संस्थागत स्तर पर प्रोत्साहित करते हुए उद्योगों एवं शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक एवं भविष्य उन्मुख तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ईएनएचएम एण्ड डीएम) लखनऊ के द्वारा **ई–टेंडर संख्या 84-EnHM-CAMC-HAHW-03-IQN** के अंतर्गत एकल निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिसके बंद होने की तिथि व समय **26.08.2026, 15:00 बजे** तक है और उसी दिन **15:30 बजे** वेबसाइट पर खोला जाएगा। बोली लगाने वाले अपनी मूल या संशोधित बोलियां सिर्फ समाप्ति दिनांक एवं समय तक ही जमा कर पाएंगे। इस टेंडर के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे तथा मैनुअल ऑफर मिलने पर उसे नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। इस टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। टेंडरर ध्यान दें कि निविदा मूल्य या ईएमडी का भुगतान IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड इत्यादि तरीकों से करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, कैश डिपॉजिट रसीद वगैरह के ज़रिए मैनुअल/ऑफलाइन पेमेंट की अनुमति नहीं है।

कार्य का नाम	कम्प्रिहेन्सिव एनुअल मेण्टेनेंस काण्ट्रेक्ट (सीएएमसी) ऑफ 03 नं., IQNET सिस्टम मेक HAHW सिस्टम्स इन्सटाल्ड नियर, ARP, BLG एवं BDKN स्टेशन ओर लखनऊ डिवीजन फॉर ए पीरियड ऑफ थ्री ईयर्स विथ ओईएम/देयर आथराइज्ड डीलर ऑन सिंगल टेण्डर बेसिस।		
टेण्डर का प्रकार	सिंगल निविदा	निविदा पद्धति	सिंगल बिड सिस्टम
टेण्डर समाप्ति दिनांक एवं समय	26.08.2026 15:00 बजे	अपलोडिंग दिनांक	06.08.2026
प्री बिड (Yes/No)	नहीं	प्री बिड क्वेरी डेट एवं टाइम	नाट एप्लीकेबल
प्रकाशित मूल्य (रु. में)	रु. 38,25,338.16 (जीएसटी सहित)	टेण्डरिंग सेक्शन	टेण्डर ओएफ (ईएनएचम एण्ड डीएम)
निविदा का तरीका	सिंगल रेट फार आइटम	बिडिंग यूनिट	% ऊपर/नीचे/एट पार
धरोहर राशि (रु. में)	76,510.00	आफर वैधता (दिनों में)	45 दिन
निविदा मूल्य (रु.)	Nil	निविदा प्रारम्भ तिथि	13.08.2026

सं.: 84-EnHM-CAMC-HAHW-03-IQN दिनांक: 05.08.2026 2708/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

कंटेनर में घुसी डीसीएम, चालक व क्लीनर की मौत

- केबिन काटकर बाहर निकाले गये दोनों शव, पिपरसंड गांव के पास हुआ हादसा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीती रात किसान पथ पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां आगे जा रहे कंटेनर के अचानक ब्रेक लगाने पर पीछे से आ रही डीसीएम उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम का केबिन चकनाचूर हो गया। हादसे में डीसीएम चालक और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। फायर और एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शव केबिन काटकर बाहर निकाले।

पुलिस के मुताबिक बुधवार रात करीब 11 बजे हरदोई रोड की ओर से एक कंटेनर किसान पथ होते हुए बिजनौर की तरफ जा रहा था। उसके पीछे जालौन से सामान लेकर आ रही एक डीसीएम भी तेज रफ्तार में चल रही थी। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में पिपरसंड गांव स्थित गहरु अंडरपास के पास किसान पथ पर सड़क किनारे एक डीसीएम खराब खड़ी थी। कंटेनर चालक ने उसे बचाने के चक्कर में अचानक ब्रेक लगा दिया। इसी दौरान पीछे से आ रही डीसीएम ने कंटेनर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से डीसीएम का अगला हिस्सा पूरी तरह कंटेनर में घुस गया। केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें चालक शैलेंद्र (39) निवासी बरियारपुर, थाना कुठौंद, जिला जालौन और क्लीनर राजा भैया (35) निवासी बरियारपुर बुरी तरह फंस गए। हादसे की सूचना राहगीरों ने पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना पर सरोजनीनगर फायर स्टेशन से एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में दमकल और रेस्क्यू यूनिट पहुंची। काफी प्रयास के बाद भी जब केबिन नहीं खुला तो आलमबाग से एक रेस्क्यू यूनिट और हजरतगंज से एमडीआरवी के साथ एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीमों ने गैस कटर से डीसीएम का केबिन काटकर दोनों को बाहर निकाला। दोनों बुरी तरह लहूलुहान थे। आनन-फानन उन्हें लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

रेस्क्यू में जुटी 3 टीमें, आधे घंटे की मशक्कत: हादसे के बाद केबिन इतना क्षतिग्रस्त हो गया था कि बिना काटे शव निकालना मुमकिन नहीं था। पहले सरोजनीनगर फायर टीम ने कोशिश की, फिर आलमबाग की रेस्क्यू यूनिट और हजरतगंज की एमडीआरवी के साथ एसडीआरएफ भी मौके पर पहुंची। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद केबिन काटकर दोनों शव बाहर निकाले जा सके।

तेज रफ्तार और खराब वाहन बने हादसे की वजह: पुलिस का कहना है कि हादसे की प्राथमिक वजह तेज रफ्तार और सड़क किनारे खड़ी खराब डीसीएम है। कंटेनर चालक ने बचने के लिए ब्रेक लगाया तो पीछे से आ रही डीसीएम उसे देख नहीं पाई। किसान पथ पर रात में तेज रफ्तार वाहनों के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। पुलिस ने हाइवे पर खराब वाहनों को किनारे लगाने के निर्देश दिए हैं।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत: गोसाईगंज क्षेत्र के परेहटा गांव में 17 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई, जिसके अंतिम संस्कार के समय किसी ने इसकी सूचना डायल 112 पर कर दी। मौके पर पहुंची पीआरवी कर्मियों को शव जलता मिला।

इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों के अनुसार वंदना उर्फ गिल्ली 17 पुत्री कीर्तन को झटके की बीमारी थी। उसका एक निजी अस्पताल से इलाज चल रहा था। मां रामदुलारी का कहना है कि बारिश और घर में साधन न होने के कारण दो दिन से उसे अस्पताल नहीं ले जा सके, जिससे वंदना की बुधवार की रात करीब 9:30 बजे मौत हो गई थी। शव का परिजनों व अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में गुरुवार सुबह करीब 8:00 बजे गांव के श्मशान में अंतिम संस्कार कर किया जा रहा था। इसी बीच किसी ने डायल 112 पर पुलिस को इसकी सूचना दे दी। पीआरवी के हेड कांस्टेबल आर के बाजपेई के अनुसार उनके मौके पर पहुंचने तक शव का करीब 80 फीसदी दाह संस्कार हो चुका था। इंस्पेक्टर ने यह भी बताया कि परिजनों ने लिखित प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि वे किसी तरह की कार्रवाई नहीं चाहते है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवती की मौत: मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ईसापुर रेलवे क्रॉसिंग के पास बुधवार रात रेलवे ट्रैक पर एक युवती का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू भेज दिया। पुलिस के अनुसार मलिहाबाद स्टेशन मास्टर ने सूचना दी कि रेलवे किलोमीटर संख्या 1101/4 पर एक युवती का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह भाटी के निर्देशन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर युवती का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत मिला। उसका सिर धड़ से अलग था तथा दाहिना पैर घुटने के नीचे से कटा हुआ था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई कि युवती किसी ट्रेन की चपेट में आ गई थी। शुरूआत में शव की पहचान नहीं हो सकी, लेकिन बाद में पुलिस की जांच और स्थानीय लोगों की मदद से मृतका की पहचान सुधा उर्फ शिवकली (23) पुत्री कल्लू रावत निवासी ग्राम गोस्वा, थाना रहीमाबाद, लखनऊ के रूप में हुई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के पिता कल्लू रावत ने बताया कि उनकी बेटी लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और कई बार बिना बताए घर से निकल जाती थी।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की गयी जान

लखनऊ। बीकेटी क्षेत्र में बुधवार को सोलर पैनल लगाने गए एक मजदूर की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। एंगल ऊपर चढ़ाते समय वह हाईटेंशन तार से छू गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। मृतक सीतापुर का रहने वाला था और यहां मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था।

पुलिस के अनुसार सीतापुर के रामपुर मथुरा बहादुरगंज गांव निवासी शोभित कुमार (25) पिछले कुछ समय से चिनहट के तिवारीगंज में किराए के मकान में रहकर मजदूरी करता था। बुधवार को वह बीकेटी इलाके में एक घर में सोलर पैनल लगाने के काम से गए थे। दिन में काम के दौरान शोभित नीचे से सोलर पैनल का एंगल ऊपर पकड़ा रहा था। इसी दौरान एंगल ऊपर लगे हाईटेंशन बिजली के तार से छू गया। तेज करंट लगने से शोभित गंभीर रूप से झुलसकर नीचे गिर पड़ा। घटना होते ही साथ में काम कर रहे मजदूरों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। साथ ही घटना की सूचना घरवालों को भी दी गई। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने शोभित को मृत घोषित कर दिया। शोभित के पिता दिनेश ने बताया कि उनका बेटा अविवाहित था। घर में एक छोटा भाई सनी है। शोभित ही घर की जिम्मेदारी संभालता था। सूचना पर पहुंची बीकेटी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूएपीए मामले में सुनवाई में देरी पर हाईकोर्ट सख्त, विशेष अदालत से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

लखनऊ, विधि संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने दो कथित आतंकी आरोपितों के खिलाफ चल रहे यूएपीए मामले की सुनवाई में हो रही देरी पर सख्त नाराजगी जताई है। कोर्ट ने विशेष एनआईए-एटीएस अदालतए लखनऊ से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है कि हाईकोर्ट के बार.बार दिए गए निर्देशों के बावजूद मुकदमे की सुनवाई में अपेक्षित प्रगति क्यों नहीं हुई। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने हाईकोर्ट के पूर्व आदेशों के अनुपालन में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया पाया कि मुकदमे में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में आरोपितों के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत शीघ्र सुनवाई के मौलिक अधिकार की रक्षा का प्रश्न उठता है। आरोपित अंसाद बदरुद्दीन और फिरोज 17 फरवरी 2021 से जेल में हैं। उनके खिलाफ आईपीसीए गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यूएपीए विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। हाईकोर्ट ने सात दिसंबर 2022 को ट्रायल कोर्ट को मुकदमे की सुनवाई तेजी से पूरी करने और संभव हो तो एक वर्ष के भीतर निष्कर्षित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद जनवरी 2024 में कोर्ट ने निर्देश दिया था कि किसी गवाह की मुख्य परीक्षा पूरी होने के बाद उसकी जिरह तत्काल कराई जाए और सभी गवाहों की मुख्य परीक्षा पूरी होने तक जिरह लंबित न रखी जाए। सुनवाई पूरी न होने पर आरोपितों ने दोबारा जमानत अर्जी दाखिल की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि अभियोजन के कुल 18 गवाह हैंए लेकिन एफआईआर के सूचक पीडब्ल्यू.2 की जिरह अब तक पूरी नहीं हो सकी है। इसके लिए न्यायालय की ओर से कड़े कदम उठाए जाने और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिरह का अवसर दिए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस है। इस पर हाईकोर्ट ने ट्रायल जज से रिपोर्ट मांगी है कि पूर्व आदेशों के बावजूद मुकदमे की सुनवाई पूरी क्यों नहीं हो सकी और जनवरी 2024 के आदेश का प्रभावी अनुपालन क्यों नहीं किया गया।

शादी का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

लखनऊ। मड़ियांव क्षेत्र में युवती ने अपने परिचित पर शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाने और जब वह गर्भवती हो गई तो उस पर गर्भपात कराने का दबाव बनाया। युवती के विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपी और उसके परिजनों के खिलाफ रेप, धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई है। मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। मड़ियांव इलाके में परिजनों के साथ पीड़ित युवती रहती है। युवती के मुताबिक 60 फिटा रोड जानकीपुरम निवासी अतुल कुमार रावत से करीब छह साल से पहले उसकी मुलाकात हुई। आरोप है कि आरोपी अतुल रावत ने उसको शादी का झांसा दिया। इस बीच कई बार शारीरिक संबंध बनाए। जब वह 15 सप्ताह की गर्भवती हो गई तो आरोपी से शादी करने को कहा। आरोप है कि अतुल ने शादी करने से साफ मना कर दिया। यहां तक की उस पर गर्भपात कराने का दबाव बनाया। गर्भपात न कराने पर जान से मारने की धमकी दी। यही नहीं आरोपी ने अपने घरवालों को भी बताया कि युवती गर्भवती हो गई है। शादी के लिए दबाव बना रही है। आरोप है कि आरोपी अतुल के पिता मेवालाल रावत, मां व उसके मामा कालीचरन रावत ने भी गर्भपात कराने, रुपए की पेशकश कर मामले को रफा-दफा करने की बात कही।

पीजीआई क्षेत्र में पकड़ी गयी अवैध अंग्रेजी शराब, युवक गिरफ्तार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पी.जी.आई. पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने एक मकान में एकत्र कीगयी अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। शराब लखनऊ से अवैध रूप से तस्करी कर बिहार राज्य भेजने के लिए एक की गयी थी। पुलिस ने मौके पर एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 1346 क्वाटर अंग्रेजी शराब बरामद कीगयी है।

संयुक्त टीम ने मिली एक सूचनापर सेक्टर-10, वृन्दावन योजना पीजीआई क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक मकान पर दबिश दी, जहां भारी मात्रा में शराब मिली। मौके पर मौजूद अनिल वर्मा पुत्र स्व. लालजी प्रसाद, निवासी 551क/116 आजादनगर, थाना कृष्णानगर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसके द्वारा शराब की आपूर्ति विमल यादव निवासी जनपद आजमगढ के माध्यम से किए जाने की बात बताई गई। पुलिस काकहना है कि मौके पर कुछ पर शराब की नीले रंग की पेंट बोतले रखी थी तथा पास मे जमीन पर बिछे गद्दे पर नीले व काले रंग की शराब की पेंट बोतले रखी थीं। एक प्लास्टिक का बोरा तथा शराब की खाली पेटियां (गत्ते) जमीन पर पड़े थे। अभियुक्त अनिल वर्मा को गिरफ्तार कर पीजीआई पुलिस ने धारा-318(4)/338/336(3)/340(2)/350/61(2) बीएनएस व धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया।

पूछताछ करने पर पता चला कि अनिल वर्मा अवैध तस्करी करने का अभ्यस्त अपराधी है, जिसके द्वारा किराये का मकान लेकर अवैध शराब बनाने का कार्य अपने साथी विमल के साथ किया जा रहा था। दोनों के द्वारा मिलकर कूटरचना करके शराब की सीसी/बोतल तथा फर्जी क्यूआर कोड़ तैयार कर अलग-अलग ब्राण्ड लेबल लगाकर अवैध शराब काफी समय से तैयार कर विमल यादव जो आजमगढ़ का रहने वाला है, उसके द्वारा अपनी गाड़ी से अन्य राज्यों में सप्लाई की जाती थी। दोनों अपराधी अवैध शराब के कारोबार में पूर्व में जेल भी जा चुके है।

कीटनाशक पीने वाली किशोरी ने दम तोड़ा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र में बीती दो जुलाई को गांव के बाहर बने मंदिर में कीटनाशक पीने वाली किशोरी की इलाज के दौरान बुधवार रात मौत हो गई। किशोरी किसी बात से नाराज होकर यह कदम उठाया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार बीकेटी स्थित कठवारा गांव निवासी ज्ञान देवी (17) ने बीती दो जुलाई को गांव के बाहर बने मंदिर में जाकर कीटनाशक पी लिया था। ज्ञान देवी के पिता सुकरु ने बताया कि बेटी किसी बात से नाराज थी। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो गांव के लोगों ने घर आकर सूचना दी। आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए और भर्ती कराया गया। अस्पताल में लगभग एक महीने तक इलाज चलता रहा, लेकिन बुधवार रात ज्ञान देवी ने दम तोड़ दिया। परिवार में मां राजकुमारी के अलावा तीन भाई और दो बहनें हैं। ज्ञान देवी सबसे छोटी थी और घर पर रहकर घरेलू काम करती थी। घटना की सूचना पर बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

चालक ने कमरे में फांसी लगाकर की आत्महत्या: कैसरबाग क्षेत्र में बुधवार दोपहर नशे की हालत में घर लौटे एक निजी चालक ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक पिछले तीन महीने से पत्नी से अलग रह रहा था और इसी तनाव के चलते डिप्रेशन में था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार कैसरबाग स्थित पुरानी कचहरी के पास रहने वाले मनोज कुमार कश्यप (41) निजी चालक थे। परिवार में पत्नी काजल और दो बच्चे हैं। मनोज के भतीजे निखिल ने बताया कि करीब तीन महीने पहले चाचा मनोज और चाची काजल के बीच शराब पीने को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद काजल अपने बेटे-बेटी को लेकर मायके लखीमपुर खीरी चली गई थी। मनोज कई बार उन्हें वापस बुलाने गए, लेकिन वह नहीं आईं। इसी बात को लेकर मनोज काफी तनाव और डिप्रेशन में रहने लगे थे। बुधवार दोपहर करीब 4 बजे मनोज नशे की हालत में घर आए और सीधे अपने कमरे में चले गए। कुछ देर बाद जब उनकी भाभी कमरे में पहुंची तो उन्होंने देखा कि मनोज दुपट्टे और एंगल के सहारे फंदे से लटके हुए हैं। यह देखकर वह चीख पड़ीं। आवाज सुनकर घर के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में मनोज को बलरामपुर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची कैसरबाग पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली मंत्री ने लिया एक्सन, एक्सीएन निलंबित और चीफ को प्रतिकूल प्रविष्टि

लखनऊ। फुंके ट्रांसफार्मर न बदले जाने को लेकर देवरिया और गाजीपुर के अधिकारियों पर कार्यवाही की गई है। यह कार्रवाई गुरुवार को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा द्वारा प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जले हुए ट्रांसफार्मरों के समयबद्ध प्रतिस्थापन, कांवड़ यात्रा के दौरान विद्युत सुरक्षा तथा विद्युत व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा बैठक के दौरान की गई। कार्यवाही के निर्देश ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव आशीष गोयल ने दिए। देवरिया के लाल क्षेत्र में 10 दिन में फुंका ट्रांसफारमर न बदले जाने की शिकायत पर मुख्य अभियंता गोरखपुर (द्वितीय) को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। वहीं गाजीपुर के गहमर में 12 दिन से फुंका ट्रांसफार्मर न बदले जाने और बैठक में अनुपस्थित रहने पर वहां के अधिशासी अभियंता को निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अधीक्षण अभियंता को भी कड़ी चेतावनी दी गई है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जनता को समय पर बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऊर्जा मंत्री ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिए कि पूर्वांचल क्षेत्र में शिकायतों के निस्तारण की गति को तेज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं गंभीरता से नहीं कर रहे हैं, उन्हें तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए। कांवड़ यात्रा को देखते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों पर विद्युत सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। बैठक में प्रबंध निदेशक नितीश कुमार, मयूर माहेश्वरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर मुख्य सचिव राजस्व को हाईकोर्ट ने किया तलब

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजस्व संहिता के उत्तराधिकार सम्बंधी तीन प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवायी करते हुए, अपर मुख्य सचिव राजस्व को हाजिर होने का आदेश दिया है। न्यायालय ने पूछा है कि इस संबंध में गठित प्रदेश कैबिनेट की सब-कमेटी ने अब तक क्या कार्रवाई की है। मामले की अगली सुनवायी 12 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने सिद्धार्थ शुक्लाकी जनहित याचिका पर पारित किया है। याचिका में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 108, 109 और 110 को चुनौती दी गई है। याची की ओर से दलील दी गई कि उक्त प्रावधान एक विवाहित महिला को कृषि भूमि के उत्तराधिकार के लिहाज से निचले क्रम में रखते हैं जो संविधान के अनुच्छेद 14, 15(1) और 19(1)(जी) का स्पष्ट उल्लंघन है। न्यायालय ने मामले में राज्य सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने का आदेश दिया था।

सरकार पर लगाया 50 हजार का हर्जाना

लखनऊ, विधि संवाददाता। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार पर 50 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। दरअसल एक जनहित याचिका पर सुनवायी के दौरान न्यायालय ने पाया कि उसके द्वारा सात माह पूर्व 16 दिसंबर 2025 को दिए आदेश का अब तक अनुपालन नहीं किया गया है, इस पर न्यायालय हर्जाना लगाते हुए, अगली सुनवायी तक हर्जाने की यह रकम जमा करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने शैक्षिक संस्थानों को मान्यता देने वाली कमेटी के अध्यक्ष/विशेष सचिव को अगली सुनवायी पर हाजिर होने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवायी 7 सितंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने उदय प्रताप सिंह की याचिका पर दिया है। याचिका में सुल्तानपुर के लम्भुआ में एक ही प्लाट पर चार-चार विद्यालय चलाना दिखाया गया है। पिछली सुनवायी पर न्यायालय ने उक्त मामले में कार्रवाई का ब्यौरा तलब किया था।

कांवड़ियों को नशेड़ी व आतंकवादी कहने वाले मौलाना पर रासुका लगाने की मांग

लखनऊ। गाजियाबाद के लोनी विधानसभा से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ गुरुवार को हजरतगंज कोतवाली में तहरीर दी है। आरोप है कि मौलाना ने एक बयान में कांवडि ?ों को नशेड़ी और आतंकवादी कहा है। उनके इस बयान से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। लिहाजा, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करके रासुका की कार्रवाई की जाए। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। इंस्पेक्टर हजरतगंज के मुताबिक, गुरुवार शाम करीब पांच बजे विधायक नंद किशोर गुर्जर कोतवाली आए। उन्होंने तहरीर देते हुए ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। विधायक का आरोप है कि मौलाना ने कांवडि ?ों को नशेड़ी और आतंकवादी कहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान सामाजिक सौहार्द बिगाड ? वाले हैं। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने मांग की है कि मौलाना पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून एनएसए के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाए। फिर दोष सिद्ध होने पर मौलाना को फांसी की सजा दी जाए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

यह है मामला: ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने कांवड़ यात्रा को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने मेरठ में कांवड़ यात्रियों द्वारा पुलिसकर्मियों की पिटाई और लखनऊ में स्कूल वैन में तोडफोड़ का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे लोगों को शिवभक्त नहीं कहा जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग हिंसा करते हैं, नशा करते हैं और दूसरों को परेशान करते हैं, वे शिवभक्त नहीं बल्कि आतंकवादी हैं। बताते चलें कि करीब दो साल पहले भी मौलाना साजिद रशीदी ने एक डिबेट के दौरान विवादित बयान दिया था। इस पर भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने मौलाना के खिलाफ गाजियाबाद के लोनी थाना में शिकायत करते हुए बयान की क्लिप भी दी थी। उस समय भी उन्होंने मौलाना पर रासुका लगाने की मांग की थी।

मनचले को युवती ने दौड़ाकर चप्पल से पीटा

लखनऊ। कैसरबाग थाना क्षेत्र के लालबाग में बुधवार दोपहर एक मनचले को अभद्र टिप्पणी करना महंगा पड़ गया। भाई को टिफिन देने निकली युवती ने सड़क पर ही चप्पल निकाली और आरोपी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। भीड़ एकत्र होने और आरोपी के माफी मांगने के बाद युवती ने उसे छोड़ा। पुलिस के अनुसार अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। पीड़िता के मुताबिक वह बुधवार दोपहर अपने भाई को टिफिन देने जा रही थी। लालबाग से ओडियन सिनेमा की तरफ जाते समय रास्ते में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने उस पर अभद्र टिप्पणी की। युवती ने पहले मौके पर ही विरोध किया, लेकिन आरोपी बाज नहीं आया। इससे गुस्साई युवती ने चप्पल उतारी और आरोपी की पिटाई शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि डरकर आरोपी भागने लगा तो युवती भी उसे दौड़ाते हुए पीटती रही। यह सिलसिला करीब पांच सौ मीटर तक चला। शोर सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर जुट गए।

सूचना

सूचित हो कि सत्येन्द्र कुमार प्रजापति ने भूखण्ड संख्या-4, खसरा संख्या-174 का भाग, रकबा 1200 वर्गफिट स्थित गौरभीठ, वार्ड-फैजुल्लागंज, परगना, तहसील व जिला लखनऊ को श्रीमती समनावती पत्नी राम अधार से क्रय किया था जो दिनांक 27.01.2004 को बही संख्या 1 जिल्द संख्या 2020 के पृष्ठ संख्या 349 से 362 पर क्रमांक 810 पर कार्यालय उपनिबन्धक चतुर्थ, लखनऊ में पंजीकृत है, का मूल बैनामा मुझसे कहीं खो गया है। **श्रीमती शशि पाण्डेय पत्नी श्री अवनीश कुमार पाण्डेय नि.- ग्राम कनवा खेड़ा, जिला सीतापुर।**

असम बाढ़ आपदा से विस्थापित एक हजार परिवार को पुनर्वासित करेंगे डिप्लोमा इंजीनियर्स

- पीडब्ल्यूडी के डिप्लोमा इंजीनियर्स ने एक दिन में पांच लाख से अधिक की धनराशि का दिया सहयोग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। असम में आयी भीषण बाढ़ की तबाही से उजड़ चुके एक हजार परिवार को पुनर्वासित करने की जिम्मेदारी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन असम ने ली है। ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष इं. एनडी द्विवेदी ने देश भर के लगभग चार लाख डिप्लोमा इंजीनियर्स से अपील करते हुए इस पुनीत कार्य में असम डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन को पूरा सहयोग करने का आह्वान किया है। इस कार्य की जिम्मेदारी फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स असम ने ली है।

बता दें कि असम डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के सदस्य एवं पदाधिकारी प्रारम्भ से ही मौके पर जा कर असम के बाढ़ प्रभावित परिवार को राहत पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं, उन्हें आवश्यक वस्तुऐं यथा खाद्य सामग्री, कपड़े, बिस्तर, दवाई एवं अन्य सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। पूरी तरह उजड़ चुके गांव के पुनर्वासन का संकल्प भी उनके द्वारा लिया गया है। इं. मनमोहन राजबोंगशी, राष्ट्रीय सलाहकार, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स असम में लगातार कैम्प कर रहे हैं, उनके निर्देशन में फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा मौके पर राहत/बचाव एवं पुनर्वासन के कार्य में योगदान दिया जा रहा हैं। राहत एवं बचाव कार्य के साथ ही साथ यह डिप्लोमा इंजीनियर्स अब मौके पर उजड़ चुके परिवार के अध्यासन के लिए आवास बनाने की जिम्मेदारी में लग गये हैं, इसकी स्टैण्डर्ड ड्राईंग भी जारी कर दी गई है। इन आवासों के साथ आवष्यक बर्तन, कपड़े, बिस्तर एवं अन्य सामग्री भी प्रभावित परिवार को दी जायेगी।

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स के आह्वान पर डिप्लोमा इंजीनियर्स लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय अध्यक्ष इं. एनडी द्विवेदी ने प्रदेश के डिप्लोमा इंजीनियर्स से इस मुहिम में सहयोग करने की अपील की। इसके तहत पहले दिन फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स असम के खाते में प्रतिदिन ट्रांजेक्शन लिमिट होने के कारण मात्र रू. 152603 की धनराशि ही खाते में अंतरित हो सकी और आगे ट्रांजेक्शन रिजेक्ट होने लगा। अगले दिन बैंक द्वारा लिमिट बढ़ाये जाने पर डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग के सदस्यों द्वारा रू. 524941 का सहयोग फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स असम को किया गया। अब तक रू. 10 लाख से अधिक की धनराशि लोक निर्माण विभाग के डिप्लोमा इंजीनियर्स के द्वारा भेजी जा चुकी है। संघ के अध्यक्ष इं. एनडी द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं. श्रवण कुमार एवं महामंत्री इं. प्रकाश चंद्र ने अपने सदस्यों द्वारा दिये जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। उ.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष इं. एचएन मिश्र एवं महासचिव इं. नितेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रदेश के सभी अभियंत्रण विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर्स से इस आपदा में असम के प्रभावित परिवार के लिए आर्थिक मद्द किये जाने की अपील की है। फोरम ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स असम के रिटायर्ड एवं कार्यरत पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स एवं उप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ को इस भीषण आपदा में त्वरित रूप से प्रतिदिन किये जा रहे भारी भरकम आर्थिक सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, लखनऊ वृत्त, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

No.5146/401C(2)-LKOCIR/2026-27 **Dated: 03/08/2026**

ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ.प्र. की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, लखनऊ वृत्त, उ.प्र. लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग के कार्य हेतु रजिस्टर्ड श्रेणी - ए, बी एवं सी के लिए ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमों से अवगत हो लें।

क्र. सं.	जनपद	कार्य का नाम	बी.ओ.क्यू. के अनुसार आंकलित धनराशि (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य + स्टेशनरी + जी.एस.टी.	श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन हेतु अधिशासी अभि. का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि. का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	रायबरेली	रायबरेली लालगंज मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग से हरचन्दपुर सिरसाघाट मार्ग (अ.जि.मा.) के मध्य छूटी कड़ी वाया पूरे भवानी लालजी का पुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य (अवषेष कार्य)	44.70	4.24	2000.00+ 300.00+ 414.00 Total 2714.00	ए, बी एवं सी	04 माह (निर्माण) निर्माण के उपरान्त 05 वर्ष (अनुरक्षण)	निर्माण खण्ड-2 लो.नि.वि. रायबरेली	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मध्य क्षेत्र लो.नि.वि. लखनऊ

बिल ऑफ क्वान्टिटी में अंकित दरों में जी.एस.टी. छोड़कर लगायी गयी है।

निविदा आनलाइन दिनांक 11.08.2026 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 18.08.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 18.08.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगीं। शासनादेश संख्या-1/2018/3070/78-2-2018/42 आई.टी./2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदा का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर द्वारा किया जाना है, जिसका विवरण एन0आई0टी0 के बिड डाक्यूमेन्ट में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्ते http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(प्रमोद कुमार सिंह राणा)
अधिशासी अभियन्ता
नि.खं.-2, लो.नि.वि., रायबरेली

(जे.पी. सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ
For on behalf of Governor of UP

UPID-254509 Date: 06.08.26 Website : www.upgov.nic.in

30 ऑडिशन के बाद मिला पहला टीवी शो : ज्योति मुखर्जी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। 6 साल के लंबे ब्रेक के बाद अभिनय की दुनिया में वापसी करने वाली अभिनेत्री ज्योति मुखर्जी ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने अपने करियर के दूसरे सफर, रिजेक्शन, परिवार और फिल्मों-टीवी के बीच संतुलन को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि करीब 30 ऑडिशन देने के बाद उन्हें पहला टीवी शो मिला, जिसके बाद उनका नया सफर शुरू हुआ , साथ ही उन्होंने निर्देशक सिद्धार्थ मल्होत्रा सह-कलाकार अक्षय कुमार और सनी देओल के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया।

16 साल बाद इंडस्ट्री में वापसी करना कितना मुश्किल था ? आज अपने इस सफर को कैसे देखती हैं ?

असल में मैंने करीब पांच साल पहले दोबारा काम शुरू किया, जब मेरे बेटे और बेटी इतने बड़े हो चुके थे कि अपना ध्यान खुद रख सकें. लेकिन 16 साल बाद वापसी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था. इतने लंबे समय तक काम से दूर रहने के बाद आत्मविश्वास काफी कम हो जाता है. मन में बार-बार सवाल आता है कि क्या मैं फिर से काम कर पाऊंगी, लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं, काम मिलेगा या नहीं. मैंने टीवी के लिए लगभग 25 से 30 ऑडिशन दिए, कई रिजेक्शन भी मिले. आखिरकार मुझे 'तेरा मेरा साथ रहे' में काम मिला और वहीं से 2021 में मेरे नए सफर की शुरूआत हुई।

इतने साल परिवार को देने के बाद दोबारा काम शुरू करना आपके लिए कैसा अनुभव रहा ?

मेरी पूरी जिंदगी परिवार और बच्चों के इर्द-गिर्द ही रही. उन्हें स्कूल भेजना, पढ़ाना, होमवर्क कराना, उनकी हर छोटी-बड़ी जरूरत का ध्यान रखना—यही मेरी दुनिया थी. कई बार तो मैं खुद अपने बाल तक बनाना भूल जाती थी क्योंकि बच्चों में इतनी व्यस्त रहती थी. ऐसे में काम मेरे लिए सिर्फ प्रोफेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसी जगह है जहां मैं खुद के लिए कुछ करती हूं. यही मेरी अपनी पहचान है. इसलिए अब काम करके मुझे बहुत संतुष्टि और एक अलग तरह की खुशी मिलती है।

टीवी, फिल्में और परिवार—इन तीनों के बीच संतुलन कैसे बना लेती हैं ?

आज की महिला सब कुछ कर सकती है, बस थोड़ी प्लानिंग की जरूरत होती है. इक्का फिल्म की शूटिंग से करीब तीन महीने पहले मुझे मेरी डेट्स का पूरा शेड्यूल दे दिया गया था. मैंने वही शेड्यूल अपने टीवी शो की टीम के साथ साझा कर दिया, ताकि वे उसी हिसाब से मेरे सीन प्लान कर सकें. अगर पहले से सही योजना बना ली जाए तो परिवार और काम दोनों को आसानी से संभाला जा सकता है।

निर्देशक सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

उनके साथ काम करना शानदार रहा. वह ऐसे निर्देशक हैं जिन्हें पहले से पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए. उन्होंने पूरी फिल्म अपने दिमाग में पहले ही एडिट कर रखी होती है. इसलिए वह बेवजह ज्यादा टेक नहीं लेते. सबसे अच्छी बात यह है कि वह कलाकार को पूरा स्पेस देते हैं. पहले हमारी राय पूछते हैं और अगर किसी बदलाव की जरूरत होती है तो बहुत प्यार से समझाते हैं. उनके साथ काम करना एक बेहतरीन टीमवर्क जैसा अनुभव है।

आपने अपने किरदार 'ज्योति' की तैयारी कैसे की ?

हमने पहले स्क्रिप्ट रीडिंग की और पूरी कहानी को अच्छे से समझा. मैं अपने किरदार के बारे में पहले से कुछ जरूरी नोट्स बना लेती हूं, जैसे उसकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होगी, वह दिल्ली की महिला है तो उसकी बोली और लहजा कैसा होगा. लेकिन सेट पर पहुंचने के बाद मैं ज्यादा तैयारी नहीं करती. जैसे ही कॉस्ट्यूम, हेयर और मेकअप होता है, मैं खुद को उसी किरदार में महसूस करने लगती हूं. मैं एक स्पॉन्टेनियस एक्टर हूं और उसी तरीके से काम करना पसंद करती हूं।

सनी देओल के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

वाकई शानदार. एक कोर्टरूम सीन की शूटिंग चल रही थी और हमारे पास बहुत कम समय था. मेरा क्लोज-अप शूट होना था, इसलिए निर्देशक ने सनी सर से कहा कि अगर चाहें तो बैठकर आराम कर सकते हैं. लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया. उन्होंने कहा कि वह वहीं खड़े रहेंगे क्योंकि सामने वाले कलाकार की परफॉर्मेंस के लिए सही रिएक्शन जरूरी होता है. इतने बड़े स्टार होने के बावजूद उनका यह व्यवहार मुझे बहुत प्रभावित कर गया. तभी समझ आया कि लोग उन्हें इतना सम्मान क्यों देते हैं।

शूटिंग के पहले दिन कैसा महसूस हुआ ?

पहले दिन थोड़ी घबराहट और एक्साइटमेंट दोनों थीं. ऐसा होना बिल्कुल स्वाभाविक है. लेकिन अक्षय खन्ना और सनी देओल ने सेट पर सभी के साथ बहुत गर्मजोशी से व्यवहार किया. चाहे जूनियर आर्टिस्ट हो, मेकअप आर्टिस्ट हो या किसी का असिस्टेंट, दोनों सभी के साथ एक जैसा सम्मान से पेश आते थे. ऐसे माहौल में काम करना किसी भी कलाकार के लिए बेहद सुखद अनुभव होता है।

यहाँ तक पहुँचने की आपकी प्रेरणा कौन है ?

मैं सिर्फ कलाकारों से ही नहीं, बल्कि हर इंसान से प्रेरणा लेती हूं. बच्चे, बुजुर्ग, आम लोग—हर किसी से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है. पूरे दिन जो कुछ भी मैं देखती, सुनती या पढ़ती हूं, वही मेरी प्रेरणा बन जाता है।

रिश्तों की खूबसूरत कहानी है 'बड़की बहू छोटकी बहू 2'

लखनऊ। रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा जगत की चर्चित अदाकारा हैं। उनके पास एक के बाद एक कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। हालांकि, फिलहाल रानी 'बड़की बहू छोटकी बहू 2' की शूटिंग कर रही हैं। अक्सर वे सेट से झलकियां साझा करती हैं। आज रविवार को उन्होंने वीडियो शेयर किया है। इसमें वे दुल्हन बनी दिख रही हैं। रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो साझा किया है। इसमें वे लाल रंग की साड़ी पहने दुल्हन बनी दिख रही हैं। चटख लाल साड़ी में पारंपरिक गहने पहने दिख रही हैं। गले में मंगलसूत्र है। मांग टीका और नथ में वे खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'फिल्म 'बड़की बहू और छोटकी बहू 2' की शूटिंग पूरी एनर्जी के साथ चल रही है। बता दें कि इस फिल्म में रानी के साथ काजल राघवानी अहम भूमिका में हैं। इनके अलावा जय यादव. लाडो मधेसिया, मनोज टाइगर, कंचन मिश्रा, प्रेम दुबे, बीना पांडे और पारुल प्रिया भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन मंजुल ठाकुर ने किया है। वे इसके निर्देशक भी हैं। बता दें कि 'बड़की बहू छोटकी बहू 2' साल 2024 में आई 'बड़की बहू छोटकी बहू' का ही सीक्वल है। यह फैमिली ड्रामा फिल्म है। इसमें भी रानी चटर्जी और काजल राघवानी देवरानी और जेठानी के रूप में नजर आई थीं। यह एक सुपरहिट फिल्म है, जो अपनी कहानी, कॉमेडी और ड्रामा के लिए दर्शकों को बहुत पसंद आई है। जय यादव ने भी सेट से एक फोटो सोशल मीडिया पर साझा की है।

सावन की शिवरात्रि 11 को, शिवालयों में होगी भगवान शिव की विशेष पूजा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सावन शिवरात्रि का हिंदू धर्म में बेहद खास स्थान है। यह पर्व श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि पूरा सावन महीना भगवान शिव को समर्पित होता है, इसलिए इस दिन की गई पूजा, व्रत, रुद्राभिषेक और मंत्र जाप का फल कई गुना बढ़ जाता है। इसी कारण इस अवसर पर देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों की बड़ी संख्या देखने को मिलती है। इस दिन श्रद्धालु भगवान शिव को जल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित करते हैं। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन और श्रद्धा के साथ की गई शिव भक्ति से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। साथ ही भक्तों की मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन शिवरात्रि की चतुर्दशी तिथि 11 अगस्त को सुबह 4 बजकर 53 मिनट से शुरू होगी और 12 अगस्त को रात 1 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। चूंकि शिवरात्रि में रात्रि पूजन का विशेष महत्व होता है, इसलिए 11 अगस्त को ही यह पर्व मनाना अधिक उचित माना जाएगा। इस दिन रात्रि के चारों प्रहर में भगवान शिव की पूजा करने का विधान है।

चार प्रहर की पूजा का समय

- प्रथम प्रहर की पूजा– शाम 07:04 बजे से रात 09:45 बजे तक
- द्वितीय प्रहर की पूजा– रात 09:45 बजे से रात 12:26 बजे तक
- तृतीय प्रहर की पूजा– रात 12:26 बजे से सुबह 03:07 बजे तक
- चतुर्थ प्रहर की पूजा सुबह 03:07 बजे से सुबह 05:49 बजे तक
- इन चारों समयों में श्रद्धा के साथ पूजा करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है

सावन शिवरात्रि का धार्मिक महत्व : सावन शिवरात्रि का धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सावन में भगवान शिव की उपासना करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन व्रत रखने, रात्रि जागरण करने और ह्लॐ नमः शिवायह्व मंत्र का जाप करने से पापों का नाश होता है और मन को शांति मिलती है। साथ ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी खुलता है। अविवाहित युवक-युवतियां इस दिन मनचाहा जीवनसाथी पाने की कामना से व्रत रखते हैं, जबकि विवाहित लोग अपने वैवाहिक जीवन में सुख, शांति और दीघार्यु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं।

शिव पूजन विधि : सबसे पहले पानी में गंगाजल में डालकर स्नान करें। शिव मंदिर जाकर या घर पर ही शिव जी की विधिवत पूजा करें। शिवलिंग पर गंगाजल, शुद्ध जल चढ़ाएं। पंचामृत से अभिषेक करें। वस्त्र अर्पित करें और त्रिपुंड लगाएं। भगवान शिव को सफेद फूल, धतूरा, भांग और विशेष रूप से बिल्वपत्र अर्पित करें। बिल्वपत्र अर्पित करते समय 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। देसी घी का दीपक जलाएं। आखिरी में भाव के साथ आरती करें।

सावन में लखनऊ के शिवालयों में जुटती है भीड़: मनकामेश्वर मंदिर: डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर अपनी पौराणिक कथाओं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह मंदिर रामायण काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि भगवान राम के भाई लक्ष्मण ने माता सीता को वनवास छोड़ने के बाद यहां भगवान शिव की आराधना की थी, जिससे उनके मन को शांति मिली थी। इसीलिए इस मंदिर का नाम मनकामेश्वर पड़ा। मंदिर में चांदी के सिक्के जड़े हुए हैं और गर्भगृह में भोलेनाथ भव्य रूप में विराजमान हैं।

बुद्धेश्वर मंदिर: शहर के त्रेतायुगीन मंदिरों में एक बुद्धेश्वर महादेव मंदिर भी है। मान्यता है कि जब भगवान राम ने माता सीता को वनवास भेजा था तब लक्ष्मण जी को उनकी सुरक्षा की चिंता थी। उन्होंने इसी स्थान पर भगवान शिव की आराधना की जिससे प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें दर्शन दिए और माता सीता की सुरक्षा का आश्वासन दिया। जिस दिन भगवान्‌ लक्ष्मण को भगवान शिव के दर्शन हुए वह दिन बुधवार था इसलिए इस मंदिर में बुधवार को विशेष पूजा होती है। मंदिर के पास ही सीता कुंड स्थित है। माना जाता है कि यहां माता सीता ने स्नान किया था।

बड़ा शिवाला: लखनऊ के रानी कटरा स्थित बड़ा शिवाला का भव्य शिवलिंग प्राचीन होने के साथ अपने आप में नायाब है। इस भव्य शिवलिंग में 1001 रूद्र बने हैं इस कारण इस शिवलिंग पर जल चढाने मात्र से 1001 शिवलिंग पर जल चढाने का पुण्य मिलता है। रानी कटरा हिंदुओं की घनी आबादी वाला क्षेत्र है और यहीं कश्मीरियों द्वारा निर्मित यह मंदिर भी है। इस मंदिर में स्थित सहस्त्र लिंग प्रतिमा सारे भारत में कहीं और आपको देखने को नहीं मिलेगी।

प्रदोष व्रत 10 को , बन रहा दुर्लभ संयोग

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

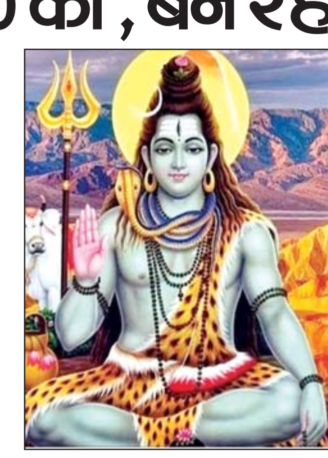

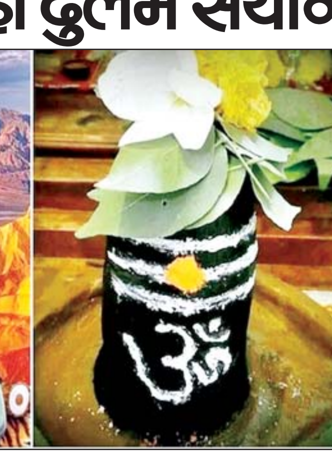

लखनऊ। भगवान शिव की आराधना के लिए सावन का महीना बेहद पवित्र और फलदायी माना जाता है। इस पूरे माह में पड़ने वाले सोमवार, मासिक शिवरात्रि और प्रदोष व्रत का विशेष धार्मिक महत्व होता है। प्रदोष के दिन भक्त व्रत रखकर भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियम के साथ करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। प्रदोष व्रत का नाम उस दिन के अनुसार रखा जाता है, जिस वार को यह पड़ता है। चूंकि सावन का पहला प्रदोष सोमवार के दिन आ रहा है, इसलिए इसे सोम प्रदोष के नाम से जाना जाएगा। सावन माह का पहला प्रदोष व्रत 10 अगस्त 2026 को रखा जाएगा। इस दिन सावन का दूसरा सोमवार भी पड़ रहा है, जिससे इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। सोम प्रदोष और सावन सोमवार का यह दुर्लभ संयोग भक्तों के लिए अत्यंत शुभ माना जा रहा है। इस दिन व्रत और पूजा करने से व्यक्ति को दोनों व्रतों का संयुक्त पुण्य प्राप्त होता है, जो जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता लाने वाला माना जाता है।

सोम प्रदोष व्रत का महत्व

सोम प्रदोष व्रत का महत्व भी विशेष रूप से बताया गया है। यह व्रत मानसिक शांति, दांपत्य सुख और पारिवारिक खुशहाली के लिए लाभकारी माना जाता है। जो व्यक्ति इस व्रत को पूरी श्रद्धा और नियमपूर्वक करता है, उसे भगवान शिव की कृपा से मनचाहे फल की प्राप्ति होती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझ बढ़ती है तथा रिश्तों में मधुरता आती है। साथ ही, जिन लोगों की कुंडली में चंद्र दोष होता है, उनके लिए यह व्रत अत्यंत लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसे करने से चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और दोष का प्रभाव कम हो सकता है।

प्रदोष व्रत मुहूर्त

- पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 10 अगस्त को सुबह 8 बजे से शुरू होगी और 11 अगस्त 2026 को सुबह 4 बजकर 54 मिनट पर समाप्त होगी।
- प्रदोष व्रत की पूजा का सर्वोत्तम समय शाम के दौरान होता है। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 7 बजकर 9 मिनट से रात 9 बजकर 23 मिनट तक रहेगा।
- इसके अलावा, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 49 मिनट से 5 बजकर 34 मिनट तक रहेगा, जबकि अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से 1 बजकर 9 मिनट तक रहेगा

अब पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनेगा नया शो 'अमृत गाथाएं'

लखनऊ। टी-सीरीज कंपनी अपनी पिछली धार्मिक एआई सीरीज, 'मां वैष्णो देवी और उनकी अद्भुत गाथा' की अपार सफलता के बाद, अब इस दिशा में एक और नया कदम उठाने के लिए तैयार है. इस विशाल कंपनी ने अब 'अमृत गाथाएं' नाम से एक नया पॉडकास्ट शुरू करने की आधिकारिक घोषणा भी की है. यह नया शो, सम्पूर्ण रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, यानी एआई वाली तकनीक की मदद से तैयार किया गया है. दर्शकों को इस नए डिजिटल शो के बारे में ज्यादा जानकारी देने के लिए टी सीरीज कंपनी ने इंटरनेट पर इसका एक आधिकारिक वीडियो टीजर भी जारी किया है. इसके तहत इस आने वाली प्रोजेक्ट के बारे में और भी बहुत कुछ बताया गया है. इस नए भक्ति पॉडकास्ट के सभी नए एपिसोड हर हफ्ते बुधवार और शनिवार को रिलीज किए जाएंगे. इन्हें विशेष रूप से टी-सीरीज भक्ति सागर के यूट्यूब चैनल पर ही प्रसारित किया जाएगा. इस शो में देश के प्राचीन धार्मिक इतिहास, पौराणिक कथाओं और जीवन के जरूरी संस्कारों से जुड़ी पुरानी कहानियों को आज के इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले दर्शकों की पसंद के हिसाब से ढाला गया है. खास बात यह है कि इसमें कहानियों के साथ दिखने वाले दृश्यों को तैयार करने के लिए आधुनिक एआई तकनीक का प्रयोग किया गया है ताकि लोगों को एक नया विजुअल का अनुभव मिल सके। इस नई कोशिश के जरिए टी-सीरीज अपनी पुरानी परंपराओं और भक्ति की कहानियों को आधुनिक डिजिटल माध्यम से सुरक्षित रखना चाहती है. इस पूरे प्रोजेक्ट को टी-सीरीज की एआई रिसर्च टीम ने काफी समय तक काम करने के बाद ही तैयार किया है, जहां तकनीक और धर्म को एक साथ लाने का काम किया गया है. आज के समय में नई पीढ़ी के लोग अपना काफी समय सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताते हैं. इसलिए उन तक इन पुरानी धार्मिक और नैतिक कहानियों को पहुंचाने के लिए इस तरह के डिजिटल पॉडकास्ट का सहारा लिया जा रहा है।

भोजपुरी महोत्सव का आयोजन कल से

लखनऊ। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभु नाथ राय के नेतृत्व में भोजपुरी महोत्सव का आयोजन विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह लोक निर्माण मुख्यालय निकट राजभवन लखनऊ में 8 अगस्त को आयोजित होने जा रहा है इस कार्यक्रम में पंकज चौधरी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा उत्तर प्रदेश एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में तथा केशव प्रसाद मौर्य जी उपमुख्यमंत्री एवं बृजेश पाठक उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही इसका उद्घाटन मनोज तिवारी सांसद दिल्ली के द्वारा किया जाएगा इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री माननीय सूर्य प्रताप शाही जयवीर सिंह पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह लखनऊ के महापौर सुषमा खर्कवाल प्रदेश भाजपा के महामंत्री संजय राय देवरिया सदर के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी कुशीनगर के भाजपा के विधायक पी0 एन0 पाठक सहित कई गणमान्य लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय के द्वारा पंकज चौधरी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं मनोज तिवारी सांसद दिल्ली एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा दिल्ली को भोजपुरी शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया जाएगा इसके साथ ही सूर्य प्रताप शाही कृषि मंत्री जयवीर सिंह पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुषमा खर्कवाल महापौर लखनऊ पवनसिंह चौहान शलभ मणि त्रिपाठी सदर विधायक देवरिया पी एन पाठक विधायक कुशीनगर नीरज सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तर प्रदेश संजय राय प्रदेश महामंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश को भोजपुरी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा ।

कार्यालय नगर पंचायत मौरावाँ–उन्नाव

पत्रांक-244/ पं.रा.वि.आ. /अ.क.नि.सू./ न.प. मौ. /2026-27 दिनांक-06/08/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पंचायत मौरावाँ-उन्नाव द्वारा राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत मौरावाँ में विकास कार्यों के अन्तर्गत निकाय में स्थित नलकूपों में पम्प हाउस निर्माण कार्य से सम्बन्धी कार्यों हेतु सील बन्द निविदायें दिनांक-14/08/2026 को अपरान्ह -1.00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत मौरावाँ उन्नाव के अनुभवी ठेकेदारो/फर्मों द्वारा आमन्त्रित की जाती है। आमन्त्रित प्राप्त निविदायें उसी दिन अपरान्ह 2.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र कार्यालय नगर पंचायत मौरावाँ कार्यालय से सांय-5.00 बजे तक दिनांक-13/08/2026 तक प्राप्त किये जा सकते है। अधोहस्ताक्षरीकर्ता को यह अधिकार होगा कि वह एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त/अस्वीकार कर दें। निविदा के साथ 2% जमानत नकद / एफ. डी.आर./एन.एस.सी. आदि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मौरावाँ के नाम बंधक करना अनिवार्य होगा। अन्य नियम व शर्तों की जानकारी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पंचायत मौरावाँ से प्राप्त की जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आंगणन राशि	जमानत धनराशि 2%	निविदा मूल्य 0.2+18% GST	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	6
1	वार्ड नं.-05 लोनियन खेड़ा (लक्ष्मीपुरम) में पम्प हाउस का निर्माण कार्य ।	5,39,931.00	10799.00	1080+195=1275.00	6 माह
2	वार्ड नं.-05 लोनियन खेड़ा में पम्प हाउस का निर्माण कार्य ।	4,95,975.00	9920.00	992+178=1170.00	6 माह
3	वार्ड नं.-02 पठकी टोला में पम्प हाउस का निर्माण कार्य ।	4,23,998.00	8480.00	848+153=1001.00	6 माह
4	वार्ड नं.-01 बेनीगंज (धोबिन टोला) में पम्प हाउस का निर्माण कार्य ।	5,76,626.00	11533.00	1153+208=1361.00	6 माह

शर्ते-:

1. निविदा में दर समस्त व्यय सहित दी जायेगी।
2. स्वीकृत निविदादाता को सूचना उपरान्त निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण करना होगा ।
3. स्वीकृत निविदादाता को नियमानुसार स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध करना होगा एवं 10 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करना होगा।
4. स्वीकृत निविदादाता को नियमानुसार आयकर, जी.एस.टी. व अन्य कटौतियों पश्चात भुगतान किया जायेगा ।
5. किसी एक या समस्त निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
6. निविदा के साथ 2 प्रतिशत जमानत नकद/ एफ.डी.आर./एन.एस.सी. आदि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मौरावाँ के नाम बंधक करना अनिवार्य होगा।
7. निविदा प्रपत्र के साथ ठेकेदार को जिलाधिकारी द्वारा जारी अगामी 31 मार्च, 2027 तक मान्य चरित्र प्रमाण-पत्र/ पंजीकन प्रमाण-पत्र/आयकर विभाग में पंजीयन प्रमाण-पत्र व जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रतियॉ संलग्न करना अनिवार्य होगा। संलग्न न होने की दशा में निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी ।

(संतोष चतुर्वेदी)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मौरावाँ
उन्नाव

(विवेक सेठ)
अध्यक्ष
नगर पंचायत मौरावाँ
उन्नाव

बच्चों और नये दर्शकों को पसंद आयेगी एनिमेशन फिल्म 'मोआना'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- ऐक्टर: कैथरीन लगाइया, ड्वेन जॉनसन, रेना ओवेन, जॉन तुई, फ्रैंकी एडम्स
- डायरेक्टर : थॉमस केल

रेटिंग-2.5/5

लखनऊ। 'द लायन किंग', 'अलादीन', 'लिलो एंड स्टिच' जैसी फिल्मों के बाद डिज्नी अब अपनी एक और बेहद कामयाब एनिमेशन फिल्म 'मोआना' को लाइव-एक्शन यानी पर्दे पर असल एक्टर्स के साथ नए रूप में लेकर आई है। साल 2016 में आई 'मोआना' ने लोगों का दिल जीतने के साथ साथ एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) में बेस्ट एनिमेटेड फीचर कैटेगरी में नॉमिनेशन भी हासिल किया था।

शायद यही वजह है कि मेकर्स ने फिल्म के इस लाइव-एक्शन को हूबहू पिछली फिल्म जैसा ही बनाया है। हालांकि, यही बात 'मोआना' के चाहने वालों को निराश भी करती है, क्योंकि यह नई फिल्म उन्हें कोई नया अनुभव नहीं देती। हां, जिन्होंने एनिमेटेड फिल्म नहीं देखी है, उन्हें समंदर से अठखेलियां करने वाली बहादुर नायिका मोआना जरूर रोचक लगेगी। कहानी मोटूनुई द्वीप के मुखिया की साहसी बेटी मोआना (कैथरीन लगाइया) की है, जो अपने लोगों की हिफाजत करने की खातिर पिता के मना करने के बावजूद, जान की परवाह किए बगैर अकेली समुद्री यात्रा पर निकल पड़ती है। उसका मिशन दैवीय शक्तियों वाले माउई (ड्वेन जॉनसन) को ढूंढकर लाना है, ताकि वह प्रकृति की देवी टा फिटी का दिल वापस लौटाकर पेड़-पौधों और वन्यजीवों से महरूम होते जा रहे अपने द्वीप को बचा सके। अब इसी पहले से देखी-दिखाई कहानी में मोआना अपने मिशन में कैसे कामयाब होती है ? उसके मिशन में क्या क्या रोड़े आते हैं, यही इस सफर को रोमांचक बनाता है। यदि आप पहली बार यह फिल्म देख रहे हैं तो असीम समंदर में मोआना की रोमांचक यात्रा, माउई संग उसकी मजेदार नोक-झोंक, समुद्र, द्वीप, विशाल लहरों समेत ग्रैंड विजुअल इफेक्ट्स आपको जरूर लुभाएंगे। म्यूजिकल होने के नाते गाने भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं और ऑस्कर नामित 'हाई फार आई'ल गो', 'यू आर वेलकम', 'शाइनी' जैसे गाने आकर्षक हैं और अच्छे लगते हैं। फिल्म का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट इसकी नायिका कैथरीन लगाइया हैं। मोआना के रूप में अपनी डेब्यू फिल्म में वह मासूमियत और साहस का खूबसूरत मेल लगी है। जबकि ताकतवर माउई के किरदार को फिर जिंदा कर रहे ड्वेन जॉनसन भी असरदार हैं। इन सबके बावजूद थॉमस केल निर्देशित इस फिल्म की सबसे बड़ी दिक्कत अपनी मूल फिल्म का सीन दर सीन नकल होना है। 'मोआना' फिल्म में जो सबसे बड़ी कमी खलती है, वह ये है कि इसमें ताजगी महसूस नहीं होती। ऊपर से विजुअल इफेक्ट्स भी इतने ज्यादा हैं कि यह लाइव-एक्शन के बजाय एनिमेटेड फिल्म ही लगने लगती है। ऐसे में, इस फिल्म को बनाने की जरूरत पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। कुल मिलाकर, यह फिल्म बच्चों और नए दर्शकों को तो पसंद आएगी, लेकिन मोआना के फैंस इससे थोड़े निराश हो सकते हैं।

संक्षेप

पड़ोसियों ने मां बेटी को पीटा

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के राजेपुर मतुला गांव निवासी एक माँ-बेटी को बुधवार की शाम को पड़ोसियों ने पुराने विवाद को लेकर मारपीट कर घायल कर दिया पीड़ित ने गुरुवार को घटना की तहरीर पुलिस को दिया उक्त गांव निवासी मकोई देवी पत्नी मेहीलाल सोनकर द्वारा एक विवादित जमीन पर पताईट रखने को लेकर पड़ोसी छब्बू व दुलार पुत्र बैजू सोनकर व सोहित पुत्र बबई सोनकर ने पहले गालियां देने लगे जब मना किया तो तीनों ने उसे तथा उसकी माँ को लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया थानाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों पर केस दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

करंट से बच्ची की मौत

जौनपुर। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र पतहना गांव में पंखे में उतरे करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलसी बच्ची गुरुवार को जिला अस्पताल ले जाते समय उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना से परिजन में कोहराम मच गया। उक्त गांव निवासी सुरेंद्र गौतम की पांच वर्षीया पुत्री सान्वी गौतम पंखे में उतरे करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन और पड़ोसी बच्ची को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां पर चिकित्सकों ने देखने के बाद उसे मृतक घोषित कर दिया। लेकिन उसके बाद भी परिजन बगल के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले गए वहां पर भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जमीन पर कब्जा, डीएम से लगायी गुहार

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के पल्टूपुर गांव की रहने वाली शोभा देवी ने उनकी पुश्तैनी आबादी की जमीन पर जबरन कब्जा करने, मारपीट करने तथा प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। शोभा देवी का आरोप है कि 5 अगस्त की सुबह गांव के कुछ लोगों ने उनकी पुश्तैनी आबादी की जमीन पर नाद और खूंटा हटाकर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर उनके साथ, उनकी देवरानी और पुत्री के साथ मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। उनका आरोप है कि उन्हें कई घंटे तक थाने में बैठाए रखा गया और इसी दौरान उनकी अनुपस्थिति में विवादित भूमि पर बाउंड्रीवाल बनाकर कब्जा कर लिया गया। आरोप लगाया है कि राजस्व व पुलिस कर्मियों की मिलीभगत से यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि घटना के वीडियो उनके पास सुरक्षित हैं और परिवार की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है।

गंदगी से परेशान ग्रामीणों का प्रदर्शन

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के रामपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 13 में जलभराव और गंदगी से परेशान ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद कुमार जायसवाल और सभासद मुकेश मिश्रा पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, नाली की सफाई न होने के कारण मुख्य मार्ग पर पानी जमा हो गया है। इससे आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है, और कई बार लोग गिरकर घायल हो चुके हैं। बगल में नाली होने के बावजूद, जाम होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। बताया कि क्षेत्र में पिछले एक हफ्ते से बिजली गुल है। सफाईकर्मी नियमित रूप से झाड़ू नहीं लगाते और कचरा नहीं उठाते, जिससे गंदगी का अंबार लगा हुआ है। एक महिला ने आरोप लगाया कि नाली का गंदा पानी उनके घरों में घुस रहा है।

एनसीएल में कोयला गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिंगरौली, सोनभद्र। गुरुवार को सिंगरौली स्थित भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एमडीआई, सिंगरौली में कोयला गुणवत्ता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। एनसीएल द्वारा यह कार्यक्रम कोयला गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं तथा गुणवत्ता के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एनसीएल के निदेशक (तकनीकी), आशुतोष द्विवेदी द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र की सतत प्रगति, ऊर्जा सुरक्षा तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कोयले की आपूर्ति से न केवल देश के विद्युत उत्पादन एवं औद्योगिक विकास को गति मिलती है, बल्कि उपभोक्ताओं का विश्वास भी सुदृढ़ होता है। श्री द्विवेदी ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक कार्यों में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर्स (एसओपी), वैज्ञानिक सैंपलिंग प्रणाली तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था को अपनाएँ। उन्होंने एनसीएल की कोयला गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को उत्कृष्टता का द्योतक बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कोयला गुणवत्ता के मूलभूत मानकों, इन-पिट गुणवत्ता नियंत्रण, कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) संचालन, साइजिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण, तृतीय पक्ष सैंपलिंग प्रोटोकॉल, शिकायत निवारण, मूल कारण विश्लेषण तथा सुधारात्मक उपायों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन गुणवत्ता नियंत्रण विभाग द्वारा महाप्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण), डॉ. सी. पी. सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओवरमैन, माइनिंग सरदार, विद्युत फोरमैन तथा कोयला प्रेषण एवं सीएचपी (सीएचपी) संचालन से जुड़े फ्रंटलाइन सुपरवाइजरों सहित 38 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राजकीय छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

सोनभद्र। समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शासनादेश के क्रम में छात्र-छात्राओं के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जनपद सोनभद्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पात्र छात्र-छात्राओं के लिए संचालित राजकीय छात्रावासों में प्रवेश ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समयावधि में आवेदन कर छात्रावास की आवासीय सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सोन नदी में मगरमच्छ के हमले से घायल मछुआरे की मौत

चोपन, सोनभद्र। सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र में सोन नदी में मछली पकड़ने के दौरान मगरमच्छ के हमले में घायल हुए मछुआरे की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं नदी किनारे बसे गांवों में मगरमच्छ की मौजूदगी को लेकर दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, चोपन क्षेत्र के करगरा निवासी एक मछुआरा नदी में मछली पकड़ने गया था। इसी दौरान पानी में मौजूद मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर किसी तरह उसे मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाया और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

बताया जा रहा है कि घायल का इलाज चल रहा था, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इलाज या लापरवाही ? घायल युवक के पैर में प्लास्टर की जगह बांधा कार्टून, तस्वीर ने खड़े किए बड़े सवाल घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग से सोन नदी के संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी, चेतावनी बोर्ड लगाने और लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में मगरमच्छों की गतिविधियां बढ़ने से मछुआरों और नदी किनारे रहने वाले लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि जिन क्षेत्रों में मगरमच्छों की मौजूदगी की आशंका हो, वहां लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। अकेले नदी में उतरने से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।

आकाशीय बिजली से दुधारू भैंस की मौत

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव में गुरुवार दोपहर गरज चमक के साथ हो रही बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दुधारू भैंस की मौत हो गई। मड़वा धनावल गांव निवासी पशुपालक दयाशंकर शुक्ल अपनी दुधारू भैंस को सीवान की तरफ चरा रहे थे बारिश के दौरान तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिर पड़ी जिसकी चपेट में आने से भैंस की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। पशुपालक ने घटना की सूचना हल्का लेखपाल व पशुचिकित्साधिकारी को दे दी है।

बारिश से जल जमाव आवागमन में बाधा

जौनपुर। जिले में बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने गुरुवार दोपहर तक जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में भारी जलजमाव हो गया है। नगर पालिका परिषद के अंतर्गत आने वाली नालियां और नाले पूरी तरह भर गए हैं। कई घरों में पानी घुस गया। विद्युत विभाग और जिला प्रशासन ने बारिश से पहले बिजली के खंभों को पॉलीथीन या प्लास्टिक पाइप से ढकने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद, नगर के कई खंभे अभी भी खुले पड़े हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। पूर्व में ऐसे नंगे खंभों के कारण तीन लोगों की जान जा चुकी है। जलभराव के कारण सड़कों के गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं। इससे चार पहिया व दो पहिया वाहन फंस रहे हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। मूसलाधार बारिश के मद्देनजर, डीएम सैमुअल पाल एन. के निर्देश पर गुरुवार को जिले के सभी परिषदीय (बेसिक) विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया। बरसठी विकास खंड में गुरुवार सुबह सीएचसी बरसठी जाने वाला मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया। बुधवार रात से हो रही बारिश के कारण रेलवे फाटक के पास एक यूकेलिप्टस का पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया, जिससे अस्पताल का संपर्क मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। इससे मरीजों और एम्बुलेंस को आवागमन में परेशानी हुई। मीरगंज क्षेत्र के रामपुरखुर्द गांव की दलित बस्ती का संपर्क मार्ग भी जलभराव के कारण पूरी तरह डूब गया है। रास्ते पर घुटनों तक पानी भरने से ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया है, जिससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को परेशानी हो रही है।

गड्ढे में डूबने से दो बालकों की मौत

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के गारोपुर गांव में बुधवार शाम समरसेबुल पंप लगाने के लिए खोदे गए पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गारोपुर निवासी अच्छेलाल उर्फ पप्पू गौतम ने समरसेबुल पंप लगाने के लिए मंगलवार को बोरिंग कराई थी। बोरिंग के लिए खोदा गया गड्ढा खुला छोड़ दिया गया था, जिसमें पानी भर गया था। गांव के छह वर्षीय शिवा बिंद पुत्र वीरेंद्र बिंद तथा वर्षीय आरव बिंद पुत्र अनिल बिंद खेलते हुए उसी रास्ते से गुजर रहे थे, इसी दौरान दोनों बच्चे पानी भरे गड्ढे में गिर गए। काफी देर तक दोनों बच्चे घर नहीं पहुंचे तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित गड्ढे में खोजबीन के दौरान दोनों बच्चे पानी और दलदल में फंसे मिले। ग्रामीण तत्काल उन्हें उपचार के लिए कटवार बाजार ले गए, जहां से गंभीर हालत में सुरियावां के एक अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर बरसठी पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि बोरिंग के बाद गड्ढे को सुरक्षित तरीके से भर दिया जाता या उसके चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम किए गए होते, तो यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों ने खुले गड्ढों की तत्काल सुरक्षित करने की मांग की है।

किन्नरों के दो गुटों में भिड़ंत, किया प्रदर्शन

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार दोपहर बधाई लेने के क्षेत्राधिकार को लेकर किन्नरों के दो गुट आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट व पथराव हुआ। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बाद में एक पक्ष के कुछ किन्नरों ने कोतवाली के बाहर प्रदर्शन भी किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों गुटों के बीच काफी देर तक मारपीट और पथराव चलता रहा। इस दौरान एक किन्नर गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति पर नियंत्रण पाया। पुलिस ने दोनों गुटों के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। झड़प के बाद एक पक्ष के किन्नरों ने कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाकर शांत कराया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्क है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो।

श्री अन्न अपनायें और कुपोषण से बचें

जौनपुर। कृषि विभाग की ओर से गुरुवार को विकास खंड केराकत एवं डोभी स्थित बीआरसी सभागार में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के तहत शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में श्री अन्न के पोषण, स्वास्थ्य लाभ और उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी गई। उप परियोजना निदेशक आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि कुपोषण देश की बड़ी चुनौतियों में से एक है, जिससे बचाव के लिए मिलेट्स का नियमित सेवन बेहद लाभकारी है। उन्होंने बताया कि ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, कोदो, सावा, जौ और जई जैसे मोटे अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इन्हें आज सुपरफूड के रूप में पहचान मिल रही है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यालयों में छात्रों को श्री अन्न के महत्व से जागरूक करें, ताकि उनके परिवार भी इसकी खेती और सेवन के लिए प्रेरित हों। उन्होंने बताया कि भविष्य में मिड-डे मील (एमडीएम) में भी श्री अन्न को शामिल किए जाने की योजना है, जिससे बच्चों के पोषण स्तर में सुधार होगा और किसानों की आय भी बढ़ेगी। अध्यक्षता शिक्षक संजय कुमार गुप्ता ने की, जबकि संचालन एडीओ दयानंद सिंह ने किया। प्रशिक्षण में बेसिक शिक्षा विभाग के लगभग 50 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

रातभर अंधेरे में डूबे दो दर्जन गांव, 60 हजार आबादी बिजली संकट से बेहाल

लालगंज, मीरजापुर। उपकेंद्र लालगंज के बस्तरा और मानिकपुर फीडरों में आई तकनीकी खराबी ने बुधवार रात दो दर्जन से अधिक गांवों की करीब 50 से 60 हजार आबादी को अंधेरे में धकेल दिया। पूरी रात बिजली गुल रहने से बरसात के मौसम में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की मुश्किलें बढ़ गईं। पेयजल संकट से लेकर मोबाइल चार्जिंग तक प्रभावित रही, जबकि अंधेरे के कारण सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जंतुओं का डर भी लोगों को सताता रहा। बस्तरा, खुर्दा, लालापुर, खैरही, बरडीहा, निनवार, घराघनपुर, नेवढ़िया, बल्हिया, रजई, कटाई समेत दो दर्जन से अधिक गांवों में पूरी रात बिजली नहीं आई। ग्रामीणों का आरोप है कि बरसात के मौसम में हर दूसरे-तीसरे दिन बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है लेकिन व्यवस्था में कोई स्थायी सुधार नहीं दिख रहा। उनका कहना है गांवों को अब भी बुनियादी सुविधाओं के मामले में नजरअंदाज किया जा रहा है। एमएससी, बीएससी और इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई कर चुकी ग्रामीण महिलाओं ने भी व्यवस्था पर सवाल उठाए। मनीषा ने कहा कि गांव में रहना मजबूरी है, लेकिन बिजली जैसी मूलभूत सुविधा भी भरोसेमंद नहीं है। कर्णावती ने कहा कि बार-बार की बिजली कटौती से ऐसा लगता है जैसे गांवों को फिर लालटेन के दौर में लौटाया जा रहा हो। उनका कहना है कि शहर और गांव के बीच सुविधाओं की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। उपखंड अभियंता अभिषेक मौर्य ने बताया कि फीडरों में आई तकनीकी खराबी को दूर कर वृहस्पतिवार सुबह विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई।

जातिगत आरक्षण के विरोध में पैदल यात्रा 9 अगस्त को

मीरजापुर। देश में व्याप्त व्यापक पैमाने पर जातिगत हिंसा, विरोध और नौकरियों में आरक्षण, विद्यालयों में आरक्षण, शिक्षण संस्थानों में आरक्षण, निश्चित रूप से देश के युवाओं और युवा होनहारों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहा है। जातिगत आरक्षण के चलते जहां एक छात्र बिना मेहनत किए किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर उसका हिस्सा बन रहा है, जबकि दूसरी ओर क्षेत्र, गांव, देश का होनहार छात्र अच्छे नंबर लाकर भी अपने आप को योग्य साबित नहीं कर पा रहा है। जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो रही है, और आपसी जातीय संघर्ष को बल मिल रहा है। इन सब परिस्थितियों को दूर करने के लिए तथा देश में समान नागरिकता की तरह सामान सेवा में अवसर, समान शिक्षा में अवसर, सामान विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अवसर को बल देने वाली गैर आरक्षण नीति को पोषण देने के लिए मिर्जापुर जनपद के समस्त जाति धर्म के लोगों का श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना आवाहन करती है। आईये और देश के सभी नागरिकों को एक रूप में एकरूपता प्रदान करते हुए केवल भारत देशवासी के नाम से उनकी पहचान बनाने के लिए इस जातिगत आरक्षण को खत्म करें। जातिगत आरक्षण के चलते देश में हो रहे हिंसा को खत्म करें। भेदभाव को खत्म करें। और इसके लिए सभी मिर्जापुर वासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों का श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना आह्वान करता है। दिनांक 9 अगस्त 2026 रविवार को घंटाघर के मैदान से एक सर्वजातीय, सर्वधर्म सभा एवं जुलूस का आयोजन किया जाएगा जो घंटाघर मैदान से चलकर विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ जिला मुख्यालय पहुंचेगा, और आरक्षण के विरोध में अपना प्रस्ताव रखेगा। और सर्वधर्म समभाव और सर्वजातीय समभाव की भावना को रखते हुए आरक्षण को समाप्त करने के लिए अपना पुरजोर विरोध करते हुए ज्ञापन सौंपेगा। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार इस गैर जातीय आरक्षण विरोधी जुलूस की अगुवाई करेंगे।

भंवरनाथ मंदिर परिसर में चला बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान, चार बच्चों का किया रेस्क्यू

आजमगढ़। डीएम के निर्देश पर गुरुवार को ज्योति राजपूत अभियान के अंतर्गत गठित समिति ने भंवरनाथ मंदिर परिसर में बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान चार बच्चे भिक्षावृत्ति करते हुए पाए गए, जिन्हें तत्काल रेस्क्यू कर चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय लाया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण (मेडिकल) कराने के बाद उन्हें नियमानुसार बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के आदेश पर सभी बच्चों को उनकी माता के सुपुर्द कर दिया गया।

रेस्क्यू किए गए बच्चों को कपड़े, चप्पल, टूथब्रश एवं टूथपेस्ट सहित आवश्यक उपयोगी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान बच्चों की माता ने बाल कल्याण समिति के समक्ष यह लिखित एवं मौखिक आश्वासन दिया कि भविष्य में वह बच्चों से भिक्षावृत्ति नहीं कराएंगी तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजकर शिक्षा दिलाएंगी। अभियान के दौरान अधिकारियों ने कहा कि बाल भिक्षावृत्ति बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। जिला प्रशासन का उद्देश्य ऐसे बच्चों को भीख मांगने से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध सिंह ने आमजन से अपील किया कि यदि कहीं कोई बच्चा भिक्षावृत्ति व बालश्रम करता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। अभियान में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम में संजय शाही, शैलेन्द्र मिश्र, प्रतीक सिंह, कविता गौतम, एएचटी थाने की टीम व वन स्टॉप सेंटर से सरिता पाल संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बेस्ट मजिस्ट्रीयल सम्मान से सम्मानित डीएम का किया सनबीम स्कूल ने स्वागत

आजमगढ़। बेस्ट मजिस्ट्रेटियल सम्मान से सम्मानित होने पर सनबीम स्कूल की टीम ने डीएम रविंद्र कुमार से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विद्यालय की ओर से जिलाधिकारी को स्मृति चिन्ह और पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. अंजिता दहिया, एचआर निलेश यादव एवं एक्टिविटी इंचार्ज प्रिया उपाध्याय ने डीएम से मुलाकात के दौरान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सनबीम स्कूल के छात्र-छात्राएं शिक्षा के साथ-खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, सामान्य ज्ञान व विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यालय की टीम ने डीएम से अनुरोध किया कि जिले में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक, खेलकूद तथा अन्य सरकारी कार्यक्रमों में भी सनबीम स्कूल के विद्यार्थियों को प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जाए, जिससे उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिल सके। डीएम रविंद्र कुमार ने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि सनबीम स्कूल आजमगढ़ के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकारी आयोजनों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराया जाएगा तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी विद्यालय को भी दी जाएगी। बैठक के दौरान 15 अगस्त को कलेक्ट्रेट एवं पुलिस लाइन में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी सनबीम स्कूल के विद्यार्थियों की संभावित सहभागिता पर चर्चा हुई।

डॉ. वेद प्रकाश द्विवेदी बने राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के प्रदेश महासचिव, हर्ष

आजमगढ़। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत द्विवेदी द्वारा जारी संगठन की नवीन सूची में आजमगढ़ के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. वेद प्रकाश द्विवेदी को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही जनपद के सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती के साथ उठाएगा। प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत द्विवेदी ने कहा कि डॉ. वेद प्रकाश द्विवेदी की संगठनात्मक क्षमता, सामाजिक सक्रियता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. द्विवेदी संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रदेशभर में संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रदेश महासचिव डॉ. वेद प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि यह नियुक्ति उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत द्विवेदी एवं शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। संगठन ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करूंगा। प्रदेश के प्रत्येक जिले में संगठन को मजबूत करना, युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं तथा समाज के वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की आवाज बुलंद करना मेरी प्राथमिकता होगी। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए हम सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य करूंगा। उन्होंने जनपदवासियों, संगठन के पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों द्वारा मिले स्नेह और शुभकामनाओं के लिए भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वास ही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

भारी बारिश से ड्रमंडगंज बाजार में हुआ जलजमाव आवागमन में हुई परेशानी

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र में गुरुवार को हुई झमाझम बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। वहीं पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जगह जगह सड़कों पर जलजमाव होने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार में ड्रमंडगंज हलिया मार्ग पर दो फीट पानी जमा होने से स्थानीय लोगों के अलावा राहगीरों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने सड़क पर जमा पानी निकासी हेतु समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है। वहीं क्षेत्र के खुटहा गांव में पीडब्ल्यूडी सड़क पर जलजमाव होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश से क्षेत्र के पहाड़ी नदी नाले उफान पर है।

संविदाकर्मियों के लिए पॉश अधिनियम पर कार्यक्रम आयोजित

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिंगरौली के सहयोग से संविदाकर्मियों के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संविदाकर्मियों को पॉश अधिनियम के प्रावधानों, शिकायत निवारण व्यवस्था तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल के महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम में अतुल कुमार खंडेलवाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिंगरौली, खालिद मुहतरम अहमद, विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम), मनोरम तिवारी, न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा तनु गुप्ता, प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड एवं सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति ने पॉश अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, कर्मचारियों के अधिकारों एवं कर्तव्यों, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा सम्मानजनक एवं सुरक्षित कार्यस्थल की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी कार्य वातावरण सुनिश्चित करना प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कुमार कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों एवं सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने में ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों की महत्ता पर बल दिया। इस अवसर पर रूमा डे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल), डॉ. देबस्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई), प्रणव वर्मा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), कामना शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), अजय कुमार मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक (विधि) सहित मानव संसाधन विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में संविदाकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षित, सम्मानजनक एवं लैंगिक समानता पर आधारित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

संक्षेप

वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

टूंडला। थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अनुपालन में गुरुवार को थाना टूण्डला पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर धारा 69/352/351(2) से संबंधित एक अभियुक्त अंकुश कुमार पुत्र स्व0 आनन्द कुमार निवासी ग्राम बिलराम थाना ढोलना जिला कासगंज हाल पता शिव शक्ति दुर्गा मन्दिर थाना सेक्टर-71 जिला गौतम बुद्ध नगर को तहसील के पास से गिरफ्तार किया। थाना पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

पूर्व राष्ट्रपति 3 दिवसीय वृंदावन प्रवास पर

मथुरा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीर्थनगरी वृंदावन के तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रवास पर रहेंगे। उनके आगमन का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। शुक्रवार को वे दिल्ली से प्रातः 9:30 बजे वृन्दावन के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां अपराह्न 12 बजे वृन्दावन पहुंचना तय है। इससे पूर्व जेवर टोल प्लाजा पर वे दोपहर का भोजन और संक्षिप्त आराम करेंगे। इसके बाद वे वृन्दावन के नवनिर्मित पांच सितारा विवांता होटल पहुंचेंगे। सायंकाल 6:10 बजे वे बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद 7 बजे प्रेम मंदिर जाएंगे। यहां से 7:40 बजे धानुका आश्रम में रासलीला का अवलोकन कर रात्रि भोज करेंगे। शनिवार 8 अगस्त को प्रातः 10:40 बजे वे रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम अस्पताल जाएंगे। जहां से वे रुक्मिणी विहार स्थित सिग्नेचर वृन्दावन धाम के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। शाम 5:30 बजे वे इस्कॉन मंदिर में दर्शन करेंगे। 9 अगस्त को प्रातः 9:20 बजे पूर्व महामहिम ज्ञानगुदड़ी स्थित वैजयंती आश्रम में आचार्य पुण्डरीक गोस्वामी से मुलाकात करेंगे। जहां से वे राधारमण मंदिर दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इसके बाद निधिवनराज और सेवाकुंज के दर्शन करेंगे। शाम 6 बजे वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का वृन्दावन से पुराना लगाव रहा है। इससे पूर्व वे भारत के महामहिम राष्ट्रपति रहने के साथ ही बिहार के राज्यपाल रहते भी रामकृष्ण मिशन अस्पताल आ चुके हैं।

320 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम के साथ शातिर गिरफ्तार

मथुरा। जनपद मथुरा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना गोविन्दनगर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान 320 ग्राम अवैध नशीले पदार्थ (अल्प्राजोलम) के साथ बीतीरात एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अजय वर्मा थाना गोविन्दनगर अपनी पुलिस टीम के साथ ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत जुटे हुए थे कि आशानगर कॉलोनी की ओर पेड़ से करीब 15 कदम आगे से अफजाल पुत्र जमील, निवासी- मनोहरपुरा, भरतपुर गेट को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से कुल 320 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम (नशीला पदार्थ) बरामद किया गया है। पुलिस ने थाना गोविन्दनगर में मु0अ0सं0- 320/2026 धारा 21/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की है।

स्वतंत्रता दिवस, हरियाली तीज व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर बैठक संपन्न

मथुरा। आगामी पर्वों स्वतंत्रता दिवस, हरियाली तीज और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर डीएमचंद्र प्रकाश सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में पर्वों को भव्य, दिव्य और पूरी तरह सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए।

डीएम ने लोक निर्माण विभाग को सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने और मार्गों की मरम्मत के निर्देश दिए। वहीं, यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सिंचाई विभाग को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और डेंजर लेवल पर लाल झंडी/मार्किंग लगाने को कहा गया। साथ ही नाव संचालकों के साथ बैठक कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। हरियाली तीज और जन्माष्टमी पर अस्पतालों की मैपिंग, डॉक्टरों की उपस्थिति, प्राइवेट अस्पतालों में बेड आरक्षित रखने, पर्याप्त स्वास्थ्य कैंप और नियमित दूरियों पर एम्बुलेंस की तैनाती के निर्देश दिए गए। घाटों के पास भी विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। विद्युत विभाग को त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, खुले विद्युत बॉक्स बंद करने, ट्रांसफार्मर की फेंसिंग, खंभों की प्लास्टिक रैपिंग करने और लटके तारों को ठीक करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद को प्रमुख मार्गों, चैराहों, मंदिरों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर बेहतरीन साज-सज्जा, लाइटिंग, सेल्फी पॉइंट और फसाद व तिरंगा लाइटिंग करने के निर्देश दिए गए। एस.पी. यातायात को पार्किंग का चिन्हांकन करने और ट्रैफिक डाइवर्जन प्लान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया। नगर निगम को पर्वों के दौरान पर्याप्त बैरियर और बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए गए। सभी उप जिलाधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों को पीस कमेटी की बैठक करने तथा प्रमुख मंदिरों के प्रबंधकों के साथ समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए। घाटों के आसपास विशेष साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, पर्याप्त पेयजल, खोया-पाया केंद्र, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, पीए सिस्टम से अनाउंसमेंट और जूता-घर जैसी जनसुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवारा पशुओं को पकड़कर निराश्रित गोवंशों को गोशालाओं में संरक्षित करने को कहा गया।

रिफाइनरी पाइपलाइन सेंध मामले में भूमाफिया की सम्पत्ति कुर्क

- गैंगस्टर एक्ट में बड़ी कार्रवाई देवास में गूंजी ढोल की मुनादी
- भू-माफिया बने तेल चोर के बेटों-पत्नी के नाम खरीदी बेनामी संपत्तियां सील

मथुरा। रिफाइनरी की मुख्य तेल पाइपलाइन में सेंध लगाकर करोड़ों का काला साम्राज्य खड़ा करने वाले गिरोह पर मथुरा पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी चोट की है। थाना फरह पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत मध्य प्रदेश के देवास जिले में दबिश देकर शातिर अपराधी अशोक कुमार की 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये की अवैध चल. अचल संपत्ति को कुर्क व सील कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट मथुरा के आदेश पर हुई इस अंतरराज्यीय कार्रवाई से तेल माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

गौरतलब हो कि इंदौर निवासी अभियुक्त अशोक कुमार मूल निवासी सोनकच्छ देवास एक संगठित गिरोह चलाता था। उसने भारत सरकार के उपक्रम इंडियन ऑयल रिफाइनरी की पाइपलाइन में छेद कर तेल चोरी का काला कारोबार फैलाया था। इस अवैध कमाई को सफेद करने के लिए उसने अपने बेटों और पत्नी के नाम पर मध्य प्रदेश के देवास में कई हेक्टेयर कीमती जमीनें और पेट्रोल पंप खरीद लिया। उसने देवास में बेटे रूपम के नाम 3.05 हेक्टेयर कीमत 8.20 करोड़ तथा दूसरे बेटे शुभम के नाम 2.73 हेक्टेयर कीमत 7.34 करोड़ कृषि भूमि खरीदी जबकि ग्राम सांवेर बी में पत्नी किरण के नाम दो अलग-अलग भूखंड कुल कीमत 1.75 करोड़ में क्रय किए। खुद के नाम पेट्रोल पंप व भूमि ग्राम बेराखेड़ी में 0.15 हेक्टेयर में संचालित जेजे किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप कीमत 1.35 करोड़ तथा पास ही 0.17 हेक्टेयर जमीन कीमत 60.80 लाख खरीदी। पुलिस ने आरोपी से 12.50 लाख नगद एक तेल टैंकर कीमत 4.50 लाख और क्वालिस गाड़ी कीमत 36 हजार बरामद किए है।

डीएम सीपी सिंह के आदेश पर देवास प्रशासन ने सोनकच्छ तहसीलदार हर्षल बहरानी के नेतृत्व में राजस्व व स्थानीय पुलिस की विशेष टीम गठित की। बुधवार को फरह थाना प्रभारी छोटेलाल व मथुरा पुलिस टीम ने देवास पहुंचकर प्रशासनिक ढोल नगाड़ों के साथ मुनादी कराई। सभी संपत्तियों पर जब्ती के सरकारी बोर्ड लगाकर पेट्रोल पंप और जमीनों को सील कर दिया गया। पुलिस प्रशासन के मुताबिक अपराध से संपत्ति अर्जित करने वाले माफियाओं के खिलाफ यह कड़ा संदेश है।

डीएम ने शुरू करायी पहली बार गौशालाओं की लाइव स्ट्रीमिंग

फिरोजाबाद। जिलें में पिछले दो दिनों से हो रही निरतर वर्षा के दृष्टिगत जनपद की समस्त गौशालाओं में गौवंश की सुरक्षा, हरा चारा, इलाज और जल भराव जैसी गुणवत्ताओं का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी द्वारा एक अभिनव एवं पारदर्शी पहल की शुरूआत की गयी है। जिलें के इतिहास में पहली बार जिलाधिकारी के कडे.निर्देशों पर गौशालाओ के रियल- टाइम लाइव स्ट्रीमिंग एवं डिजिटल निगरानी प्रारम्भ की गयी है। लगातार हो रही वर्षा के कारण गौवंशों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो औरं गौशालाओं की व्यवस्था दुरूस्त रहें, इसके लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा स्वंय इस लाइव मॉनिटरिंग के माध्यम से स्थिति पर सीधी नजर बनाए हुए है। जिलाधिकारी गौवंशों के संरक्षण, उनके स्वास्थ्य और गौशालाओं में बेहतर प्रबन्धन के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है, बारिश से उत्पन्न चुनौतियो से निपटने के लिए गौशालाओं के प्रबन्धन में लगे अधिकारियों को मुस्तैद किया गया है, ताकि तिरपाल, सूखा भूसा, हरा चारा, साफ-सफाई और जल निकासी के पुख्ता इंतजाम रहें, जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं सम्बन्धित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी गौशाला के प्रबन्धन में लापरवाही बर्दाशत नही की जाएगी और पशु चिकित्सक लगातार गौशाला का निरीक्षण करते रहे, जिससे बीमार गौवंशों की चिकित्सा समय से की जा सके, लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान यदि किसी भी गौशाला में अव्यवस्था या जल भराव की समस्या दिखी तो उस पर तत्काल प्रभाव से समुचित कदम उठाकर समस्या का समाधान त्वरित किया जाए, प्रशासन का यह निरंतर प्रयास है कि गौवंशों की सेवा और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाशत नही होगी।

‘मिशन आरोही’ अभियान का दूसरा दिन 20 वाहन सीज और 76 के हुए चालान

मथुरा। परिवहन आयुक्त, उप्र के निदेर्शानुसार जनपद में 5 से 8 अगस्त 2026 तक चलाए जा रहे 04-दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान मिशन आरोही के तहत आज दूसरे दिन भी परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई जारी रही। यह अभियान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। ए.आर.टी.ओ. राजेश राजपूत के निर्देशन में, एआरटीओ सत्येंद्र सिंह तथा यात्री कर अधिकारी पूजा सिंह की संयुक्त टीम ने जनपद में विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग की। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिसमें बिना वैध प्रपत्र, अनफिट स्लीपर लंबी दूरी की बसों, बिना भ्ैत्च/विकृत नंबर प्लेट और गंभीर ओवरलोडिंग में लिप्त पाए गए कुल 20 वाहनों को सीज कर स्थानीय थानों में निरुद्ध कराया गया। बकाया कर, निजी वाहनों के अनाधिकृत व्यावसायिक प्रयोग (रेलवे स्टेशन व संवेदनशील स्थलों पर), ओवरस्पीडिंग, तथा बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के वाहन चलाने वाले कुल 76 वाहनों के चालान काटे गए। एआरटीओ राजेश राजपूत ने इस विशेष अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मिशन आरोही का मूल उद्देश्य केवल चालान या जब्ती की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के जरिए सड़कों से अनफिट और अवैध वाहनों के संचालन को पूरी तरह समाप्त करना है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, यात्रियों को सुरक्षित परिवहन सेवा देना और विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में बकाया राजस्व/कर वसूली में न्यूनतम 30 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करना विभाग का प्राथमिक लक्ष्य है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 8 अगस्त तक यह अभियान पूरी कड़ाई के साथ जारी रहेगा। अधिकारियों ने सभी वाहन स्वामियों ङ्कचालकों को कड़ी चेतावनी दी है कि वे अपने वाहनों के सभी कागजात (फिटनेस, परमिट, बीमा, टैक्स, एचएसआरपी) पूर्ण रखें और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कठोरतम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिज्ञासा कोचिंग संस्थान ने मनाया नौवां स्थापना दिवस

- निदेशक आकाश सर जिज्ञासा रत्न से सम्मानित

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा-वृन्दावन। वृन्दावन स्थित जिज्ञासा कोचिंग संस्थान का नौवां स्थापना दिवस गुरुवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया।

मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी फरह प्रवीण झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक आकाश सर ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र बताते हुए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। गणित के अध्यापक संस्कार शर्मा ने प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित विषय को आसान बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक चेतन राघव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि जिज्ञासा कोचिंग संस्थान से अब तक सैकड़ों छात्र-छात्राओं का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस, उपनिरीक्षक (दरोगा), शिक्षक सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं में हो चुका है, जो संस्थान की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत का प्रमाण है।

समारोह के दौरान संस्थान के निदेशक आकाश सर को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिज्ञासा रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उद्योगपतियों की समस्याओं का होगा समयबद्ध समाधान : एसएसपी

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में जनपद के उद्योगपतियों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात, साइबर अपराध, श्रमिकों की सुरक्षा सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उद्योगपतियों द्वारा रखी गई समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में उद्योगों के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा औद्योगिक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। एसएसपी आदित्य लांग्हे ने उद्योगपतियों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि अथवा साइबर अपराध से संबंधित सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस या पुलिस कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। बैठक में मौजूद उद्योगपतियों ने पुलिस प्रशासन द्वारा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने और त्वरित समाधान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक लाइन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नंदबाबा के आंगन से गूंजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के स्वर

नंदगांव (मथुरा)। ब्रज के प्रमुख तीर्थ नंदगांव स्थित श्री नंदबाबा मंदिर परिसर से गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के दिशा-निर्देश में आयोजित इस अभियान के तहत मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण, न्यायालय में चल रही कानूनी प्रक्रिया तथा ऐतिहासिक साक्ष्यों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान घर-घर संपर्क कर हस्ताक्षर कराए गए तथा विषय से संबंधित पुस्तिकाएं और पंपलेट वितरित किए गए।

श्री नंदबाबा मंदिर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संत श्री श्यामानंद जी महाराज ने इस विषय से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायालय में चल रही प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया कि हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट लंबे समय से न्यायालय में इस मामले की पैरवी कर रहे हैं और जनसमर्थन के माध्यम से समाज को इस विषय के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंदिर के सेवायतों एवं अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जनजागरण का उद्देश्य समाज को ऐतिहासिक तथ्यों एवं न्यायालयीन प्रक्रिया से अवगत कराना है। उन्होंने सेवायतों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर लोगों को उपलब्ध दस्तावेजों और ऐतिहासिक प्रमाणों की जानकारी दें तथा अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ें। इसके बाद सेवायतों एवं कार्यकर्ताओं की टोली ने नंदगांव के विभिन्न मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया। घर-घर पहुंचकर लोगों को श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्यों, मंदिर ध्वंस से संबंधित उपलब्ध दस्तावेजों तथा न्यायालय में प्रस्तुत किए जा रहे तथ्यों की जानकारी दी गई। इस दौरान विषय पर तैयार साहित्य, पुस्तिकाएं और पंपलेट भी वितरित किए गए। अभियान के दौरान विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण, हिंदू मंदिरों के ध्वंस तथा उनसे जुड़े ऐतिहासिक संदर्भों पर आधारित सामग्री के माध्यम से लोगों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। अभियान के साथ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, श्रद्धालुओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। नारी शक्ति की उल्लेखनीय सहभागिता रही। महिलाओं ने भी हस्ताक्षर कर अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। आयोजकों के अनुसार आने वाले दिनों में यह हस्ताक्षर अभियान ब्रज के अन्य गांवों और नगरों में भी चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों का समर्थन प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण के मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण की अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस उद्देश्य से चल रहे जनआंदोलन में अपनी सहभागिता निभाएंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालय के माध्यम से चल रहे प्रयासों के प्रति समाज का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग इस विषय में जागरूक होकर अपना समर्थन दे रहे हैं। इस अवसर पर नंदबाबा मंदिर के सेवायत जगदीश गोस्वामी, कान्हा गोस्वामी, सोनू, गोविंद, दान बिहारी गोस्वामी, योगेश, रवि गोस्वामी, शिवहरि गोस्वामी, पंकज गोस्वामी, दीपक गोस्वामी, शशिकांत, अटल गोस्वामी, गोपाल गोस्वामी, हीरा तथा बलदेव गोस्वामी सहित विभिन्न प्रांतों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में संचालित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि जनजागरण के माध्यम से समाज को ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायालय प्रक्रिया की जानकारी देना समय की आवश्यकता है।

ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता में पुलिस के दो जवानों ने जीते कांस्य पदक

फिरोजाबाद। हैदराबाद में 23 से 30 जुलाई 2026 तक आयोजित ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता के अंतर्गत पेंचक सिलाट स्पर्धा में जनपद फिरोजाबाद में तैनात मुख्य आरक्षी रामू सिंह सिसोदिया एवं मुख्य आरक्षी गिरधारी लाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जनपद फिरोजाबाद और उत्तर प्रदेश पुलिस का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाया। दोनों खिलाड़ियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने उन्हें एवं उनके प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। एसएसपी ने कहा कि यह सफलता फिरोजाबाद पुलिस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक है और अनुशासन, मेहनत तथा समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस एवं जनपद फिरोजाबाद का नाम रोशन करेंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में 400 किलो खराब पेड़ा नष्ट, फ्लोर मिलों से नमूने संग्रहीत

मथुरा। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा छापामार कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के0के0 त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने मथुरा के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। खाद्य सचल दल ने निम्नलिखित प्रमुख प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के कुल 06 नमूने संग्रहित किए, जिसमें मैसर्स भोले शंकर राइस एण्ड जनरल मिल्स (कंचनपुरा, गोवर्धन), मैसर्स अग्रवाल ट्रेडर्स (बरसाना रोड, गोवर्धन), मैसर्स ओम एग्रोटेक (गोवर्धन), लक्ष्मी फ्लोर मिल (इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बरारी, मथुरा), श्री गोवर्धन फ्लोर मिल (रिफाइनरी इण्डस्ट्रियल एरिया, मथुरा) शामिल है। इन प्रतिष्ठानों से मैदा, रवा (रबा), तंदूरी आटा तथा गेंहूँ का आटा के एक-एक नमूने (कुल 4 नमूने) जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण अभियान के दौरान बरसाना स्थित मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर विशेष प्रवर्तन कार्रवाई की गई। इस दौरान पेड़ा के 2 नमूने संग्रहित किए गए तथा बेहद अस्वच्छ एवं दूषित दशाओं में भंडारित लगभग 400 किलोपेड़ा (अनुमानित मूल्य 60,000) मौके पर नष्ट कराया गया। विभाग द्वारा संग्रहित किए गए कुल 06 नमूनों को परीक्षण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त नियमविरुद्ध पाए जाने वाले संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस छापामार कार्रवाई करने वाली खाद्य सचल दल टीम में धर्मेन्द्र सिंह, अरुण कुमार राणा, जितेन्द्र सिंह, राम नरेश, दिनेश कुमार भारती, मोहर सिंह कुशवाह, रीना शर्मा और नेहा (सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारी) प्रमुख रूप से शामिल रहे।

नगर आयुक्त ने पार्षदों संग की समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता (vol)

- क्षेत्रीय समस्याओं के स्थायी समाधान के दिये कड़े निर्देश

मथुरा। नगर निगम के भूतेश्वर कार्यालय में नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर जोन के पार्षदों के साथ विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर मंथन हुआ। बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था, नाले-नालियों की सफाई, सीवर प्रणाली, पेयजल आपूर्ति, सड़कों की पैच मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने पार्षदों से वार्डवार सीधा संवाद कर जमीनी स्थिति, जारी विकास परियोजनाओं और स्थानीय समस्याओं की जानकारी हासिल की।

समीक्षा के दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से जुड़ी समस्याओं और नागरिकों की जरूरतों को प्रमुखता से रखा। नगर आयुक्त ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर वार्डों की समस्याओं का दीर्घकालीन व प्रभावी समाधान प्राथमिकता से कराया जाएगा, ताकि आम जनता को एक ही समस्या से बार-बार न जूझना पड़े और शहरवासियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें। बैठक में अपर नगर आयुक्त सुनीता कुमारी, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार तथा सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा उपस्थित रहे।

बारिश ने दिलायी उमस से राहत, कई इलाकों में जलभराव

मथुरा। वृंदावन तीर्थनगरी में गुरुवार तड़के से रुक-रुककर हो रही लगातार बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। झमाझम बारिश से स्थानीय निवासियों और देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं को पिछले कई दिनों से जारी भीषण उमस और गर्मी से बड़ी राहत मिली। तापमान में गिरावट आने से पूरी धर्मनगरी का मौसम सुहावना हो गया है। मौसम खुशनुमा होने के साथ ही इस मूसलाधार बारिश ने नगर निगम के दावों की पोल भी खोल दी है। लगातार पानी बरसने के कारण वृंदावन के कई प्रमुख और व्यस्त इलाकों में भारी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है।

जिलाधिकारी ने राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण किया

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रावास परिसर, शयन कक्षों, पेयजल स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास में रह रही छात्राओं से सीधा संवाद कर उनके अध्ययन भोजन की गुणवत्ता आवासीय सुविधाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं छात्रावास अधीक्षक को निर्देशित किया कि, छात्रावास में निवासरत बालिकाओं को सभी मूलभूत सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं। परिसर में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल एवं सुरक्षा के कड़े इंतजाम निरंतर सुनिश्चित किए जाएं। बालिकाओं के पठन-पाठन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनुकूल व सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाए।

महंगाई की चिंता बरकरार

आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक के बाद बुधवार को वित्तीय बाजारों की अपेक्षाओं के अनुरूप ही नीतिगत रेपो दर को अपरिवर्तित रखा गया। इसके पीछे ठोस कारण भी हैं। जून में मुद्रास्फीति दर 4.4 फीसदी रही जो आरबीआई के 4 फीसदी के लक्ष्य से अधिक है लेकिन इससे पहले लगातार 16 महीनों तक मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही थी। ऐसे में कुछ हद तक सामान्यीकरण स्वाभाविक माना जा सकता है। इसके अलावा मौजूदा मुद्रास्फीति मुख्य रूप से ईंधन और खाद्य वस्तुओं की कीमतों से प्रभावित है। खाद्य और ईंधन को छोड़कर कोर यानी मुख्य मुद्रास्फीति मई और जून में 3.9 फीसदी रही। यदि इसमें से कीमती धातुओं की कीमतों का प्रभाव भी हटा दिया जाए तो यह दर और भी कम हो जाती है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि महंगाई पूरे अर्थतंत्र में व्यापक रूप से नहीं फैली है। पश्चिम एशिया में संभावित युद्ध विराम से ऊर्जा कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। इसके अतिरिक्त इस समय मॉनसून की प्रगति और उसके प्रभाव का इंतजार करना भी उचित था। यद्यपि आने वाले महीनों में स्थिति इतनी सरल नहीं रहेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 10 आधार अंक घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। अगली कुछ तिमाहियों में इसके बढ़ने की आशंका जताई गई है। वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 5.3 फीसदी का है। यदि आरबीआई का यह अनुमान सही साबित होता है तो चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से लगातार तीन तिमाहियों तक मुद्रास्फीति 5 फीसदी से ऊपर बनी रहेगी। यह भले ही आरबीआई की सहनशीलता सीमा के भीतर रहे लेकिन उसके 4 फीसदी के मध्यम अवधि के लक्ष्य से काफी अधिक होगी। इसके अलावा मौजूदा 5.25 फीसदी की नीतिगत रेपो दर वास्तविक ब्याज दर के लिहाज से नकारात्मक भी हो सकती है। चूंकि मौद्रिक नीति को भविष्य की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया जाता है इसलिए वर्तमान संकेतों के आधार पर यह संभावना वास्तविक है कि एमपीसी को आने वाली बैठकों में नीतिगत दर में बदलाव शुरू करना पड़ सकता है भले ही मुख्य मुद्रास्फीति लक्ष्य के आसपास बनी रहे। अक्टूबर की बैठक तक मॉनसून और खाद्य कीमतों पर उसके प्रभाव की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाएगी। आगे ब्याज दरों में कितना और किस प्रकार का बदलाव होगा यह पूरी तरह आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। देश के लिए राहत की बात यह रही कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के समय भारत में मुद्रास्फीति कई विकसित देशों के विपरीत लक्ष्य से नीचे चल रही थी। हालांकि पिछले कुछ महीनों में इसमें धीरे-धीरे वृद्धि हुई है और आगे भी इसके बढ़ने की आशंका है। जैसा कि इस स्तंभ में पहले भी कहा गया है पश्चिम एशिया संकट का भारत पर सबसे अधिक असर मुद्रास्फीति की बजाय विदेशी मुद्रा बाजार पर पड़ा है। इसका एक कारण यह भी है कि ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का पूरा प्रभाव घरेलू महंगाई पर नहीं पड़ा। मुद्रा बाजार के मोर्चे पर आरबीआई ने जून की मौद्रिक नीति बैठक के बाद विदेशी पूंजी प्रवाह आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए थे। अब तक इनके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं और लगभग 41 अरब डॉलर की विदेशी पूंजी जुटाई जा चुकी है। इससे रुपये को स्थिरता मिली है। पिछले कुछ महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में भी सुधार देखने को मिला है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चालू वित्त वर्ष में भुगतान संतुलन में अधिशेष दर्ज कर पाता है। यह काफी हद तक पश्चिम एशिया की स्थिति और विकसित देशों विशेषकर अमेरिका में बॉड यील्ड स्थिति पर भी निर्भर करेगा। वित्तीय बाजारों का अनुमान है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में अपनी नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि कर सकता है। इससे भारत और अमेरिका के बीच ब्याज दरों के अंतर में कमी आएगी जो पूंजी प्रवाह पर दबाव डाल सकती है। हालांकि इस दौरान अगर क्रूड कीमतें गिरती हैं, तो तेल आयात बिल घटेगा और पूंजी बाजार में सुधार आयेगा तो एफआईआई भी लौटेंगे।

महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधते हुए रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है।

विचार

जब तक मनुष्य के मन में काम, क्रोध, अहंकार और लोभ की अल्प मात्रा भी शेष रहती है, तब तक पंडित और मूर्ख दोनों एक समान होते हैं।

–संत कबीर.

ऐसी पुस्तक का प्रतिदिन अवश्य अध्ययन करें जो आपके आत्मिक, शारीरिक, सामाजिक अथवा आर्थिक उन्नति में सहायक हो।

–जैन धर्मग्रंथ.

मनुष्य का अज्ञानता जैसा दूसरा कोई शत्रु नहीं होता।

–चाणक्य.

बाद में उत्पन्न होने वाली इच्छाओं की पूर्ति करने की अपेक्षा अपनी पहली इच्छा का दमन कर देना ही सरल और श्रेयस्कर है।

–फ्रेंकलिन.

काम और क्रोध का मूल स्थान इन्द्रियां हैं। इन्हीं इन्द्रियों से कर्म प्रवृत्ति पैदा होती है। इसलिए सबसे पहले इन इन्द्रियों को ही वश में करना चाहिए।

–ज्ञानेश्वरी.

6जी टेलीकॉम में आगे निकलने की कोशिश

संजय श्रीवास्तव

वैश्विक दूरसंचार की दुनिया में 5जी नेटवर्क के व्यापक विस्तार के बीच अगली पीढ़ी यानी 6जी की वैश्विक होड़ तेजी से आकार ले रही है। हम इस मामले में दुनिया का अव्वल देश बनने के लिए तेज तैयारी कर रहे हैं ताकि 2030 तक देश में 6जी मोबाइल सर्विस शुरू हो जाये।

सरकार का दावा है कि 2030 तक देश 6जी का इस्तेमाल कर रहा होगा। यही नहीं इस तकनीक के क्षेत्र में उसकी तेज तैयारी उसे वैश्विक नेतृत्व दिलाएगी। इस संदर्भ में 'भारत 6जी अलायंस' के गठन और 2030 तक इसके विकास व क्रियान्वयन से संबंधित जो महत्वाकांक्षी स्पेक्ट्रम रोडमैप जारी किया है, वह वाकई उत्साहवर्धक और स्वागत योग्य है। उसकी यह पहल दिखाती है कि अब हम तकनीक का महज उपभोग करने वाले नहीं बल्कि वैश्विक मानकों और पेटेंट को आकार देने वाले एक वैश्विक अगुआ देश के तौर उभरना चाहते हैं। भले ही चीन ने प्रयोगात्मक 6जी उपग्रह कक्षा में स्थापित कर लिए, लेकिन दुनिया का कोई देश अभी व्यावसायिक स्तर पर 6जी सेवा शुरू नहीं कर सका है। अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया, जापान, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे देश 6जी के शोध, पेटेंट और मानक तय करने की दौड़ में हैं। सिंगापुर, वियतनाम, स्वीडेन, फिनलैंड जैसे तमाम छोटे, बड़े अल्प विकसित, विकसित तथा विकासशील देशों में भी 6जी को लेकर कवायद जारी है। अधिकांश देशों में यह प्रक्रिया अभी अनुसंधान, परीक्षण और मानक निर्धारण के चरण में हैं। यह कहना कि 2030 तक अनेक देशों में 6जी आम उपभोक्ता तक पहुंच जाएगा, अनुमान भर है ऐसे में भारत की सबसे आगे निकलने की चाहत स्वाभाविक है क्योंकि वर्तमान भारत के पास इसकी इच्छाशक्ति ही नहीं क्षमता और कुशलता भी है।

हमारी तरह जापान और दक्षिण कोरिया ने भी 2030 तक व्यावसायिक सेवाओं का लक्ष्य रखा है, अमेरिका ने भी। मगर 'भारत 6जी विजन' का मूल उद्देश्य और रणनीति दूसरों से किंचित अलग है। वह तैयार तकनीक खरीद कर पिछली पीढ़ियों की तरह तकनीकी आयातक बनने की बजाए पेटेंट, चिप डिजाइन, रेडियो उपकरण, सॉफ्टवेयर, साइबर सुरक्षा तथा एआई आधारित नेटवर्क समाधान विकसित करने में लगा है ताकि वैश्विक मूल्य श्रृंखला का महत्वपूर्ण भाग बन सके। इसलिए 2030 तक इस क्षेत्र में हमारे वैश्विक नेतृत्व का दावा थोड़ा कठिनाई भरा पर संभावित है। मान लिया कि चार साल में 6जी देश में इस्तेमाल के लिये उपलब्ध हो जायेगा फिर भी कुछ असहज प्रश्न उठते हैं। देश की बड़ी आबादी आज भी 4जी का उपयोग कर रही है और अधिकांश क्षेत्रों में वास्तविक 5जी अनुभव सीमित है, तब 6जी की चर्चा क्या समय से पहले नहीं है? इसके आने से ऐसी कौन सी क्रांति आ जायेगी जो 4जी के बाद 5जी के आने से रह गई।

तकनीक

सच यह है कि अभी 5जी भी हम पूरी तरह लागू नहीं कर सके हैं, 4जी की रफ्तार कुछ देशों के 3जी से भी बहुत धीमी है, 5जी नेटवर्क की डाउनलोड स्पीड भले ही आदर्श परिस्थितियों में बेहतर दिखे, लेकिन नेटवर्क की निरंतरता तथा लेटेंसी और वास्तविक इनडोर कवरेज में यह कई विकसित देशों के मुकाबले मीलों पीछे है। विकसित देशों में 5जी का इस्तेमाल केवल स्मार्टफोन पर वीडियो चलाने के लिए नहीं बल्कि इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, रोबोटिक सर्जरी और स्मार्ट सिटीज के रियल-टाइम डेटा मैनेजमेंट के लिए हो रहा है।

ऐसे में 5जी की रफ्तार, नेटवर्क निरंतरता सुनिश्चित करने की बजाए 6जी की ओर जाने की ललक क्यों? क्या 6जी से सामान्य इंटरनेट उपभोक्ता जो इसका इस्तेमाल बहुधा ओटीटी प्लेटफार्म, मनोरंजन, सोशल मीडिया, समाचार, संदेशों का आदान प्रदान अथवा इसी तरह के साधारण कामों के लिए करता है उसको कोई खास लाभ होगा? कहीं यह केवल एक रणनीतिक भू-राजनीतिक होड़ तो नहीं? 6जी, आमजन को 4जी या 5जी के मुकाबले सस्ती पड़ेगी अथवा महंगी? इस पर किसी किसी खास प्रोवाइडर का एकाधिकार तो नहीं हो जायेगा और क्या इसके कुछ नुकसान भी हैं? इस तकनीकी छलांग की आशावादिता के बीच इन साधारण सवालों का यथार्थवादी विश्लेषण आवश्यक है। दूरसंचार में नई पीढ़ी को विकसित होने में तकरीबन दशक लग जाता है इसलिये 6जी पर तैयारी अभी तेज करना जरूरी है ताकि 2030 में जब पूरी दुनिया 6जी पर शिफ्ट हो रही हो भारत फिर से विदेशी कंपनियों के उपकरणों, पेटेंटों और बौद्धिक संपदा पर निर्भर न रहे, जैसा कि 2जी, 3जी और 4जी के दौर में हुआ था। भविष्य का स्मार्ट उद्योग, स्वचालित वाहन, दूरस्थ शल्य चिकित्सा, डिजिटल ट्विन, रोबोटिक्स तथा रक्षा प्रणालियां इसी पर आधारित होंगी इसलिए भी हमें 6जी की तैयारी आज ही करनी होगी। जहां तक सामान्य उपभोक्ता का प्रश्न है, 6जी उसके दैनिक जीवन में कोई क्रांतिकारी बदलाव नहीं लाएगी क्योंकि यदि उसे 5जी पूरे रफ्तार से मिले तो वह भी उसके सभी कार्यों के लिए पर्याप्त से बहुत ज्यादा है। यह स्मार्टफोन में इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने की तकनीक नहीं है बल्कि मशीन-टू-मशीन और एआई-टू-एआई संचार की तकनीक है। दरअसल 6जी का सबसे बड़ा ग्राहक आम नागरिक नहीं बल्कि उद्योग, अस्पताल, परिवहन, रक्षा, स्मार्ट शहर और स्वचालित उत्पादन प्रणाली होंगे। एक मिलीसेकंड से भी कम विलंबता, टेराबिट प्रति सेकंड तक की संभावित गति और एआई आधारित नेटवर्क प्रबंधन जैसे गुण औद्योगिक उपयोगों के लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं। 6जी की असली क्षमता औद्योगिक और राष्ट्रीय अवसंरचना में दिखेगी। इस बात में कोई शक नहीं कि 6जी के शुरूआती चरण में इसके डिवाइसेस यानी हैंडसेट और राउटर के साथ साथ सेवाएं भी बेहद महंगी होंगी क्योंकि इसके लिए अत्यधिक उच्च आवृत्ति वाले 'टेराहर्ट्ज स्पेक्ट्रम' और उन्नत हार्डवेयर की आवश्यकता होगी। हालांकि, भारत में व्यापक उपभोक्ता आधार होने के कारण, जैसे-जैसे इसका दायरा बढ़ेगा, पैमाने की अर्थव्यवस्था के कारण समय के साथ लागत कम हो सकती है। 6जी के विकास में अत्यधिक पूंजी और उच्च अनुसंधान क्षमता की आवश्यकता है। भारत में दूरसंचार बाजार पहले से ही मुख्य रूप से दो बड़े निजी खिलाड़ियों के बीच केंद्रित है। यदि सरकार ने सार्वजनिक अनुसंधान और बीएसएनएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों को मजबूत नहीं किया, जिसकी उम्मीद कम ही है या फिर छोटे स्टार्टअप्स को भरपूर प्रोत्साहन नहीं दिया तो 6जी के युग में दूरसंचार अवसंरचना पर कुछ गिने-चुने कॉर्पोरेट्स का एकाधिकार होने का गंभीर जोखिम रहेगा इस बात की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि 6जी का लाभ केवल कॉरपोरेट या औद्योगिक घरानों तक सीमित न रहे बल्कि इसका उपयोग आपदा प्रबंधन, कृषि तकनीक, दूरस्थ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए हो। तकनीक की सफलता इसमें नहीं है कि वह कितनी तेज है, बल्कि इसमें है कि वह समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को कितना सुलभ बनाती है। जहां तक इसके निरापद होने का प्रश्न है, चूंकि 6जी 'एआई-नेटिव' होगा, साइबर हमलावर एआई एल्गोरिदम में हेरफेर करके पूरे देश के बिजली ग्रिड, परिवहन और रक्षा प्रणालियों को ठप कर सकते हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग के विकास से मौजूदा एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम टूट सकते हैं, जिससे पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, ब्लॉकचेन तकनीक अपनाना अनिवार्य हो जाएगा। इसके अलावा 6जी के आने से पुराने 4जी या 5जी के अरबों के उपकरण बेकार हो सकते हैं जिससे पर्यावरण के लिए भारी मात्रा में ई-कचरा पैदा होगा। भारत द्वारा 6जी की तैयारी तकनीकी फैंटेसी या अंधी वैश्विक होड़ नहीं है बल्कि यह भविष्य की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक संप्रभुता और वैश्विक डिजिटल कूटनीति के लिए एक अनिवार्य रणनीतिक आवश्यकता है।

सोशल मीडिया

आ. पीएम जी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल द्वारा पीएम सूर्य सरोवर योजना को प्रदान की गयी स्वीकृति विकसित भारत – आत्म निर्भर भारत के संकल्प को नयी ऊर्जा देने वाला है। सीएम योगी.

आ. पीएम के नेतृत्व में केबिनेट द्वारा 23731 करोड़ की जैव ऊर्जा योजना गोबरधन को स्वीकृति मिलना स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। जेपी नड्डा.

जयपुर के आनंदीलाल पोद्दार मूक बधिर विद्यालय पहुंचकर अपनी जायज मांगों को लेकर धरना दे रहे मूक–बधिर विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जाना। अशोक गहलोत.

ईश्वर का संदेश

अंतर्दृष्टि

आध्यात्मिक ज्ञान मनुष्य में एक नयी अनुभूति विकसित करता है। मनुष्य के आचरण में, व्यक्तित्व और कृतित्व के विकास में ज्ञान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आत्मिक प्रगति का प्रथम चरण आत्म-निरीक्षण जितना गंभीर और प्रखर होता है। उसी अनुपात में शरीर और आत्मा की भिन्नता का वास्तविक आभास होता है। अन्यथा तोतारटन्त की तरह आत्मा परमात्मा की चर्चा का बाल विनोद चलता रहता है। माया के बंधन शिथिल होने या कटने का एक मात्र उपाय है कि अपनी सत्ता की स्थिति को समझा जाये। यह अनुभूति विकसित हो सके तो ही आत्मा का महत्व एवं हित सूझ पड़ता है और शरीर के पक्ष में झुकी हुई सारी प्रकृति को संतुलित करने का मन होता है। शरीर संसार में अनुरक्त रहता है और आत्मा की प्रायः उपेक्षा करता है। यह सोच तक नहीं पाता कि हमारे भीतर आत्मा नाम की कोई वस्तु भी है और उसकी भी कुछ मांग, पुकार, सुख एवं आवश्यकताएं भी हैं। इस प्रकार की अनुभूति तभी होती है जब शरीर तथा इसके सुखों पर सर्वस्व न्यौछावर किए रहने के ढर्रे में परिवर्तन किया जाये। आत्मा को परमात्मा का संदेश सुनने और आह्वान को अंगीकार करने की बात अंतरंग की गहराई तक प्रवेश कर जाती है। तभी यह सूझ पड़ता है कि शरीर की तरह आत्मा के निमित्त भी कुछ किया जाना चाहिए। क्या किया जाना चाहिए? इसके उत्तर में दो तथ्य उभर कर सामने आते हैं। एक यह कि आत्म गौरव के अनुरूप व्यक्तित्व के ढलने में जो त्रुटियां चल रही हैं, उनका कठोरतापूर्वक नियमन किया जाये। इसी को तप कहते हैं। इस संदर्भ में कठोरता बरतनी होती है। अभ्यस्त दुष्प्रवृत्तियां सहज पीछा नहीं छोड़तीं। तपश्चर्या का अभिप्राय शरीर को कष्ट देना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है- ऐसा मनोबल विकतिस करना जो दुष्प्रवृत्तियों से मल्ल युद्ध करके उन्हें परास्त कर सके। इसी को संशोधन पक्ष कहते हैं। इसके अतिरिक्त दूसरा पक्ष श्रेष्ठता के अभिवर्द्धन का है। यह आत्म विश्वास एवं आत्मबल के आधार पर उपर्युक्त क्रम बना लेने से भी संभव हो सकता है। इसके लिए सत्प्रवृत्तियों के समन्वय द्वारा ईश्वर की उपासना सहायक होती है। इसे ही योग कहते हैं। विराट ब्रह्म से अपने आपको जोड़ना ही योग है। क्षुद्र स्वार्थपरता के संकीर्ण बंधनों को शिथिल करने का अभ्यास करना ही योग है। ऐसे साधक का दृष्टिकोण समता और क्रिया कल्याण सर्वजनीन हित साधन का होता है। इसके लिए कर्म ज्ञान भक्ति किसी भी मार्ग अथवा इसके समन्वय का अभ्यास आरम्भ किया जा सकता है। यही है यथार्थवादी आत्मिक प्रगति का राजमार्ग जिसे अपनाकर कोई भी साधक पूर्णता के लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है।

हारने पर पड़ेंगे रोटी के लाले

व्यंग्यलोक

अगले चुनाव में जीतने की आज के जमाने में कतई उम्मीद न करें और उसी हिसाब से जितना भी हड़प अथवा हजम कर सकें कर लें, वर्ना आगामी चुनाव के समय आर्थिक परेशानी आ सकती है। हारने पर रोटी के भी लाले पड़ सकते हैं। इसलिए एक बार सरकार में रहकर पाँच पीढ़ियों के ऐशो आराम की व्यवस्था को ध्यान में रखिए। कई बार अंतुले कौतुक-करतब राजनीति में लम्बे समय तक जिन्दा रखते हैं। कोई भी बड़े नेता के नाम पर कोई बड़ा धंधे का धंधा, गबन-घोटाला करके, सत्ता से अलग हो जाओ, तब भी सत्ता में रहने के जैसे ही ऐशो आराम भोग सकते हो। ऐसा करने से राजनीति से अलग और सत्ताहीन होने का दुःख नहीं व्यापता है थोड़ी सावधानी यही रहे कि जरा केन्द्र को भी विश्वास में ले लें, वरना वह आपको चैन की बंशी नहीं बजाने देगा और कोई जाँच आयोग-वायोग का नाटक रचकर फिजूल परेशान किया जाएगा। राज्य में कोई न कोई ऐसा कार्यक्रम प्रारम्भ करवा दें जिसमें गरीबी की पीड़ा निहित हो तो इससे भी समय आसानी से कट जाता है। जैसे दस्यु उन्मूलन अभियान, पिछड़े को पहले, बेघर को घर, जंगल में मंगल, अन्त्योदय तथा सबको रोटी, ये ऐसे नारे और आश्वासन हैं कि जनता का सहज आपके प्रति विश्वास जग आएगा तथा उसकी लार टपकने लगेगी। करना आपको कुछ नहीं है बस सचिवालय से आदेश निकालकर विभागों के निदेशालयों के मार्फत, जिला मुख्यालयों तथा ग्राम पंचायत स्तर तक उनके निर्देश भेज देने हैं। सरपंच, जिला प्रमुख और जिलाधीश आपकी सरकार की दुकान साधे रहेंगे।

पूरन सरमा

कई बार स्थिति उस समय बड़ी विषम हो उठती है जब आपके मंत्रिमण्डल में कोई अन्य साथी आपकी बराबर की टक्कर का हो। उससे सचेत तो रहें ही, इसके साथ ही साथ आप केन्द्र से बातचीत करके, उपमुख्यमंत्री का पद सृजित करवाकर उसे वहाँ 'एडजस्ट कर दें। इससे उसका 'ईगो काफी हद तक मर जाएगा और वह खुलकर विरोध करने में संकोच करेगा। लम्बे समय तक सत्ताजीवी रहने के लिए यह भी जरूरी है कि आप जन सम्पर्क अथवा जन आयोजनों में ज्यादा भाग न लेवें। इससे आपके मुँह से अंट-संट निकलने तथा भूल-चूक होने का पूरा खतरा रहता है। इसलिए इस तरह की बातों से बचें और यदि नौबत जाने की आ ही गई है तो मित्तभाषी बनकर महान और बृद्धिजीवी होने का भ्रम उत्पन्न करें। राज्य में कई बार मजदूरों अथवा कर्मचारियों के आन्दोलन भड़क उठते हैं। ये अवसर भी अत्यन्त घातक होते हैं। आप प्रयास कीजिए उन्हें तत्काल राहत की पंजीरी देने की। यदि फिर भी वे लोग काबू में नहीं आ रहे हैं तो एक समिति बना दें तथा उसमें वह व्यक्ति जरूर शामिल कर देवें, जो आपका प्रतिद्वंदी हो, इससे जिन्दाबाद, मुर्दाबाद का जयघोष उसके ही नाम बुलेगा।

बिहार की ग्रामीण लोक कला सिक्की की धूम

कला जगत

धीरज बसाक

सिक्की एक तरह की घास या खर होती है, जो बिहार के मिथिलांचल में नदियों, तालाबों और कई बार यूं ही सड़कों के किनारे भी बारिश के दिनों में उग आती है। जब यह करीब चार चार फिट ऊंची हो जाती है, तब लोग इसे काटकर सुखा लेते हैं, कुश के स्वाभाव वाली इस घास के जरिये सदियों से कई तरह की टोकरियां और रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली दूसरी चीजें जो आमतौर पर लकड़ी की बनती हैं, वो सब, बनायी जाती हैं। अगर मिथिकीय आख्यानों पर भरोसा करें तो राजा जनक के समय से ही इस हस्तशिल्प की परंपरा रही है। जानकारों के मुताबिक सिक्की घास से बनने वाले आकर्षक हस्तशिल्प, देश ही नहीं दुनिया के सबसे आकर्षक और लोकप्रिय हस्तशिल्प हैं। इनकी देश ही नहीं अब तो विदेशों में भी खूब मांग है। साल 2007 में सिक्की घास के इन उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हुआ, तब से बिहार के दरभंगा और मधुबनी जिलों की मूलरूप से यह देश ही नहीं पूरी दुनिया में चर्चा और कारोबारी आकर्षण का विषय बनी हुई है। लंदन से लेकर म्यूनिख तक और रोम से लेकर न्यूयार्क तक आज सिक्की हस्तशिल्प के उत्पादों की खूब मांग है।

प्राकृतिक वनस्पति से बनी इस स्टाइलिश दस्तकारी को आज पूरी दुनिया में अपने कलात्मक रंग बिरंगी टोकरियों, मूर्तियों, थैलों और बैठने की मोटी चटाईयों से लेकर अनेक सजावटी सामानों के लिए जाना जाता है। सिक्की घास यूं तो पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी बड़े पैमाने पर उगती है, लेकिन इसके व्यवसाय और कलात्मकता की जो ऊंचाई बिहार के दरभंगा और मधुबनी जिलों के दस्तकारों ने हासिल की है, वैसी कलात्मकता उत्तर प्रदेश या दूसरी किसी भी जगह के कलाकारों को नहीं मिली। सिक्की से बनी कलाकृतियां बेहद मनमोहक होती हैं। आज जीआई टैग के कारण सिक्की घास के उत्पादों की देश के महानगरों से ज्यादा विदेशों में मांग है, लेकिन बिहार में इसका महत्व लोग सदियों से जानते रहे हैं। यही वजह है कि साल 1969 में दरभंगा की विंदेश्वरी देवी को इसी सिक्की कला के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार हासिल हुआ था।

पहले सिक्की घास से बनी इन कलाकृतियों को शुभ अवसरों के लिए इस्तेमाल किया जाता था। फिर आधुनिक लाइफस्टाल में सिक्की घास के विभिन्न दैनिक उपयोग के उत्पाद, एक तरफ जहां घर की सजवाट और उसे कलात्मक लुक देने के लिए किए जाने लगे, वहीं प्लास्टिक से बिगड़ती धरती की सेहत को ध्यान में रखते हुए कई लोग सिक्की कला के विभिन्न उत्पादों को प्लास्टिक उत्पादों की जगह रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल करने लगे हैं।

यह अलग बात है कि सिक्की कला को समर्पित ये दैनंदिन उत्पाद अपनी कलात्मकता के साथ साथ आज प्लास्टिक से पैदा हुए खतरों का सम्मानीय विकल्प बनकर भी उभरे हैं। हालांकि ये थोड़े महंगे हैं, लेकिन जिस तरह से प्लास्टिक पूरी दुनिया में स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है, उसे देखते हुए शुद्ध घास के उत्पाद जहां कलात्मक हैं, पवित्र हैं, अपनी बनावट की कुशलता के कारण महत्वपूर्ण आर्ट का हिस्सा हैं, वहीं उपभोक्ता के स्वास्थ्य की गारंटी है। साथ ही इस कला के जरिये लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

बिहार में विशेष कर मधुबनी और दरभंगा की लाखों महिलाएं इस कला के उत्थान से जुड़ी हुई हैं।

बिहार में लाखों महिलाएं विशेषकर मधुबनी और दरभंगा जिले की महिलाएं सिक्की घास से कई तरह के कलात्मक उत्पादों को बना और बेचकर अपने घर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई हैं। हर साल कई हजार करोड़ रुपये के ये सिक्की घास के उत्पाद विदेशों को निर्यात भी होते हैं। लोग अपने घर का इंटीरियर निखारने के लिए भी इनका उपयोग करते हैं। चूंकि ये पूरी तरह से प्राकृतिक घास के उत्पाद होते हैं, इसलिए प्रदूषण और प्लास्टिक से हर जगह राहत देते हैं।

आप की बात

शहरों में जरूरी है स्वच्छता

शहर अवसरों के हब होते हैं। इसलिए आधुनिक शहर देश की जरूरत हैं। देश में स्मार्ट सिटी परियोजना कई वर्षों से चल रही है लेकिन उसमें कोई खास प्रगति देखने को नहीं मिल रही है। शहरों के बढ़ते आकार के मद्देनजर विकास प्राधिकरणों की स्थापना इस उद्देश्य से की गयी थी कि शहरों का नियोजित विकास हो ताकि बड़ी संख्या में लोगों को शहरों में घर मिल जाये और नागरिक सुविधाओं को भी बेहतर तरीके से प्रबंध किया जा सके। लेकिन स्थानीय निकायों एवं प्राधिकरणों की अकुशलता और भ्रष्ट कार्यप्रणाली के कारण शहरों के विकास का दायित्व प्रापर्टी डीलरों के जिम्मे आ गया और नागरिक सुविधाओं की जिम्मेदारी ठेकेदारों के पास पहुंच गयी है। उत्तर प्रदेश में करीब 78 फीसद से अधिक आबादी अभी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, इसलिए भविष्य में आर्थिक विकास के साथ शहरीकरण तेज होगा। उत्तर प्रदेश में शहरीकरण का दौर अभी शुरुआती अवस्था में ही है। ऐसे में शहरों का दायरा तेजी के साथ बढ़ेगा लेकिन जन सुविधाओं और विकास की बात करें तो आज तक न तो स्थानीय निकाय तैयार दिखते हैं और न ही विकास प्राधिकरण। हर दिन यह खबर पढ़ने को मिल जायेगी कि एलडीए इस योजना में इतने सौ एकड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगा, इस योजना में इतने एकड़ की, लेकिन हकीकत यह है कि एक-दो दशक तक तो परियोजनाएं विवाद में ही लटकती रहती हैं। इसका फायदा उठाते हैं प्रापर्टी डीलर। प्रापर्टी डीलर किसानों से जमीन एग्रीमेंट कराकर जैसे-तैसे निशान बनाकर प्लाट काटकर बेच देते हैं। इससे शहरों का स्वरूप बिगड़ता है। जीवन में स्वच्छता कितना जरूरी है यह बीते दो सालों के दौरान कोरोना महामारी साबित किया है। अगर साफ-सफाई ठीक से रखी जाये। समय-समय पर अच्छे से हाथ की धुलाई की जाये तो इससे महामारी से भी बचाव होता है। गंदगी के कारण एक नहीं बल्कि तमाम बीमारियां फैलती हैं इसलिए देश को संकल्प लेकर महामारी के साथ ही अब गंदगी और गंदी आदतों को भी विदा करना चाहिए। देश में बीते कई वर्षों से स्वच्छता अभियान चल रहा है, लेकिन आज भी प्रदेश के शहरों की हालत ठीक नहीं है।

राजेश कुमार सिंह, लखनऊ.

बुनियादी क्षेत्र का विकास

प्रदेश में औद्योगिक पिछड़ेपन की समस्या अभी भी सघन रूप में विद्यमान है। विकास के लिए निवेश बहुत जरूरी है, क्योंकि बिना निवेश के विकास एवं रोजगार का सृजन नहीं हो सकता है। जब निवेश होगा तभी विकास होगा, तभी रोजगार बढ़ेगा और तभी लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आयेगा। लेकिन उत्तर प्रदेश में एक लंबे समय तक निवेश नहीं आया, जिसके कारण प्रदेश की आर्थिक स्थिति देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कमजोर हो गयी। आज भी उत्तर प्रदेश के लोगों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से आधे के करीब है तो इसके पीछे कहीं न कहीं प्रदेश के औद्योगीकरण में कभी ही है। जब औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलता है तो अन्य काम धंधे भी अपने आप आगे बढ़ने लगते हैं। प्रदेश में आर्थिक पिछड़ेपन के साथ बुनियादी विकास का स्तर भी बहुत पीछे है। आज भी सड़क, बिजली, कानून व्यवस्था, लैंड बैंक जैसी चीजें बेहतर नहीं हैं। शहरों के किनारे जिस तरह आवासीय प्लाटिंग के नाम पर जमीनों पर कब्जा कर लिया गया है उससे अब इण्डस्ट्री के लिए जमीन ही नहीं बची है। अगर कोई इण्डस्ट्री आती है तो उसको जमीन में ही इतना निवेश करना पड़ेगा कि उसका खजाना खली हो जोयगा। निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों को बुलाना एक बेहतर कदम है लेकिन इसके साथ ही सरकार को अपने स्तर से भी प्रयास करने होंगे। मसलन सरकार अगर सड़क बनाती है, बिजली पहुंचाती है और कानून का राज कायम करती है तो इससे निश्चय ही प्रदेश में लोगों का भरोसा बढ़ेगा।

कौशल कुमार सिंह, लखनऊ.

संक्षेप

शादी कराने का झांसा देकर 3.50 लाख की कथित ठगी

ललितपुर। शादी कराने का झांसा देकर लाखों रुपये की कथित ठगी और रुपये वापस मांगने पर मारपीट कर सोने की चेन छीन लेने का मामला सामने आया है। राजस्थान निवासी युवक ने पुलिस अधीक्षक ललितपुर को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोपी दंपति एवं अन्य लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मूल रूप से गुजरात के वांसकांठा व हाल राजस्थान के रानीबाड़ा निवासी लीलाराम पुरोहित पुत्र सोपाजी पुरोहित ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी पहचान कुछ समय पहले शहर क्षेत्र के मोहल्ला नेहरू नगर, हाल निवासी आरएमबी कॉलेज के पास तथा उसकी पत्नी से गुजरात के पालमपुर क्षेत्र में हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपियों ने उसके भाई विक्रम की शादी ललितपुर में एक अच्छे परिवार में कराने का भरोसा दिलाया। पीड़ित का आरोप है कि इस बहाने आरोपी ने उससे 2 लाख रुपये नकद तथा 1.50 लाख रुपये फोन-पे के माध्यम से, कुल 3.50 लाख रुपये ले लिए।

सीएम से मिले सदर विधायक विकास से जुड़े अहम प्रस्ताव रखे

लखनऊ/ललितपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने मुलाकात कर ललितपुर विधानसभा के विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र की आधारभूत संरचना, शिक्षा,

- इंटर कॉलेज सहित शहजाद, खेडर नदी पर दीर्घ सेतु की रखी

कानून-व्यवस्था एवं आवागमन को सुदृढ़ करने से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। विधायक रामरतन कुशवाहा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंचमुखी हनुमान जी मंदिर के समीप शहजाद नदी पर दीर्घ सेतु का निर्माण क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता है।

इसके निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने पूराकला राजकीय इंटर कॉलेज के विकास एवं वहां आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार का विषय भी प्रमुखता से रखा, जिससे ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विधायक ने बांसी एवं विरधा पुलिस चैकी को पूर्ण थाना बनाए जाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था मजबूत होगी तथा आमजन को त्वरित सुरक्षा एवं न्याय मिल सकेगा। इसके अतिरिक्त विधायक ने जखौराद्दतालबेहट मार्ग को बेहतर बनाने तथा खेडर नदी पर दीर्घ सेतु के निर्माण का प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, आवागमन सुगम होगा तथा विकास को नई गति मिलेगी।मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना और सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि ललितपुर में चहुँमुखी विकास के लिए प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने संबंधित प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। भेंट के उपरांत विधायक रामरतन कुशवाहा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के सहयोग से ललितपुर जिला विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं के अनुरूप जनहित के कार्य निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

होमगार्ड भर्ती में फर्जीवाड़ा

जिला संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान ललितपुर पुलिस लाइन स्थित भर्ती केंद्र पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे भर्ती में शामिल होने का प्रयास करने वाले एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार कर लिया गया। बायोमेट्रिक सत्यापन के

- दो जन्मतिथि, दो आधार कार्ड और फर्जी मार्कशीट के सहारे भर्ती में पहुंचा अभ्यर्थी गिरफ्तार
- आरोपी बृजेश कुमार के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3) एवं 340(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया

दौरान उसकी पहचान में गड़बड़ी सामने आने पर जांच की गई।

जिसमें दो अलग-अलग जन्मतिथियां, दो आधार कार्ड और संदिग्ध हाईस्कूल प्रमाणपत्र मिलने से भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी का खुलासा हुआ।

पुलिस लाइन भर्ती केंद्र पर 4 अगस्त 2026 को दस्तावेजों की संवीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षण के दौरान अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा था। इसी दौरान कानपुर नगर थाना बिठूर अंतर्गत देहली सुजानपुर निवासी बृजेश कुमार पुत्र मदनलाल का बायोमेट्रिक मिलान करने पर सिस्टम में उसकी दो अलग-अलग जन्म तिथियां 13 जनवरी 1986 तथा 13 अगस्त 1990 प्रदर्शित हुईं। इससे भर्ती अधिकारियों को संदेह हुआ और अभ्यर्थी से पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान अभ्यर्थी के पास से दो अलग-अलग आधार कार्ड बरामद हुए, जिनमें जन्मतिथि अलग-अलग दर्ज थी। इसके अलावा वर्ष 2004 की हाईस्कूल की डुप्लीकेट एवं संदिग्ध अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र भी बरामद किए गए। अधिकारियों द्वारा सख्ती से पूछताछ किए जाने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने हाईस्कूल के प्रमाण पत्र में जन्मतिथि में हेरफेर कराई थी और उसी के आधार पर दूसरा आधार कार्ड बनवाकर भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का प्रयास किया।

इस मामले में डीवी/पीएसटी सुरक्षा प्रभारी उपनिरीक्षक फारूक अहमद की तहरीर पर कोतवाली ललितपुर में आरोपी बृजेश कुमार के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3) एवं 340(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

9 से 17 तक जनपद में उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ मनाये हर घर तिरंगा अभियान: डीएम

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर 9 से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान 2026 का आयोजन व्यापक जनभागीदारी के साथ किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर, प्रतिष्ठान एवं कार्यस्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ना है। इस वर्ष अभियान वंदे मातरम के 150वें वर्ष को समर्पित रहेगा। उक्त जानकारी देते हुये जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने जनपदवासियों से अपील करते हुये बताया कि जिलाधिकारी श्री ईशान प्रताप सिंह ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय ध्वज संहिता का पूर्ण अनुपालन करते हुए 9 से 17 अगस्त तक अपने निजी आवासों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराएं तथा अभियान को जन-जन का उत्सव बनाएं। अभियान के दौरान भौतिक एवं डिजिटल दोनों माध्यमों से सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। नागरिक तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर एवं वंदे मातरम का गायन करते हुए उसे हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड कर अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, नगर निकायों, स्थानीय निकायों, शिक्षण संस्थानों एवं अन्य संबंधित विभागों को शासन की मंशा के अनुरूप अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिये। जनपद में तिरंगा रैली, तिरंगा कॉन्सर्ट, स्वतंत्रता दिवस समारोह, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा-थीम आधारित प्रकाश सज्जा, रंगोली, चित्रकला एवं अन्य जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाये, जिससे प्रत्येक नागरिक इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ सके। जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज सदैव सम्मानपूर्वक एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप फहराये। फटा, कटा अथवा क्षतिग्रस्त तिरंगा किसी भी स्थिति में प्रयोग न करे तथा अभियान समाप्त होने के उपरांत राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक सुरक्षित रखे।

संयुक्त किसान संगठन के तत्वाधान मे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ

बाराबंकी। भारतीय किसान संगठन व भारतीय किसान यूनियन हरपाल गुट के तत्वाधान मे जिला अस्पताल स्थित ब्लड़ बैंक मे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अमिताभ राय व विशिष्ट अतिथि मोटर यान निरीक्षक बलवन्त सिंह यादव ने फीता काटकर किया। शिविर मे ब्लड बैंक काउन्सलर पंकज कुमार वर्मा की देख रेख मे लगभग 6 किसानो ने रक्तदान कर महादानी बनने का गौरव हासिल किया। इस मौके पर एआरटीओ प्रशासन श्री राय ने कहा कि रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाता है। बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी सशक्त बनाता है। आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की नई उम्मीद बन सकता है। इस अवसर पर सतीश मौर्य, सकीना बानो, कन्हैयालाल रावत, अनीता वर्मा, अरविंद यादव, मोहम्मद कलीम, कन्या कुमारी आदि मौजूद रहे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर मकान में घुसा

जिला संवाददाता

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मसौरा गांव में गुरुवार को एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने एक मकान में जा घुसा। घटना के समय घर के अंदर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन मकान को नुकसान पहुंचा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर बजर्रा गांव से जा रहा था। जैसे ही वह मसौरा गांव पहुंचा, अचानक नियंत्रण खो बैठा और सीधे एक मकान में घुस गया। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। ट्रैक्टर चालक का कहना है कि ट्रैक्टर का स्टीयरिंग अचानक फेल हो गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर मकान में जा घुसा। चालक का दावा है कि यह पूरी तरह एक दुर्घटना थी और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या जानबूझकर किया गया कृत्य नहीं था। वहीं दूसरी ओर, मकान मालिक के परिजनों ने चालक के दावे को सिरे से खारिज किया है। उनका आरोप है कि चालक ने जानबूझकर ट्रैक्टर को उनके मकान की ओर मोड़ा। परिजनों का कहना है कि ट्रैक्टर का स्टीयरिंग और ब्रेक दोनों सही स्थिति में थे, इसलिए तकनीकी खराबी की बात पूरी तरह निराधार है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। मामले को लेकर गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है। समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी।

महिलाओं और बच्चों से सम्बंधित योजनाओं के आवेदन किसी भी स्तर पर न रहें लंबित: डीएम

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में गुरूवार को कलैक्ट्रेट सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति मिशन वात्सल्य की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि महिला कल्याण विभाग की सभी योजनाएं महिलाओं और बच्चों से सम्बंधित हैं, इसलिए इनके आवेदन किसी भी स्तर पर लंबित न रहें, यदि कोई भी अधिकारी इन्हें अपने स्तर पर लंबित रखता है तो मेरे संज्ञान में लाया जाए, सम्बंधित के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जनपद में बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर गंभीरता से वार्ता करते हुए गांव-गांव में इनके दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरुक करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लोगों को बतायें कि बाल विवाह एक कानूनी व सामाजिक अपराध है, इसमें शामिल अभिभावकों व अन्य रिस्तेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराकर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने बालश्रम व बाल भिक्षावृत्ति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि श्रम विभाग द्वारा जनपद में होटलों, दुकानों, ट्रेनों व अन्य स्थानों पर छापामार कार्यवाही की जाए, इसके साथ ही परिवहन विभाग द्वारा बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से सभी स्कूली वाहनों की फिटनेश चेक की जाए और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक स्कूली बस, टैक्सी, टेम्पो आदि पर वाहन चालक का नाम, नम्बर सहित जरूरी सूचनाएं अंकित हों और वाहन चालक का पुलिस वैरिफिकेशन कराया गया हो।

बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह ने विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम केयर्स फॉर चिन्ड्रन स्कीम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिलाओं की पुत्री विवाह हेतु अनुदान, 0 से 18 वर्ष के बच्चों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बालश्रम, यौन शोषण, पलायन, मानव तस्करी, भिक्षावृत्ति, कार्य स्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, दहेज प्रतिशेध अधिनियम, बाल विवाह, पुनर्विवाह दम्पत्ति पुरस्कार, दहेज से पीड़ित महिला को आर्थिक सहायता, उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 आन्तरिक परिवाद समितिध्स्थानीय परिवाद समिति, बाल विवाह रोकथाम, सखी वन स्टॉप सेन्टर, डिस्टिक्ट हब इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, एक युद्ध नशे के विरुद्ध, चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट, राजकीय विशेष दत्तक ग्रहण इकाई, मिशन शक्ति फेज-5, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, मानव तस्करी आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य विभाग ने चलाया विशेष अभियान, 6 नमूने किये संकलित

बाराबंकी। आमजन को शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ व मिलावटखोरो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित किये को जाने को लेकर खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रो मे संचालित आटा निर्माण इकाई फ्लोर मिल्स के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियो की टीमो ने सुमेद फ्लोर मिल भिटरिया, राज इन्टरप्राइजेज, प्रभा इन्टरप्राइजेज, सिनर्जी फूड्स, सांवरिया फूड्स, एस0बी0आर0 फूड्स प्रा0लि, सत्य नारायण केशव राम यू0पी0एस0आई0डी0सी कुर्सी रोड, तहसील फतेहपुर, श्री अग्रसेन व्हीट प्रोडक्ट्स प्रा0लि0 भटेहटा, देवां रोड, नितिज्ञा एग्रोटेक प्रा0लि मसूदपुर पलिया, ग्वारी, पंचदेव फ्लोर मिल सतरिख, सुन्दरी फूड्स प्रा0 बुढ़वल शुगरमिल, तहसील रामनगर आदि फ्लोर मिल आटा निर्माण इकाईयो का निरीक्षण लाइसेंस की स्थिति, मशीनों व उपकरणों की स्थिति, कच्चा माल गेहूँ के स्टॉक की स्थिति का जायजा लिया। साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न मिलने पर सम्बन्धित मिल को नोटिस जारी कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही पैकेट बन्द आटा की स्थिति में लेबलिंग और पैकिंग के नियमों की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। गुणवत्ता जॉच हेतु कुल 6 नमूने संकलित किये गये। नमूनों के जॉच परिणाम मानक के विपरीत पाये जाने पर सम्बन्धित खाद्य प्रतिष्ठानों के पंजीकरण, लाइसेंस के निलम्बन, निरस्तीकरण की कार्यवाही की सुनिश्चित की जायेगी। टीम मे मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरद पाण्डेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार, सलिल सिंह, भगौती प्रसाद, डा0 अंकिता यादव, अनुराधा मिश्रा, पल्लवी तिवारी, अर्शी फारूकी मौजूद रहे।

टाटा मोटर्स के नाम पर बिक रहा था नकली डीईएफ

ललितपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर टाटा मोटर्स के नाम से नकली डीईएफ बेचने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। कंपनी के अधिकृत जांच अधिकारी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने हाईवे स्थित तीन ऑटो पार्ट्स दुकानों पर छापेमारी कर 20-20 लीटर की कुल 24 बाल्टी नकली डीईएफ बरामद की

- कंपनी की शिकायत पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कॉपीराइट अधिनियम के तहत दर्ज हुआ मुकदमा
- हाईवे पर तीन दुकानों पर छापा, 24 बाल्टियां जब्त, तीन गिरफ्तार

हैं। पुलिस ने तीन दुकानदारों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रोटेक्ट आईपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के जांच अधिकारी टीकेश्वर नाथ झा को टाटा मोटर्स की ओर से नकली उत्पादों के निर्माण और बिक्री की जांच एवं कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया है।

उन्होंने बताया कि 4 अगस्त 2026 को एनएच-44 पर सर्वेक्षण के दौरान सूचना मिली कि कुछ दुकानदार टाटा मोटर्स के ब्रांड नाम का दुरुपयोग कर नकली डीईएफ बेच रहे हैं, जिससे कंपनी की साख को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ सरकार को भी राजस्व की हानि हो रही है। सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस की टीम ने उपनिरीक्षक रज्जन बाबू के नेतृत्व में जांच अधिकारी के साथ संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान तीन अलग-अलग दुकानों से नकली डीईएफ बरामद किया गया। पहली कार्रवाई महाकाल एंटरप्राइजेज, मसौरा हाईवे पर की गई, जहां से सूर्यांश पुत्र गयाशंकर, निवासी मसौरा बैरियर को गिरफ्तार किया गया। उसकी दुकान से टाटा मोटर्स के नाम से बिक रही 14 बाल्टी नकली डीईएफ बरामद की गई। इसके बाद शिव शक्ति पार्ट्स, मसौरा बैरियर पर छापेमारी की गई।

यहां दुकान संचालक अनिल साहू पुत्र रामगोपाल, निवासी मामा होटल के पास, मसौरा की दुकान से 5 बाल्टी नकली डीईएफ बरामद हुई। तीसरी कार्रवाई बीपीसीएल पेट्रोल पंप के पास स्थित डीईएफ यूरिया पंप पर की गई। यहां से यशपाल पुत्र नारायण सिंह, निवासी टोरिया, थाना जखौरा की दुकान से 5 बाल्टी नकली डीईएफ बरामद कर जब्त कर ली गई। पुलिस ने तीनों दुकानों से बरामद कुल 24 बाल्टी (प्रत्येक 20 लीटर) नकली डीईएफ को सील कर कब्जे में ले लिया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोतवाली लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई। इस संबंध में उपनिरीक्षक फारूक अहमद तथा कंपनी के जांच अधिकारी टीकेश्वर नाथ झा की तहरीर पर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम, 1957 (संशोधित) की धारा 63 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक राहुल को सौंपी गई है।

पाइपलाइन न बिछने से जुगपुरा के लोग परेशान

ललितपुर। नगर के वार्ड संख्या 8 स्थित जुगपुरा मोहल्ले में विकास कार्य एक जूनियर इंजीनियर (जेई) की कथित लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। मां अहिल्याबाई बालिका इंटर कॉलेज के पीछे प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य पाइपलाइन न डाले जाने के कारण रुका हुआ है।

राजीनामा का दबाव बना रहे थे दबंग, युवक ने लगाई फांसी

ललितपुर। नाराहट थाना क्षेत्र के ग्राम डोगराकलां/खुर्द में मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव और लगातार प्रताड ?ा से तंग आकर एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गांव के चार नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम डोगराकलां/खुर्द निवासी निरभान पुत्र ग्यासी ने थाना नाराहट में दी गई तहरीर में बताया कि उनके भाई जोधिन ने पूर्व में गांव के कुछ लोगों के खिलाफ एक आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार राजीनामा करने का दबाव बना रहे थे और आए दिन उन्हें धमकाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे।

परिजनों का आरोप है कि लगातार मिल रही धमकियों और प्रताड ?ा से परेशान होकर 24 जुलाई 2026 को जोधिन ने गांव के बाहर आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी।

आवारा कुत्तों के खौफ से घर से निकलने में डर रहे स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं

बाराबंकी। शहर के मोहल्लो मे घूम रहे आवारा कुत्तो के हमले से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, आम नागरिकों बचाने की मांग को लेकर समाजसेवी व पर्यावरण सेवक मनीष मेहरोत्रा ने जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन मे कहा गया है कि शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। एक सप्ताह के अंदर 4 जगह आवारा

- पर्यावरण सेवक मनीष मेहरोत्रा ने डीएम को ज्ञापन सौप की कार्यवाही की मांग
- 5 अगस्त को स्कूल से लौट रही बच्ची को आवारा कुत्तों ने बनाया था अपना शिकार

कुत्तों ने स्कूल जा रहे बच्चों पर हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जिसमे दर्पण टाकीज के पीछे रहने वाले रूद्रांश सोनी आयु 14 वर्ष, जीतानशी उम्र 7 वर्ष, आदित्य 9 वर्ष, सौम्या 6 वर्ष, सत्यप्रेमीनगर, राजकमल टाकीज के बगल में रहने वाली सेन्ट एन्थोनी स्कूल की कक्षा 5 की छात्रा अनाबिया काशिफ को 5 अगस्त 2026 को स्कूल से लौटते समय आवारा कुत्तों ने बुरी तरह नोचकर घायल कर दिया। समय-समय पर पुलिस, नगर पालिका क अधिकारियों के लोगों को आम जनता ने सूचित किया लेकिन जिम्मेदार लोगों ने कोई कार्यवाही नहीं किया।

जबकि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के प्रबंधन और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर स्पष्ट निर्देश देते हुये स्कूलों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थलों से कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम भेजने, आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के बाद इन्हें वापस उसी जगह न छोड़ने, रेबीज या खतरनाक व्यवहार वाले कुत्तों को अलग रखकर उनका इलाज करने आदि के निर्देश दिये।

जिसका पालन नगर पालिका परिषद नवाबगंज नहीं कर रही है और न ही आवारा गौवंश और न ही स्ट्रीट डाग के ऊपर कोई कार्यवाही सुनिश्चित कर रही है।

पर्यावरण सेवक ने प्रकरण की जांच कराकर समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

अवैध गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

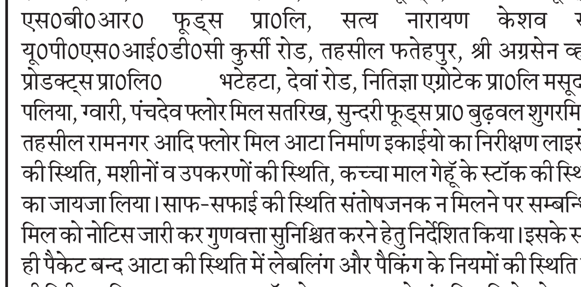

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 2 किलो 80 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 2.080 किलोग्राम गांजा तथा 790 रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में स्वापक औषधि एवं मनरूप्रभावी पदार्थ अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 6 अगस्त 2026 की देर रात लगभग 12.40 बजे चैकी प्रभारी सदर उपनिरीक्षक प्रशांत राणा अपनी टीम में आरक्षी अमित कुमार, राहुल कुमार एवं सूरज सिंह के साथ गोविंद नगर तिराहे पर गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति पनारी रोड की ओर से नहर की पटरी के रास्ते हाथ में पन्नी लेकर अवैध गांजा बेचने के उद्देश्य से ललितपुर शहर की ओर आ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निर्देशन में चैकी प्रभारी नेहरू नगर उपनिरीक्षक अंकित कौशिक तथा चैकी प्रभारी नई बस्ती उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह सहित संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने जमुनापुरम कॉलोनी पुलिया के पास घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के प्रावधानों का पालन करते हुए क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार की उपस्थिति में अभियुक्त की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद दो पैकेटों से कुल 2.080 किलोग्राम अवैध गांजा (1.040 किलोग्राम $ 1.040 किलोग्राम) तथा 790 रुपये नकद बरामद हुए। बरामद गांजे का वजन डिजिटल तराजू से कराया गया तथा बरामदगी एवं कार्रवाई की वीडियोग्राफी ई-शाक्ष्य ऐप के माध्यम से कराई गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मोहल्ला भदौरियापुरा निवासी सुनील कुशवाहा पुत्र स्व. भद्दूसिंह कुशवाहा के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध स्वापक औषधि एवं मनरूप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही विवेचना एवं साक्ष्य संकलन की कार्रवाई बीएनएसएस की धारा 105 एवं धारा 173 के प्रावधानों के अनुसार की गई है।

तहसीलदार ने लिया बाढ़ प्रभावित स्थलों का जायजा

जिला संवाददाता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। तहसील क्षेत्र में घाघरा नदी के तेज कटान से ग्राम खेतासराय मे किसानों की सैकड़ों बीघा कृषि भूमि नदी में

- वायस आफ लखनऊ द्वारा मुद्दे को उठाने के बाद तहसीलदार ने मौके पर पहुंच की किसानो से वार्ता

समाहित हो रही है। जिसको लेकर तहसीलदार शशांक उपाध्याय ने राजस्व टीम के साथ बाढ़ प्रभावित स्थानो पर पहुंच निरीक्षण किया। हिन्दी दैनिक वॉयस ऑफ लखनऊ द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने के बाद तहसीलदार श्री उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत की। तथा किसानों को घाघरा में समाहित कृषि भूमि का आकलन करवाकर उन्हें उचित मुआवजा दिलवाये जाने का आश्वासन दिया। तहसीलदार ने बताया कि तहसील प्रशासन घाघरा नदी के सभी इलाकों पर लगातार नजर बनाए हुए है। जहां कटान हो रहा है। राजस्व टीम तटवर्ती क्षेत्रों में सक्रिय है और बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

डीएम ने की 144 विकास परियोजनाओं की समीक्षा

जिला संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने 20 लाख रुपये से अधिक लागत वाली कुल 144 परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति की समीक्षा की। जिनमे अधिकारियो द्वारा 39 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी तथा शेष परियोजनाओं पर कार्य प्रगति की जानकारी दी। जिस पर

- बरसात के दृष्टिगत सभी निकाय अलर्ट मोड में रहें, जल निकासी एवं स्वच्छता व्यवस्था रहे सर्वोच्च प्राथमिकता–डीएम
- विलंबित कार्यों पर जताई नाराजगी, निर्धारित समय मे कार्य पूर्ण कराने के निर्देश

विलंबित परियोजनाओं पर नाराजगी व्यक्त कर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिशासी अधिकारियों को प्रत्येक लंबित परियोजना की कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने बरसात के मौसम को देखते हुए सभी नगर निकायों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश देते हुये जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नालों एवं नालियों की नियमित सफाई कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। तथा कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी तथा इस प्रकार की समस्या को किसी भी स्थिति में गंभीरता से लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद एवं सभी नगर पंचायतों में शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए। सार्वजनिक स्थलों, मार्गों, फुटपाथों एवं नालियों से अतिक्रमण हटाने की नियमित कार्रवाई जारी रखी जाए तथा अवैध प्लाटिंग पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बकाया वसूली में तेजी लाई जाए तथा लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित की जाए। लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों की जवाबदेही भी तय की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उप जिलाधिकारी नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल, नगर पालिका परिषद नवाबगंज अधिशासी अधिकारी संजय कुमार शुक्ला सहित नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अभियंता, संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षेप

टाटा मोटर्स ने लॉन्च की नयी नेक्सॉन कैमो

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने आज नेक्सॉन कैमो लॉन्च करने की घोषणा की। यह लॉन्च नेक्सॉन के 10 साल पूरे होने और 11 लाख से ज्यादा ग्राहकों के भरोसे का जश्न मनाने के मौके पर हुआ है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत दिल्ली में 9.99 लाख रुपये रखी गई है। नेक्सॉन कैमो दो विशेष प्रीमियम रंगों, मुन्नार मिस्ट और कूर्ग क्लाउड में उपलब्ध होगी। यह नया संस्करण आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत तकनीक का भी बेहतरीन मेल है। इसमें अल्ट्रा व्यू ट्विन एचडी डिजिटल कॉकपिट दिया गया है, जिसमें 31.24 सेमी (12.3 इंच) का हरमनट्ठ इंफोटेनमेंट सिस्टम और 26.03 सेमी (10.25 इंच) का हरमनट्ठ डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल है। नई नेक्सॉन कैमो पेट्रोल, डीजल और आईसीएनजी, तीनों पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगी। एक दशक पहले लॉन्च होने के बाद से नेक्सॉन ने 11 लाख से अधिक परिवारों को सुरक्षित, आरामदायक और यादगार सफर का अनुभव दिया है।

रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा लॉन्च

मुंबई। रेंज रोवर ने रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा को पेश किया है, जो रेंज रोवर की लक्जरी और सर्वोच्च विशिष्टता है। उन्नत फिनिश को विश्व की पहली ऑडियो तकनीक के साथ जोड़ते हुए, एसवी अल्ट्रा अब तक बनाई गई सबसे लग्जरीयस और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत रेंज रोवर है। रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा में टाइटन सिल्वर पेश किया गया है, जो एक एक्सक्लूसिव एक्सटीरियर फिनिश है और असली बारीक एल्युमिनियम फ्लेक तथा एडवांस्ड पिगमेंट तकनीक का उपयोग करके लिक्विड मेटल से प्रेरित मिरर-जैसी गुणवत्ता वाली गहरी, चमकदार सतह तैयार करता है। सैटिन प्लैटिनम एटलस और सिल्वर क्रोम एक्सेंट्स एक्सटीरियर को पूरक बनाते हैं, जबकि सैटिन प्लैटिनम इंसर्ट्स वाले 23-इंच अलॉय व्हील्स नए रेंज रोवर सेंटर कैप्स के साथ इसकी दमदार उपस्थिति को और बढ़ाते हैं। अंदर की ओर, एसवी अल्ट्रा एक नया ड्यूओ-टोन ऑर्किड व्हाइट और सिंडर ग्रे अल्ट्राफैब्रिक्सट्ठ इंटीरियर प्रस्तुत करता है, जो एडवांस्ड मटीरियल इनोवेशन को एक शांत, लेदर-फ्री सैंक्चुअरी के साथ जोड़ता है।

मालदीव में तंबाकू टैक्स नीति में सुधार आयात शुल्क में 50 फीसद की कटौती

नई दिल्ली। भारत में बिकने वाली हर चार में से एक से अधिक सिगरेट अवैध होती है। इसलिए तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने के साथ-साथ अवैध सिगरेट की बिक्री पर सख्त कार्रवाई भी जरूरी है। इससे लोगों की सेहत की रक्षा होगी और सरकार के राजस्व (आय) का भी नुकसान नहीं होगा मालदीव ने अवैध तंबाकू कारोबार बढ़ने के बाद सिगरेट पर आयात शुल्क (इंपोर्ट ड्यूटी) में 50% की कटौती की है। इस फैसले के बाद फिर से यह चर्चा शुरू हो गई है कि सरकारें तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने और अवैध कारोबार पर रोक लगाने के बीच सही संतुलन कैसे बना सकती हैं। पब्लिक हेल्थ और पॉलिसी एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत के लिए इससे एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। मालदीव सरकार ने सिगरेट पर लगने वाली आयात ड्यूटी (कर) को प्रति पैकेट 8 एमवीआर यानि मालदीवी रूफिया से घटाकर 4 एमवीआर कर दिया है। इस फैसले की दुनियाभर में चर्चा हो रही है, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तंबाकू नियंत्रण के लिए किए गए प्रयासों, जिनमें तंबाकू पर ज्यादा टैक्स लगाना भी शामिल था, उसके लिए मालदीव को वर्ष 2024 का वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड' दिया था।

शो लॉक अप: सच या सजा की विजेता बनीं श्रेया कालरा

मुंबई। सच जैसे-जैसे सामने आता है, आप आजाद हो सकते हैं। ऐसा ही कुछ देखने को मिला नेटफ्लिक्स के कैप्टिव रियलिटी शो, लॉक अपः सच या सजा में, जिसने पहले दिन से ही दर्शकों को बांधकर रखा। छः हफ्तों तक इमोशनल कॉन्फेशन, चार्जशीट, जबरदस्त टकराव, बदलती डायनामिक्स और यादगार रिडेंप्शन के बाद नेटफ्लिक्स और बालाजी टेलीफिल्म्स के रिकॉर्ड-ब्रेकिंग कैप्टिव रियलिटी शो, लॉक अपः सच या सजा को अपना विनर मिल गया। सीजन के सबसे मुश्किल टास्क, लगातार स्क्रूटनी और बदलती डायनामिक्स के सफर में आगे बढ़ते हुए श्रेया कालरा ने साबित कर दिया कि ऑथेंटिसिटी ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और उन्होंने लॉक अपः सच या सजा की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। श्रेया ने लॉक अप में अकेले प्रवेश किया था, पर वापस वो अपनी सच्चाई के साथ गईं। उनका यह सफर पूरे देश के दर्शकों को बहुत पसंद आया।

सेंसेक्स में 374 अंकों की उछाल

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को मिला-जुला रुख रहा। कच्चे तेल के दाम में नरमी और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 374 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में मामूली 11 अंक की तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान पूरे समय सकारात्मक दायरे में रहा। अंत में यह 373.76 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर 78,954.76 अंक पर बंद हुआ। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी पूरे दिन सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और अंत में 11.35 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,636 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी ऊंचे में 24,677.05 अंक तक गया और नीचे में 24,604.15 अंक तक आया।

सोमवार से दोनों प्रमुख सूचकांकों के प्रदर्शन में अंतर देखने को मिल रहा है। यह बदलाव उन शेयरों के लिए नई नीलामी व्यवस्था लागू किए जाने के बाद आया है, जिनमें वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) अनुबंध उपलब्ध हैं। इक्विटी नकद खंड में समापन नीलामी सत्र (सीएएस) सोमवार से शुरू हुआ। इसके तहत पात्र शेयरों के समापन मूल्य तय करने के लिए नीलामी आधारित नई व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य कीमत निर्धारण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाना है। घरेलू शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा। निवेशकों की धारणा पश्चिम एशिया संघर्ष के कूटनीतिक समाधान की उम्मीद के बीच सतर्क लेकिन सकारात्मक बनी रही। उन्होंने कहा कि निफ्टी सीमित दायरे में कारोबार करते हुए लगभग स्थिर रहा। सेंसेक्स में बढ़त दर्ज की गई, जिसे मुख्य रूप से प्रमुख शेयरों में लिवाली से समर्थन मिला। एनएसई की समापन नीलामी सत्र व्यवस्था शुरू होने के चार सत्रों के बाद सेंसेक्स और निफ्टी के बीच अंतर अब केवल बदलाव के दौर की वजह से नहीं, बल्कि बाजार की नकदी में अंतर को दर्शा रहा है। बीस मिनट की समापन नीलामी प्रक्रिया दोनों सूचकांकों के लिए अलग-अलग परिणाम दे रही है क्योंकि संस्थागत निवेशकों के ऑर्डर सेंसेक्स के मुकाबले निफ्टी के शेयरों में अधिक केंद्रित हैं। परिणामस्वरूप निफ्टी का बंद स्तर अब समापन नीलामी सत्र से तय होने वाली कीमतों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है, जबकि सेंसेक्स पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहा है। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज में सबसे अधिक 3.43 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा, भारतीय स्टेट बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल और टाइटन भी बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे।

सोना 3800 रुपये की बढ़ोत्तरी संग उच्च स्तर पर और चांदी 2,100 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में बढ़त देखी गई। रुपये की कीमत में गिरावट और मजबूत वैश्विक रुख की वजह से सोना 3,800 रुपये महंगा होकर सात सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बुधवार के 1,50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 3,800 रुपये बढ़कर 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गया।

इससे पहले सोना 18 जून को 1,53,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के आसपास बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी पिछले सत्र के 2,32,700 रुपये प्रति किलोग्राम से 2,100 रुपये बढ़कर 2,34,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। कारोबारियों ने कहा कि रुपये में कमजोरी के कारण घरेलू बाज़ार में आयातित सर्राफा महंगा हो गया, जबकि कमजोर डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में नरमी के बीच विदेशी बाज़ार में सोने की कीमतों में बढ़त ने कीमती धातुओं को और सहारा दिया। बृहस्पतिवार को डॉलर इंडेक्स में मामूली बढ़त और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में थोड़ी बढ़ोतरी के कारण रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे गिरकर 95.24 (अस्थायी) पर रहा। कमज़ोर डॉलर, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में नरमी और पश्चिम एशिया संघर्ष में कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों से कीमती धातु की मांग बढ़ी है, जिससे सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में बढ़त हुई और यह सात सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। विदेशी बाज़ारों में, हाजिर सोने की कीमत बढ़कर 4,264.24 डॉलर प्रति औंस हो गई, जबकि चांदी की कीमत 61.80 डॉलर प्रति औंस पर रही। ईरान के यह कहने के बाद कि होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात के प्रबंधन को लेकर ओमान के साथ समझौते पर सैद्धांतिक रूप से सहमति बन गई है, हाजिर सोने की कीमत बढ़कर 4,260 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई।

मेटा की टीम से अनुपालन, एल्गोरिद्म व सुरक्षा उपायों पर सरकार कर रही सवाल

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फेसबुक पोस्ट को थोड़ी देर के लिए हटाए जाने के मामले में सरकार प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के अधिकारियों की टीम से यह पूछताछ कर रही है कि कंपनी भारतीय कानूनों का पालन कर रही है या नहीं। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार और मेटा की वैश्विक टीम के बीच इस मुद्दे पर बातचीत अब भी जारी है। इस दौरान मेटा के अधिकारियों से कंपनी के एल्गोरिद्म, अनुपालन व्यवस्था में पर्याप्त संतुलन एवं नियंत्रण और संवैधानिक व कानूनी प्रावधानों को पूरा करने के लिए सुरक्षा उपायों के बारे में भी सवाल किए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव बृहस्पतिवार को मेटा की वैश्विक टीम से मुलाकात कर रहे हैं और इसके बाद मंत्रालय की तकनीकी टीमों के साथ बातचीत आगे भी जारी रहेगी। इससे पहले, अमेरिका स्थित इस प्रौद्योगिकी कंपनी ने मोदी की फेसबुक पोस्ट हटाए जाने की घटना पर माफी मांगी थीं। साथ ही, बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री, डीपफेक और भुगतान के बदले कुछ सामग्री को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर भी चूक स्वीकार की थी। मेटा के वैश्विक मामलों के प्रमुख जोएल कैपलन ने एक लिखित बयान में कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट पर लगे प्रतिबंध की त्रुटि के लिए मंत्री से माफी मांगी।

रुपया 16 पैसे टूटकर 95.24 प्रति डॉलर पर

मुंबई। डॉलर सूचकांक में मामूली बढ़त और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच रुपया बृहस्पतिवार को 16 पैसे कमजोर होकर 95.24 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में मामूली सुधार और विदेशी कोषों की निकासी से रुपये पर दबाव रहा। हालांकि, कच्चे तेल की अपेक्षाकृत नरम कीमतों ने रुपये को कुछ हद तक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.12 से 95.24 प्रति डॉलर के दायरे में रहा। अंत में यह 95.24 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 16 पैसे की गिरावट है।

रुपया बुधवार को 20 पैसे मजबूत होकर 95.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। अमेरिकी डॉलर सूचकांक में मामूली बढ़त और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मामूली वृद्धि के कारण आज भारतीय रुपया कमजोर हुआ। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की उम्मीदों ने रुपये को कुछ हद तक समर्थन दिया। चौधरी ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 94.80 से 95.50 के दायरे में रहने के आसार हैं। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत घटकर 99.78 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.09 प्रतिशत बढ़कर 79.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। भारत के लिए ब्रेंट कच्चे तेल का भाव 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने से आयात बिल, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर दबाव जुलाई में देखे गए 100 डॉलर से अधिक के स्तर की तुलना में काफी कम रहता है।

वाहनों की कुल खुदरा बिक्री जुलाई में 25.89 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 25.89 प्रतिशत बढ़कर 25,91,138 इकाई हो गई। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

फाडा ने कहा कि पिछले साल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में बदलाव के बाद मांग में आई तेजी का सिलसिला जारी है। फाडा ने बयान में कहा कि वाहनों की खुदरा बिक्री जुलाई, 2025 में 20,58,325 इकाई रही थी। यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री जुलाई में 19.13 प्रतिशत वृद्धि के साथ 4,16,555 इकाई रही, जो पिछले साल जुलाई में 3,49,674 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 28.25 प्रतिशत बढ़कर 18,18,289 इकाई हो गई, जबकि जुलाई, 2025 में यह 14,17,767 इकाई थी। फाडा के अनुसार, जुलाई में तिपहिया वाहनों की बिक्री 16.16 प्रतिशत बढ़कर 1,33,778 इकाई रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,15,166 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी 24.04 प्रतिशत बढ़कर 99,666 इकाई हो गई, जबकि जुलाई, 2025 में यह 80,348 इकाई थी। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहन, यात्री वाहन, ट्रैक्टर समेत सभी श्रेणियों में यह पहली बार हुआ जब किसी भी साल के जुलाई माह में सर्वाधिक बिक्री दर्ज की गई है।

कोल इंडिया ने लौह अयस्क खनन में रखा कदम

नयी दिल्ली, छह अगस्त (भाषा) सरकारी स्वामित्व वाली कोल इंडिया लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ओडिशा के गदाधरपुर लौह अयस्क ब्लॉक के लिए तरजीही बोलीदाता बनकर उभरी है।

इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी ने लौह अयस्क खनन क्षेत्र में भी कदम रख दिया है। सीआईएल मुख्य रूप से कोयले के खनन एवं उत्पादन में सक्रिय है और देश में कोयले के घरेलू उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। कोल इंडिया का अब लौह अयस्क खनन में उतरने का कदम दीर्घकालिक ऊर्जा बदलाव के बीच कंपनी की व्यापक विविधीकरण योजना का संकेत माना जा रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे यह खनन पट्टा प्रेषित खनिज के मूल्य के 114.05 प्रतिशत नीलामी प्रीमियम पर प्रदान किया गया है। सीआईएल को यह ब्लॉक ओडिशा सरकार ने आवंटित किया है। गदाधरपुर ब्लॉक जी-3 अन्वेषण चरण में है, जहां कुल अयस्क संसाधन लगभग 28.8 करोड़ टन आंका गया है। जी-3 चरण वह प्रारंभिक अन्वेषण में सर्वेक्षण के आधार पर चिन्हित क्षेत्रों में विस्तृत नमूने, मानचित्रण और खुदाई के जरिये खनिज भंडार का आकलन किया जाता है। कोल इंडिया को सफल बोलीदाता घोषित होने के लिए एक वर्ष में औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी, जबकि खनन पट्टा समझौते को अंजाम देने के लिए तीन वर्ष तक का समय मिलेगा।

बर्जर बेकर और बर्जर निप्पॉन ने इस तिमाही मजबूत बढ़त दर्ज की

नई दिल्ली। कंपनी का मुनाफा और रेवेन्यू, दोनों बढ़ने की उम्मीद है। हमारे संयुक्त उद्यम, बर्जर बेकर और बर्जर निप्पॉन ने इस तिमाही मजबूत बढ़त दर्ज की। घरेलू मांग के संकेतक धीरे-धीरे सभी सेगमेंट और बाजारों में सुधर रहे हैं, और मॉनसून भी शुरूआती अनुमान से बेहतर आगे बढ़ रहा है, यह आने वाले महीनों के लिए अच्छे संकेत हैं। बर्जर पेंट्स में हम नेटवर्क के विस्तार, प्रोडक्ट और सर्विस में नयापन लाने, और ब्रांड बिल्डिंग पर ध्यान देते रहेंगे, ताकि हमारे निवेशकों और हितधारकों को बेहतर वैल्यू मिल सके। 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही में कामकाज से राजस्व 3,583.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 3,200.8 करोड़ रुपये था। यानी पिछले साल के मुकाबले इसमें 12.0% की बढ़ोतरी हुई। इस तिमाही में एबिटा (अन्य आय को छोड़कर) 607.4 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 528.4 करोड़ रुपये था, यानी 15.0% ज्यादा।

सैमसंग लेकर आया है 'द बिग बेस्पोक एआई फेस्ट

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपनी विशेष सेल 'द बिग बेस्पोक एआई फेस्ट' की घोषणा की है। 1 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत कंपनी अपने बेस्पोक एआई होम अप्लायंसेज पर आकर्षक ऑफर्स दे रही है। इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के जरिए रोजमर्रा के घरेलू कामों को आसान बनाकर उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा और समय उपलब्ध कराना है। देश की आजादी के वर्ष 1947 को खास अंदाज में याद करते हुए कंपनी चुनिंदा बेस्पोक एआई अप्लायंसेज पर 19,470 रुपये तक का कैशबैक दे रही है। इसके अलावा, सैमसंग केयर+ के तहत चुनिंदा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन पर एक वर्ष की विस्तारित वारंटी के साथ दो वर्ष की अतिरिक्त वारंटी मुफ्त मिलेगी।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने का नया कैम्पेन लॉन्च

कानपुर। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने मल्टी एसेट एलोकेशन श्रेणी के लिए एक नया डिजिटल कैंपेन शुरू किया है। इसका उद्देश्य निवेशकों को हाल में मिले रिटर्न से आगे बढ़कर यह समझ बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है कि इन फंडों की किसी निवेश पोर्टफोलियो में क्या भूमिका होती है। यह अभियान इस आकलन पर आधारित है कि मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी जरूर है, लेकिन कई निवेशक अपनी पड़ताल की शुरूआत इस श्रेणी से जुड़ी अलग-अलग उम्मीदों के साथ करते हैं कि आखिर ये फंड किस तरह का लाभ देने के लिए बनाए गए हैं। जब हमने यह विश्लेषण किया कि निवेशक मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों के बारे में किस तरह सर्च कर रहे हैं, तो हमें पता चला कि सभी निवेशक एक जैसा जवाब नहीं खोज रहे थे। कुछ लोग हालिया रिटर्न का मूल्यांकन कर रहे थे। कुछ यह समझना चाहते थे कि यह मल्टी असेट क्लास उनके निवेश पोर्टफोलियो में किस तरह शामिल हो सकती है। हर किसी से एक जैसी बात करने के बजाय, हम चाहते थे कि हमारा संवाद उनके अलग-अलग शुरूआती नजरिए पर केंद्रित रहे। यह अभियान निवेशकों को बेहतर सवाल पूछने और यह समझने में मदद करता है कि मल्टी एसेट एलोकेशन फंड वास्तव में किस उद्देश्य के लिए बनाए गए हैं।

एसबीआई लाइफ व जेएंडके बैंक ने जीवन बीमा पहुंचाने के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के परिवारों को अपने फाइनेंशियल भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने में मदद करेगा। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने जेएंडके बैंक (जम्मू-कश्मीर बैंक) के साथ एक स्ट्रैटेजिक कॉर्पोरेट एजेंसी टाई-अप की घोषणा की। जेएंडके बैंक एक शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक है और भारत के सबसे पुराने प्राइवेट सेक्टर बैंकों में से एक है। यह साझेदारी इरडाई के '2047 तक सभी के लिए बीमा' के विजन के अनुरूप वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाती है और साथ ही उन समुदायों तक दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा पहुँचाती है, जिनकी अब तक इस तक सीमित पहुँच रही है। एसबीआई लाइफ में हमारा उद्देश्य लोगों और परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनने और ज्यादा भरोसे के साथ भविष्य का सामना करने में मदद करना है। जेएंडके बैंक के साथ हमारी साझेदारी देश भर के परिवारों के बीच इंश्योरेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और आर्थिक सुरक्षा के कल्चर को मजबूत करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है।

पेज एक का शेष

बायोगैस

घरों को आपूर्ति होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में सीबीजी की अनिवार्य मिलावट के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सीबीजी खरीदेंगी। वित्त वर्ष 2026-27 में तीन प्रतिशत, 2027-28 में चार प्रतिशत और 2028-29 से पांच प्रतिशत मिलावट का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने उत्पादकों को दीर्घकालिक राजस्व सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को किफायती बनाए रखने के उद्देश्य से सीबीजी के लिए 2,110 रुपये प्रति एमएमबीटीयू का विनियमित मूल्य भी तय किया है।

गोबरधन योजना के तहत पात्र नई परियोजनाओं को स्थापित क्षमता के प्रति टन प्रतिदिन पर अधिकतम दो करोड़ रुपये तक की पूंजी सहायता मिलेगी, जबकि पुरानी विस्तार परियोजनाओं को भी समर्थन दिया जाएगा। इसके साथ, सीबीजी संयंत्रों को मुख्य पाइपलाइन और शहरी गैस नेटवर्क से जोड़ने के लिए अवसंरचना वित्तपोषण, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए ञ्ण गारंटी व्यवस्था और जैविक कच्चे माल के एकत्रीकरण, प्रौद्योगिकी अपनाने और जिला-स्तरीय परियोजनाओं के विकास के लिए एक विशेष कोष का प्रावधान किया गया है। बयान के मुताबिक, इस कार्यक्रम से निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, किसानों और ग्रामीण उद्यमियों की आय के नए अवसर पैदा होंगे, कचरा प्रबंधन में सुधार होगा, जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी। भारत अपनी ऊर्जा बदलाव रणनीति के तहत प्राकृतिक गैस के उपयोग का विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही कम्प्रेस्ड बायोगैस जैसे नवीकरणीय गैसीय ईंधन के घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर आयातित एलएनजी पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रहा है।

जेन-जी की

और आवाज का इस्तेमाल करके नकली वीडियो बना सकती है। यह पता होने पर लोगों को कभी भी सोशल मीडिया पर किसी भी चीज़ पर तब तक विश्वास नहीं करना चाहिए जब तक कि वे विश्वसनीय स्रोतों से उसकी पुष्टि न कर लें। भागवत ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की अपने फॉलोवर्स के प्रति ज़िम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा अगर मैं सोशल मीडिया पर कोई मशहूर हस्ती हूं और 10 लाख लोग मुझे फ़ॉलो करते हैं, तो यह मेरी ज़िम्मेदारी है कि मैं यह पक्का करूं कि मुझे फ़ॉलो करने की वजह से वे किसी मुसीबत में न पड़ें। इतनी समझदारी जरूरी है। उन्होंने स्व-नियमन का आह्वान करते हुए कहा कि पुरानी पीढ़ी को युवाओं की मदद करनी चाहिए ताकि वे सोशल मीडिया का ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल करने की समझ विकसित कर सकें। भागवत ने कहा सोशल मीडिया के इस्तेमाल में हमें खुद से अनुशासन बनाए रखने की ज़रूरत है। एक बार जब यह अनुशासन आ जाएगा, तो नियम प्रभावी ढंग से काम करेंगे।

युवाओं का

विकास तथा संस्कृति एवं विरासत सहित युवाओं के व्यक्तित्व के सभी महत्वपूर्ण आयामों का समग्र समावेश हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए आधुनिक तकनीकों पर आधारित कौशल विकास को प्राथमिकता दी जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर तथा अन्य उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए। प्रत्येक जनपद में उद्यमिता और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण विकसित किया जाए। यूथ इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा युवाओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कैरियर मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति, रोजगार मिलान और अन्य सेवाओं को एक स्थान पर उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लायमेंट जोन की स्थापना का कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जाए। इस योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसर तक इसके विस्तार की संभावनाएं तलाशते हुए युवा आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों सहित अन्य विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आज अनेक प्रतिष्ठित निजी कोचिंग संस्थान भी उत्तर प्रदेश में अपनी इकाइयां स्थापित करना चाहते हैं। इस अनुकूल वातावरण का लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलना चाहिए।

घुमंतू समाज

साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इस अन्यायपूर्ण कानून को समाप्त कर इन समुदायों को सम्मान दिलाया, लेकिन लंबे समय तक इनके समग्र विकास के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार इन समुदायों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोग का गठन हुआ और उत्तर प्रदेश में भी उनके कल्याण के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष घुमंतू समाज के सम्मेलन में बोर्ड गठन की मांग उठाई गई थी, जिस पर उन्होंने घोषणा की थी। अब बोर्ड के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और इसमें विभिन्न विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि उनकी समस्याएं सीधे सरकार तक पहुंच सकें और उनके समाधान के लिए प्रभावी योजनाएं बनाई जा सकें। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने वनटांगिया, मुसहर, थारू, गौड़, चेरो, बुक्सा, कोल और सहरिया सहित अनेक वंचित समुदायों को राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान भारत कार्ड, निःशुल्क बिजली व गैस कनेक्शन, पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उपेक्षित समाज के महापुरुषों और वीरांगनाओं को भी उचित सम्मान दे रही है। निषादराज गुह्य की प्रतिमा, महाराजा सुहेलदेव विजय स्मारक, जनजातीय संग्रहालय, विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज सहित कई परियोजनाएं इसी दिशा में स्थापित की गई हैं। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि घुमंतू विकास बोर्ड विभिन्न विभागों की योजनाओं को विमुक्त एवं घुमंतू समाज तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि अब यह समाज घुमंतू से टिकंतू बनने की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि लोगों को आवास, बिजली, आजीविका और सम्मानजनक जीवन के अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में सपेरा समाज ने पारंपरिक बीन वादन के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। विमुक्त एवं घुमंतू समाज के प्रतिनिधियों ने घुमंतू विकास बोर्ड को समाज के सम्मान और समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

अनुशासन व सामाजिक

बनकर सामने आई है। सरकार के साथ अनेक सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाएं भी श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी हैं, जो समाज की सकारात्मक सहभागिता को दर्शाता है। समीक्षा के दौरान एडीजी मेरठ ने बताया कि सीमावर्ती राज्यों का पूरा सहयोग मिल रहा है। पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद ने जानकारी दी कि अब तक लगभग 70 हजार कांवड़ यात्री जनपद से गुजर चुके हैं। पुलिस और स्वयंसेवक पूरी मुस्तैदी से तैनात हैं तथा अगले एक दो दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने बरेली में कांवड़ यात्रा और आला हजरत उर्स को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह स्वागतयोग्य है कि इस्लामिक समुदाय ने उर्स के अवसर पर शाकाहारी भोजन वितरण की व्यवस्था की है तथा शिवभक्तों की आस्था का सम्मान करते हुए उर्स के आयोजन को सीमित दायरे में रखा गया है।

सड़क हादसे

बताया कि हादसे में घायल कार सवार आजम, मोहम्मद जावेद और उमर को झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि वे सभी प्रयागराज के ही रहने वाले हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। मूर्ति ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि कार की गति बहुत तेज थी। उन्होंने कहा, घायल यात्रियों में से एक ने हमें बताया कि गाड़ी बहुत तेज गति से गुजर रही थी और डिवाइडर से टकराने से पहले बेकाबू हो गई थी। दुर्घटनाग्रस्त हुई कार में सवार रहे अबान के घायल दोस्त मोहम्मद उमर ने संवाददाताओं को बताया कि वे अबान के भाई से मिलने झांसी जेल जा रहे थे तभी कार बेकाबू हो गयी और यह हादसा हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिये राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जाएगी।

यौन उत्पीड़न

और तब से तेजपाल ने कोई अन्य अपराध नहीं किया है। अदालत ने यह भी कहा, संभव है कि पीड़िता और तेजपाल, दोनों अब अपने-अपने जीवन में आगे बढ़ चुके हों। उच्च न्यायालय ने तेजपाल पर 10,21,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि यह पूरी राशि पीड़िता को दी जाएगी। पीठ ने कहा, यौन उत्पीड़न की पीड़िता को जुर्माने की पूरी राशि सौंपी जाएगी। सुनवाई के दौरान तेजपाल ने स्वयं को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार बताया और दो बेटियों का पिता होने का हवाला देते हुए अदालत से नरमी बरतने की अपील की। वहीं, गोवा सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अधिकतम सजा की मांग करते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि नहीं का मतलब नहीं (शारीरिक संबंध के लिए सहमति नहीं देना) होता है।

उत्तराखंड के

पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनसीसी के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और सेवा-भाव जैसे गुणों का विकास किया जा सकता है। महानिदेशक एनसीसी ने मुख्यमंत्री को राज्य में एनसीसी के विस्तार से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों और भावी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में विशेष रूप से सीमावर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों के विद्यालयों और महाविद्यालयों में एनसीसी की पहुंच बढ़ाने तथा अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को इससे जोड़ने पर चर्चा हुई।

यूपी में 5

जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, व्यापार मंडलों, सामाजिक संगठनों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए), सरकारी कर्मचारियों, शिक्षण संस्थानों, एनसीसी, एनएसएस तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार का कहना है कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान और देश के प्रति कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक मजबूत करना है।

प्रतापगढ़ : मकान

बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली बाजार में बुधवार रात एक मकान के एक कमरे में परिवार के सात सदस्य सो रहे थे। इसी दौरान बारिश के बीच मकान ढह गया और वे सभी मलबे में दब गए। उन्होंने बताया कि जोरदार आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस एवं दमकल विभाग को सूचना दी। मलबे में दबे सभी लोगों को बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि घटना में घायल प्रमोद के बेटे अमन का उपचार किया जा रहा है।

स्टार्क कपिल देव के रिकॉर्ड से बस एक विकेट दूर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भारत के महान कप्तान कपिल देव की बराबरी से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। स्टार्क ने कहा टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में जगह बनाना उनके लिए गर्व की बात है। स्टार्क ने 105 टेस्ट मैचों में 433 विकेट लिए हैं, जबकि कपिल देव के नाम 434 विकेट दर्ज हैं। 13 अगस्त से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में उनके पास कपिल को पीछे छोड़ने के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन (439 विकेट) से भी आगे निकलने का मौका होगा।

इस उपलब्धि के बारे में पूछे जाने पर स्टार्क ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से कहा, इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेल ली है। उन्होंने कहा कपिल देव और डेल स्टेन जैसे महान खिलाड़ियों के साथ मेरा नाम लिया जाना बेहद सम्मान की बात है। जब तक आप खेल रहे होते हैं, तब तक ऐसे आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। मैं अभी भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में स्टार्क सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

उन्होंने आठ मैचों में 46 विकेट हासिल किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की सूची में उनसे आगे शेन वार्न (708), नाथन लियोन (567) और ग्लेन मैक्ग्रा (563) हैं। इस 36 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्होंने अपनी फिटनेस पर लगातार मेहनत की है।

स्टार्क इस साल आईपीएल में कुछ मैच खेलने के बाद मैदान पर नजर नहीं आए हैं। उन्होंने कहा, जब आप 36 साल के होते हैं और 16 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे होते हैं, तो उम्मीद रहती है कि आपने अपने खेल में कुछ न कुछ सुधार जरूर किया होगा। इस उपलब्धि के बारे में पूछे जाने पर स्टार्क ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से कहा इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेल ली है।

उन्होंने कहा कपिल देव और डेल स्टेन जैसे महान खिलाड़ियों के साथ मेरा नाम लिया जाना बेहद सम्मान की बात है। जब तक आप खेल रहे होते हैं, तब तक ऐसे आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। मैं अभी भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में स्टार्क सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

मैदान पर उतरते ही हमारे पास हर सवाल का जवाब होगा : गौतम गंभीर

कोलंबो। भारतीय टीम का हाल के वर्षों में घरेलू मैदान पर टेस्ट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर को उम्मीद है कि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उनकी टीम पूरी तरह तैयार रहने के साथ हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम रहेगी। अभ्यास सत्र से पहले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए गंभीर ने टीम में शामिल हुए नए खिलाड़ियों स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी स्वागत किया।

सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में गंभीर ने कहा, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या चुनौती है और हम किस लक्ष्य के लिए खेल रहे हैं। हम कड़ी मेहनत कर सकते हैं, अपनी क्षमता को आगे बढ़ा सकते हैं और हर तैयारी पूरी कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा 15 अगस्त की सुबह जब मैच शुरू होगा, चाहे हम पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी हमें हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए अभी से अपनी तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़नी है। श्रृंखला का पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में होगा। पिछले दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 02 की निराशाजनक हार के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में यह भारत का पहला मुकाबला होगा। सारांश को घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिली है। वहीं नबी को चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर शामिल किया गया है। पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र में उन्होंने जम्मू-कश्मीर को पहली बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। गंभीर ने सारांश का स्वागत करते हुए कहा, सारांश, सबसे पहले तुम्हें बधाई। यहां तक पहुंचने के लिए तुमने काफी मेहनत की है।

जब भी तुम्हें देश के लिए खेलने का मौका मिले, यह सुनिश्चित करना कि तुम अपने परिवार और देश का नाम रोशन करो। उन्होंने नबी को बधाई देते हुए कहा आकिब पिछले सत्र तुम्हारा प्रदर्शन शानदार रहा। जम्मू-कश्मीर का रणजी ट्रॉफी जिताना एक बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए तुम्हें एक बार फिर बधाई। सत्र से पहले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए गंभीर ने टीम में शामिल हुए नए खिलाड़ियों स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी स्वागत किया। सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में गंभीर ने कहा, हम जानते हैं।

संक्षेप

स्नेहा 10-अंडर डब्ल्यूपीजीटी प्रतियोगता में शीर्ष पर

होसुर (तमिलनाडु) छह अगस्त (भाषा) लंबे समय से खराब लय से जूझ रहीं स्नेहा सिंह ने बृहस्पतिवार को महिला प्रेशेवर गोल्फ टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीजीटी) के 11वें चरण के दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार सात बर्डी लगाईं और 10-अंडर 61 का कार्ड खेलकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। साल 2023 की ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता स्नेहा ने पहले दौर में 2-ओवर 73 का स्कोर बनाया था, लेकिन दूसरे दौर में उन्होंने अपने पेशेवर करियर का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेलते हुए कुल 8-अंडर 134 का स्कोर बना लिया। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें से 18वें होल तक लगातार सात बर्डी लगाईं। पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर रहीं वाणी कपूर, आयशा गुप्ता और रिया जादौन का दूसरे दौर में प्रदर्शन एक-दूसरे से बिल्कुल अलग रहा। वाणी ने इवन पार 71 का कार्ड खेलकर कुल 4-अंडर के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पहले दौर में 67 का शानदार स्कोर बनाने वाली अमेच्योर आयशा गुप्ता ने दूसरे दौर में 73 का कार्ड खेला और संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गईं।

द अफ्रीका दौरे में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने इस साल के अंत में भारतीय महिला टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को संशोधन किया ताकि एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच के साथ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच को भी इसमें शामिल किया जा सके। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार एकमात्र टेस्ट मैच नौ से 12 दिसंबर तक खेला जाएगा। इसके बाद 16 से 22 दिसंबर के बीच तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला आयोजित होगी। भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका में एक अतिरिक्त सप्ताह तक रुकेगी और 26 से 30 दिसंबर के बीच तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। टी20 मुकाबले बेनोनी और पोशेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे। सीएसए का मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए फरवरी में श्रीलंका में आयोजित होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी का बेहतरीन मौका होगी। सीएसए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) फोलेट्सी मोसेकी ने एक बयान में कहा, हमें भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के संशोधित कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

कॉरपोरेट समर्थन व नौकरी की सुरक्षा से पैरालंपिक आंदोलन नयी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है : सोमन राणा

गुरुग्राम। राष्ट्रमंडल खेल के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय पैरा एथलीट सोमन राणा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पैरा खिलाड़ियों को पैरालंपिक और पैरा एशियाई खेलों जैसे बड़े स्तर पर अपना प्रदर्शन बनाए रखने और बेहतर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मिलने वाली पुरस्कार राशि के साथ अधिक कॉरपोरेट सहयोग और स्थायी सरकारी नौकरियों की भी जरुरत है। राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा खिलाड़ियों की पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा ने कहा कि आर्थिक सुरक्षा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग पर पूरा ध्यान केंद्रित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

स्पिन पर खुद को परखेंगे भारतीय बल्लेबाज

श्रृंखला से पहले नॉनडिस्क्रिप्ट्स मैदान पर श्रीलंका एकादश के विरुद्ध खेले जाने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तैयारियों को पुख्ता करेंगे

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय बल्लेबाज अगले सप्ताह श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले शुक्रवार को नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका एकादश के विरुद्ध खेले जाने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तैयारियों को पुख्ता कोशिश करेंगे। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के खिलाफ भी परिस्थितियां कुछ अलग नहीं होंगी।

श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में 15 अगस्त से गॉल में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कप्तान शुभमन गिल, लोकेश राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे प्रमुख बल्लेबाज श्रीलंका रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू अभ्यास केंद्रों पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर चुके हैं, लेकिन श्रीलंकाई पिचों पर मैच जैसी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव उससे कहीं अधिक उपयोगी होगा। यह तीन दिवसीय मुकाबला खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों से तालमेल बैठाने का अवसर देगा। टीम के कई खिलाड़ी पहली बार श्रीलंका में लाल गेंद के क्रिकेट में उतरेंगे। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला खेली थी और तब से टीम में बड़े बदलाव आ चुके हैं। मौजूदा भारतीय टीम में केवल लोकेश राहुल, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा को ही श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है। चोटिल जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन का साथ मिलेगा। सिराज और कुलदीप को छोड़कर अधिकांश गेंदबाज अपेक्षाकृत अनुभवहीन हैं और वे श्रीलंकाई परिस्थितियों में अपनी क्षमता साबित करने के लिए उत्सुक होंगे।

बराड़ और जैन ने पिछले महीने गॉल में भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। दोनों खिलाड़ी इस अभ्यास मैच में भी अच्छा प्रदर्शन कर अपनी तैयारी को और मजबूत करना चाहेंगे। घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन के बाद आकिब नबी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने के लिए बेताब होंगे। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी खिलाड़ियों को हर पहलू पर पूरी तैयारी करने का संदेश दिया। उन्होंने बीसीसीआई की ओर से जारी वीडियो में कहा, हमें पता है कि हमारे सामने क्या चुनौती है। हम भरपूर अभ्यास कर सकते हैं, अपनी क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ा सकते हैं, हर तैयारी पूरी कर सकते हैं और 15 अगस्त की सुबह, चाहे हम पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हमारे पास हर चुनौती का जवाब तैयार होना चाहिए। इसलिए अभी से हर पहलू पर पूरी तैयारी सुनिश्चित करें।

मौसम हालांकि भारत की तैयारियों में बाधा बन सकता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार से शहर में रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान जताया है। इस बीच श्रीलंका ने भी इस अभ्यास मैच के लिए मजबूत एकादश की घोषणा की है जिसमें टेस्ट टीम में जगह बनाने के दावेदार कई प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं। श्रीलंका के लिए तीन टेस्ट मैच खेल चुके सोनल दिनुषा की कप्तानी में इस टीम में तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा और स्पिनर इसिथा विजेसुंदरा तथा रमेश मेंडिस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की आगामी श्रृंखला के पहले मुकाबले के लिए डैन लॉरेंस को दो साल बाद टीम में वापसी का मौका दिया है जबकि जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

बेन स्टोक्स के संन्यास लेने के बाद के दौर की शुरुआत 19 अगस्त से लीड्स में होगी और सरे के बल्लेबाजी ऑलराउंडर लॉरेंस को पूर्व टेस्ट कप्तान की जगह लेने की बड़ी जिम्मेदारी संभालने का पहला मौका मिलेगा। लॉरेंस के छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है जबकि विकेटकीपर जेमी स्मिथ उनसे एक स्थान नीचे उतर सकते हैं। बेथेल की अनुपस्थिति ने जोर्डन कॉक्स के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का रास्ता खोल दिया है।

कॉक्स भी चोट के कारण जून में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल में टेस्ट पदार्पण कर पाए थे जहां उन्हें सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ी थी। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स दाहिने हाथ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-2 से गंवाई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। उन्हें इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टेस्ट कप्तान के रूप में जो रूट की वापसी हुई है जबकि नव नियुक्त कोच स्टीफन फ्लेमिंग की अनुपस्थिति में अंतरिम कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक टीम चयन में शामिल रहे। पूर्व उपकप्तान ओली पोप की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला के दौरान टीम से बाहर कर दिया गया था जहां उन्होंने 20.83 की औसत से रन बनाए थे। तेज गेंदबाज सैम कुक को भी टीम में शामिल किया गया है।

उत्तर प्रदेश की सब जूनियर रोइंग टीम से पेश करेगी चुनौती

लखनऊ। 27वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप 2026 के लिए यूपी की सब जनियर टीम का चयन कर लिया गया है। चयनित खिलाड़ी चैंपियनशिप में प्रतिभाग के लिए कोलकाता पहुंच चुके हैं। उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप का आयोजन कोलकाता के रविंद्र सरोवर में 5 से 9 अगस्त 2026 तक किया जाएगा, जिसमें स्पधाओं की शुरूआत 7 अगस्त से होगी। इस दौरान देशभर के प्रतिभाशाली युवा रोअर विभिन्न स्पधाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे। उत्तर प्रदेश की चयनित टीम की घोषणा उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन की चयन समिति के चेयरमैन आदित्य मिश्रा (रिटायर्ड आईपीएस) ने की। चैंपियनशिप के लिए चयिनत खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डा.दिनेश शर्मा (सांसद), चेयरमैन रेणुका मिश्रा (आईपीएस), अध्यक्ष रानी पक्षालिका सिंह (एमएलए), संरक्षक पवन सिंह चौहान (एमएलसी) एवं उपाध्यक्ष विश्वास स्वरूप अग्रवाल ने खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे।

27वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में करेगी प्रतिभाग

उत्तर प्रदेश सब जूनियर रोइंग टीम

बालक : सार्थक श्रीवास्तव (प्रयागराज), रितेश निषाद (प्रयागराज), कृष्णा यादव (गोरखपुर), अमन यादव (गोरखपुर), अनुराग (गौतमबुद्ध नगर), नमन कुमार (गाजियाबाद) एवं रोहित लोधी (प्रयागराज)।

बालिका : कनक निषाद (गोरखपुर)

कोच : अशोक कुमार (गोरखपुर), पुरुष टीम मैनेजर : राकेश शुक्ला (लखनऊ), महिला टीम मैनेजर : डा श्वेता सुरभि मिश्रा (लखनऊ)।

लखनऊ करेगा भारत की पहली महिला वॉलीबॉल लीग की मेजबानी

खेल संवाददाता

लखनऊ। भारतीय खेलों में आज एक बड़े बदलाव की शुरूआत हुई जब वीमेन्स प्रो वॉलीबॉल लीग (डब्लूपीवीएल) की आधिकारिक शुरूआत की गई। यह विशेष रूप से महिला वॉलीबॉल को समर्पित देश की पहली राष्ट्रीय, फ्रेंचाइजी-आधारित प्रोफेशनल लीग है। इस पहल को पावर स्पाइक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रमोट किया जा रहा है, और इसका उद्देश्य महिला एथलीटों के लिए लंबे समय तक चलने वाला प्रोफेशनल स्पोर्ट्स सिस्टम बनाना है। इस आधिकारिक अनावरण समारोह का आयोजन द सेंट्रम, लखनऊ में राइजिंग क्वीन ऑफ द कोर्टष्थीम के तहत किया गया। इस हाई-प्रोफाइल समारोह में वरिष्ठ सरकारी गणमान्य व्यक्तियों, खेल प्रशासकों और बिजनेस लीडर्स ने भाग लिया, जिनमें उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, खेल मंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह और यूपी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चैहान शामिल थे। लॉन्च के अवसर पर, डब्लूपीवीएल के संस्थापक श्री बुखरात अहमद ने बताया कि इस टूनार्मेंट का पहला संस्करण 1 नवंबर से 11 नवंबर, 2026 तक लखनऊ के इकाना इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाला है।

लखनऊ इस नवंबर में छह टीमों के पहले फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा

स्वास्थ्य जागरूकता और साइकिलिंग को बढ़ावा देने लखनऊ से रवाना हुए डॉ. प्रभात

लखनऊ। युवाओं और खिलाड़ियों में स्वास्थ्य, फिटनेस तथा साइकिलिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्ट डॉ. प्रभात रंजन प्रसाद ने लखनऊ से रीवा तक लगभग 310 किलोमीटर लंबी साइकिल यात्रा प्रारंभ की। लखनऊ के 1090 चौराहे से शुरू हुई इस यात्रा के अवसर पर पेडलयात्री साइकिल एसोसिएशन के सेक्रेटरी जनरल एवं स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के निदेशक डॉ. आनंद किशोर पाण्डेय ने डॉ. प्रभात रंजन को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान कर रवाना किया तथा उनकी सुरक्षित और सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लखनऊ के साइकिलिस्टों में विशेष उत्साह का माहौल रहा।

3 भारतीय विश्व एथलेटिक्स के फाइनल में

यूजीन। भालाफेंक खिलाड़ी आशीष यादव और टी धरणीधरन के साथ चक्काफेंक खिलाड़ी अमानत कम्बोज ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैम्पियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करके फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया।

यादव पुरूषों के भालाफेंक ग्रुप ए क्वालीफिकेशन दौर में 69.87 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे और कुल दूसरा स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंडरिक हेमैंस 76.02 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे। धरणीधरन 68.07 मीटर का थ्रो फेंककर बारहवें और आखिरी स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाई। भारतीय सुपरस्टार नीरज चोपड़ा के नाम इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड है जिन्होंने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर का थ्रो फेंका था।

महिलाओं के चक्काफेंक में अमानत ने ग्रुप ए में 52.58 मीटर का थ्रो फेंककर छठा स्थान हासिल किया और कुल 12वें स्थान पर रहे।

खाइदेम चानू भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान

नयी दिल्ली। मिडफील्डर खाइदेम शैलेमा चानू चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में भारत की 18 सदस्यीय जूनियर महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट की तैयारी के लिये भारतीय टीम हाल ही में ब्रिटेन के दौरे से लौटी है। एशिया कप में मैचों का कार्यक्रम और पूल की जानकारी टूर्नामेंट शुरू होने के आसपास दी जायेगी।

यूपी टी-20 लीग ट्रॉफी टूर आज से, डॉ. संजय कपूर करेंगे शुभारंभ

खेल संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) और यूपी टी-20 लीग के चौथे सत्र से पहले आयोजित होने वाले विशेष ट्रॉफी टूर अभियान का औपचारिक उद्घाटन 7 अगस्त को एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीतापुर रोड में दोपहर 12:30 बजे होगा। यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर अभियान का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर आईपीएल स्टार समीर रिजवी तथा उत्तर प्रदेश रणजी टीम के कप्तान आर्यन जुयाल भी मौजूद रहेंगे और छात्रों से संवाद करेंगे। इसी के साथ क्रिकेट का असली रोमांच अब केवल स्टेडियम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी गूंज लखनऊ के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी सुनाई देगी। 7 से 12 अगस्त तक चलने वाले इस छह दिवसीय अभियान के दौरान यूपी टी-20 लीग की प्रतिष्ठित ट्रॉफी राजधानी लखनऊ के 13 प्रमुख शिक्षण संस्थानों तक पहुंचेगी। इस दौरान आयोजित होने वाली इंटरएक्टिव गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को न सिर्फ इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को बेहद करीब से देखने का अवसर मिलेगा, बल्कि वे आईपीएल और यूपी टी-20 लीग में अपनी पहचान बना चुके खिलाड़ियों से भी रूबरू हो सकेंगे। यहां खिलाड़ी छात्रों से संवाद करते हुए क्रिकेट के साथ-साथ अनुशासन, फिटनेस, संघर्ष, समर्पण और खेल भावना का महत्व बताते हुए अपने अनुभव साझा करेंगे। वहीं विद्यार्थियों को खिलाड़ियों से मिलने, प्रश्न पूछने और यादगार पल संजोने का भी अवसर मिलेगा। यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल यूपी टी-20 लीग के आगामी सत्र का प्रचार-प्रसार करना ही नहीं, बल्कि प्रदेश के क्रिकेट इकोसिस्टम से निकलकर अपनी पहचान बनाने वाले खिलाड़ियों के साथ सीधे संवाद के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना भी है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले तीन सत्रों में यूपी टी-20 लीग ने देश के अग्रणी घरेलू फ्रेंचाइजी क्रिकेट टूनार्मेंटों में अपनी पहचान बनाई है। इस लीग ने उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मंच प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि 7 से 12 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष ट्रॉफी टूर अभियान के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को यूपी टी-20 लीग के रोमांच को करीब से अनुभव करने, खिलाड़ियों से संवाद करने और खेल के प्रति अपनी रुचि को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा। यह पहल प्रदेश में क्रिकेट संस्कृति को और मजबूत करने तथा युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने की दिशा में यूपीसीए का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

आईपीएल स्टार समीर रिजवी और यूपी के रणजी कप्तान आर्यन जुयाल भी रहेंगे मौजूद

छह दिवसीय विशेष ट्रॉफी टूर अभियान के तहत क्रिकेट सितारों से रूबरू होंगे छात्र

मेस्सी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

एजेंसी

मियामी। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप के बाद पहले दो गोल किये जिसकी मदद से इंटर मियामी ने लीग्स कप में एटलेटिको सान लुईस को 4-2 से हराया। बिजली कड़कने और बारिश के कारण दूसरे हाफ में मैच 30 मिनट के लिये रोकना पड़ा। मेस्सी ने 11वें और 44वें मिनट में गोल किये। उनके अब लीग्स कप में 12 मैचों में 14 गोल हो गए हैं। टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकल ने भी गोल दागे। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेस्सी अर्जेंटीना को फाइनल तक ले गए थे लेकिन स्पेन ने 1-0 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीतने का उनका सपना तोड़ दिया।

मेस्सी का विश्व कप के बाद यह दूसरा मैच था। 39 बरस के मेस्सी शनिवार को कोलंबस क्रू के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में 37 मिनट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर खेले थे। वह मैच 2 . 2 से ड्रॉ रहा था जिसमें मेस्सी गोल नहीं कर सके थे। वहीं दूसरी ओर बोडोलैंड एफसी ने शुरूआती मैच में नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के हाथों मिली हार के बाद वापसी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप एफ मुकाबले में एफसी वन पर 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में बोडोलैंड एफसी के लिए तीनों गोल दूसरे हाफ में हुए। रोबिन्सन रेंडन ने 57वें मिनट में, रितुराज मोहन ने 78वें मिनट में और आरोन थापा ने 82वें मिनट में गोल दागे। वहीं दूसरी ओर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने टाटा समूह से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से जमशेदपुर एफसी को हटाने के चौंकाने वाले फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। टाटा समूह पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जमशेदपुर एफसी को आईएसएल से हटाने का फैसला लंबे समय से बनाई गई रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का कहना है।

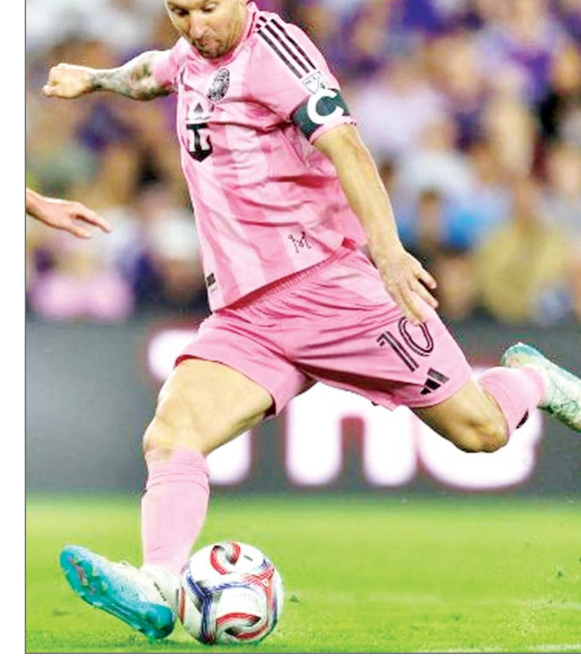

संसद में गतिरोध के बावजूद विधायी कामकाज जारी

विपक्ष संसद नहीं चलने दे रहा, चर्चा के लिए उपलब्ध हैं प्रधानमंत्री और गृह मंत्री: रीजीजू

नयी दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर जानबूझकर संसद का कामकाज नहीं चलने देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूरे दिन संसद में मौजूद रहते हैं और चर्चा के लिए उपलब्ध रहते हैं।

रीजीजू ने कहा कि संसद में गतिरोध के बावजूद विधायी कामकाज जारी है और विधेयक पारित किए जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्वाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अवरुद्ध बनी हुई है। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए रीजीजू ने कहा कि विपक्ष सदन का कामकाज रोक रहा है, जबकि आरोप यह लगा रहा है कि सरकार बहस से बच रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं और शाम को ही जाते हैं। विपक्ष ही सदन का कामकाज नहीं चलने दे रहा है और बाहर नारे लगा रहा है। यह सही नहीं है। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने सदन में कामकाज करने और विधेयक पारित कराने का काम जारी रखा है, खासकर राज्यसभा में, जहां विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बावजूद चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि हम विधेयक पारित कर रहे हैं और सदन का कामकाज चला रहे हैं। राज्यसभा में उचित चर्चा के बाद विधेयक पारित किए जा रहे हैं। कांग्रेस और उसके एक-दो सहयोगी दल भले ही सदन से वॉकआउट कर रहे हों या हंगामा कर रहे हों, लेकिन सदस्य चर्चा में हिस्सा ले रहे हैं और अपनी राय रख रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने दावा किया कि लगातार हो रहे व्यवधान से सरकार के बजाय कांग्रेस को ज्यादा नुकसान हो रहा है, खासकर उसके पहली बार सांसद बने नेताओं को संसद में बोलने का मौका नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए पहले ही क्रांतिकारी कदम उठाए हैं और विपक्ष इसी मुद्दे को लेकर बार-बार विरोध-प्रदर्शन कर रहा है। यह मुद्दा खत्म हो चुका है। देश आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक पर क्रांतिकारी फैसले लिए हैं। लेकिन वे हर सुबह उसी मुद्दे पर नौटंकी करते हैं और नारे लगाते रहते हैं। वे नौटंकी भी करते हैं और भगवान राम का अपमान भी करते हैं। रीजीजू ने कहा कि वह गतिरोध को तोड़ने का रास्ता निकालने के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं में हैं। राहुल गांधी के साथ मेरी अच्छी बातचीत हुई और मैंने उनसे एक मुद्दे पर अनुरोध किया। हमने दूसरे मुद्दों पर भी चर्चा की है। हम कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखना चाहते हैं और तालमेल के साथ काम करना चाहते हैं। हम राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, दुश्मन नहीं। हमें राष्ट्रीय हित में मिलकर काम करना चाहिए। हालांकि, रीजीजू ने आरोप लगाया कि विपक्ष ऐसी धारणा बना रहा है कि वह संसद को बिल्कुल भी काम नहीं करने देगा। संसद से शाह की अनुपस्थिति के विपक्ष के आरोप को खारिज करते हुए रीजीजू ने कहा कि गृह मंत्री हर दिन संसद में मौजूद रहे हैं और चर्चा में भाग लेने के लिए उपलब्ध हैं।

नड्डा ने बाढ़ प्रभावित अरुणाचल का दौरा करने के बाद केंद्र की ओर से पूरी मदद का भरोसा दिया

ईटानगर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को बाढ़ प्रभावित अरुणाचल प्रदेश के लिए राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों में केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने केई पान्योर जिले के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों का दौरा कर हालिया आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान का जायजा लिया।

अधिकारियों ने बताया कि नड्डा ने पोस्सा गांव और इससे सटी एनईईपीसीओ कॉलोनी का दौरा किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में राज्य के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और राज्य सरकार के साथ समन्वय कर प्रभावित परिवारों तक समय पर राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और वित्तीय मदद पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नुकसान का विस्तृत आकलन पूरा होने के बाद क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और प्रभावित लोगों के पुनर्वास का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। नड्डा के साथ राज्य के शहरी विकास मंत्री बालो राजा, याचुली के विधायक टोको तातुंग, केई पान्योर जिले के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ से प्रभावित रिहायशी इलाकों, क्षतिग्रस्त सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने प्रभावित परिवारों और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत करके उनकी तत्काल जरूरतों (स्वास्थ्य सेवा और आपातकालीन सहायता समेत) का आकलन किया। नड्डा ने राहत कार्यों, राहत शिविरों के कामकाज और जरूरी बुनियादी ढांचे को बहाल करने तथा क्षतिग्रस्त घरों और सार्वजनिक संपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए राज्य की योजनाओं की भी समीक्षा की। याचुली के विधायक टोको तातुंग ने नड्डा को 24 जुलाई को बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से केई पान्योर जिले में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, निजी संपत्तियों और आजीविका को हुए व्यापक नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया और कहा कि उनके व्यक्तिगत आकलन से राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के कामों में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उपायुक्त अंकिता मिश्रा ने प्रशासन की ओर से किए गए राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग-13 पर सड़कों और पुलों को हुए भारी नुकसान का भी जिक्र किया, यह राजमार्ग राज्य की एक मुख्य सड़क है जो छह जिलों को आपस में जोड़ती है।

संक्षेप

आइसा के देशव्यापी जेन जेड राइजिंग अभियान की घोषणा

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) ने बृहस्पतिवार को देशव्यापी संपर्क अभियान जेन जेड राइजिंग शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा कई राज्यों का दौरा करके शिक्षा सुधार, बेरोजगारी और प्रवेश परीक्षा नीतियों जैसे मुद्दों को लेकर छात्रों और युवाओं को लामबंद करेंगी। यह अभियान हाल में नीट प्रश्नपत्र लीक और प्रवेश परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शनों तथा उच्च शिक्षा क्षेत्र में सुधार की मांग की पृष्ठभूमि में शुरू किया जा रहा है। आइसा ने एक बयान में कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रदर्शनों के दौरान उभरे छात्र आंदोलन को जारी रखना, मजबूत करना और आगे बढ़ाना तथा इसे देशभर में विस्तार देना है। छात्र संगठन ने कहा कि वह राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को समाप्त करने की मांग जारी रखेगा। संगठन का तर्क है कि केंद्रीय परीक्षा निकाय पर निर्भर रहने के बजाय विश्वविद्यालयों को अपनी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने का अधिकार वापस दिया जाना चाहिए।

ईडी अधिकारी के खिलाफ जांच हस्तांतरित की जा सकती है: कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी अंकित तिवारी के खिलाफ तमिलनाडु के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के रिश्वत मामले की जांच एक केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप सकता है। शीर्ष अदालत ने हालांकि स्पष्ट कर दिया कि वह इस मामले में राज्य की कार्यवाही पर लगे स्थगन को हटाने के पक्ष में नहीं है। ईडी ने 2024 में याचिका दायर कर उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया था कि इस मामले की जांच तमिलनाडु के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के हाथों से लेकर सीबीआई को सौंपी जाए। जनवरी 2024 में शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु की एजेंसी द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी में आगे की कार्यवाही पर स्थगन लगा दिया था। राज्य ने अंतरिम रोक हटाने के लिए एक अर्ज़ी दायर की है। ईडी अधिकारी के खिलाफ आगे की कार्वाई पर स्थगन लगा दिया था।

राजनाथ की अध्यक्षता में हुई संसदीय समिति की बैठक

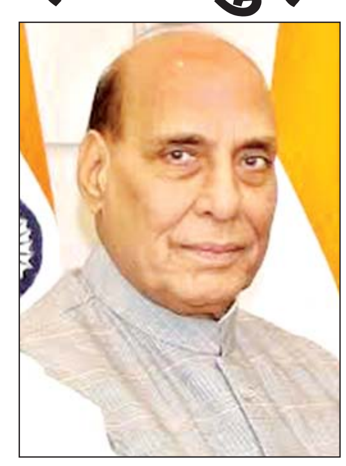

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई एक संसदीय समिति की बैठक में प्रादेशिक सेना पर चर्चा हुई और समिति के सदस्यों ने इसकी समग्र प्रभावशीलता को और बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। सिंह ने कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित सैनिकों का एक रिजर्व तैयार करके रक्षा बलों के लिए जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कर्मियों को तैयार रखती है, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है।

सिंह ने यहां रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रादेशिक सेना पर चर्चा हुई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एन एस राजा सुब्रमणि, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सचिव (रक्षा वित्त) विश्वजीत सहाय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान, वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के सदस्यों के समक्ष प्रादेशिक सेना के कामकाज, भूमिका और मुख्य उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सदस्यों ने इसे और मजबूत बनाने और इसकी कुल प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सुझाव भी दिए। अपने संबोधन में, सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में प्रादेशिक सेना के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जहां रक्षा बलों की भूमिका मुख्य रूप से सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर केंद्रित होती है, वहीं प्रादेशिक सेना पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी योगदान देती है। प्रादेशिक सेना नागरिक-सैनिक अवधारणा का जीवंत उदाहरण है। इसके सदस्य जहां एक ओर आम नागरिकों की तरह अपने कामकाज में लगे रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए वर्दी भी पहनते हैं। उन्होंने कहा कि जब कर्मी अपना कार्यकाल पूरा करके एक आम नागरिक के तौर पर जीवन जीते हैं, तो वे समाज और सेना के बीच एक जीवंत सेतु की भूमिका निभाते हैं और लोगों, खासकर युवाओं को रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।

झारखंड परीक्षा आंदोलन 13वें दिन भी जारी

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन बृहस्पतिवार को 13वें दिन में प्रवेश कर गया और इस दौरान छह प्रदर्शनकारी अनशन पर हैं। वहीं आंदोलन कर रहे छात्रों ने सरकार के साथ बातचीत करके गतिरोध दूर करने के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया।

प्रदर्शन की गूंज बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा तक पहुंची, जहां मानसून सत्र के पहले दिन विपक्षी विधायकों ने परिसर में नारेबाजी करके छात्रों की मांगों का समर्थन किया। यह प्रदर्शन 25 जुलाई को यहां जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले शुरू हुआ था और हाल के वर्षों में राज्य के सबसे बड़े छात्र आंदोलनों में से एक बन गया है। सरकार की ओर से बातचीत के प्रस्ताव के जवाब में हमने 11 सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया है, जिसमें आठ छात्र, दो विशेषज्ञ (पत्रकार) और एक अधिवक्ता शामिल हैं। सरकार के साथ बातचीत का फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बुधवार को दिए गए बयान के एक दिन बाद लिया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रदर्शनकारियों के लिए उनकी सरकार के दरवाजे खुले हैं। सरकार की पांच सदस्यीय समिति शाम को प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत कर सकती है।

गृह मंत्री के बारे में झूठी बातें फैला रहे राहुल खरगे, संसद में बहस से बच रहे हैं: प्रसाद

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खरगे पर गृह मंत्री अमित शाह के बारे में झूठी बातें फैलाने तथा संसद में चर्चा से बचने के लिए गतिरोध पैदा करने का आरोप लगाया। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अवरुद्ध रहने के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री का यह बयान आया।

प्रसाद ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि गृह मंत्री शाह हर दिन संसद में उपलब्ध रहते हैं और अगर सदन की कार्यवाही चलने दी जाए तो वह विपक्ष के आरोपों पर जवाब देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और खरगे जी रोजाना नई कहानी और पोस्टर के साथ आते हैं और मांग करते रहते हैं कि अमित शाह सदन में आएं। गृह मंत्री हर दिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक अपने चैंबर में बैठते हैं। प्रसाद ने कहा कि वह इस समय भी यहीं हैं। पहले सदन की कार्यवाही सही तरीके से तो चले और चर्चा हो। चर्चा शुरू होगी तो वह बोलेंगे और जोरदार जवाब देंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को कामकाज करने से रोक रहा है और साथ ही सरकार पर चर्चा से बचने का आरोप भी लगा रहा है। लेकिन आप सदन चलने नहीं देते। आप कोई चर्चा नहीं होने देते। हम सदन में आकर बैठते हैं लेकिन लगातार अवरोध रहता है और कार्यवाही स्थगित हो जाती है।

इंटरटेनमेंट...

मूवी रिव्यू : आर्यभट्ट का जीरो, हिमांश कोहली की दमदार परफॉर्मेंस

मुंबई। हर इंसान की जिंदगी में एक वक्त ऐसा आता है, जब लोग उससे पहले हार मान लेते हैं और फिर वह खुद भी अपने आप पर भरोसा खोने लगता है। 'आर्यभट्ट का जीरो' ऐसे ही एक आम लड़के की कहानी है, जिसे दुनिया बार बार नाकाम साबित करती है। निर्देशक कमल चंद्र ने आत्मविश्वास और उम्मीद जैसे मजबूत विषय को हल्के फुल्के अंदाज में पेश करने की कोशिश की है। फिल्म दिल से बनाई गई है और उसका संदेश भी साफ है, लेकिन कमजोर स्क्रीनप्ले इसकी उड़ान को पूरी ऊंचाई तक नहीं पहुंचने देता। इसकी लेंथ 1 घंटा 54 मिनट है।

लेकिन जानिए कहां हुई चूक?

फिल्म को 5 में से 3 स्टार रेटिंग दी है। फिल्म की कहानी ब्रह्मगुप्त श्रीवास्तव उर्फ बग्गू (हिमांश कोहली) के इर्द गिर्द घूमती है। मध्यम वर्गीय परिवार का यह युवक जिंदगी में अपनी पहचान बनाना चाहता है, लेकिन लगातार मिल रही असफलताएं उसे अंदर से तोड़ देती हैं। परिवार की उम्मीदें, समाज के ताने और खुद पर से उठता भरोसा उसके संघर्ष को और मुश्किल बना देते हैं। हालात जैसे जैसे बदलते हैं, बग्गू भी खुद को बदलने की कोशिश करता है। आखिर कैसे एक ऐसा लड़का, जिसे हर कोई 'जीरो' समझता है, अपनी सबसे बड़ी ताकत खुद बनता है, यही फिल्म की कहानी है। अच्छी बात यह है कि फिल्म अपना संदेश बिना भाषण दिए सहज तरीके से कहती है। पूरी फिल्म हिमांश कोहली के कंधों पर टिकी है और वह इस जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभाते हैं। रोमांटिक भूमिकाओं से अलग इस बार उन्होंने छोटे शहर के एक ऐसे युवक का किरदार निभाया है, जो बार बार टूटता है, लेकिन हार नहीं मानता।

उनके चेहरे के भाव और भावनात्मक दृश्यों में ईमानदारी साफ दिखाई देती है। यह उनके करियर की बेहतर परफॉर्मेंस में से एक कही जा सकती है। बग्गू के पिता के किरदार में नीरज सूद शानदार हैं। उनका अभिनय बेहद सहज है और पिता बेटे के कई दृश्य दिल को छू जाते हैं। रवि किशन अपने चिर परिचित अंदाज में मनोरंजन का तड़का लगाते हैं और जहां भी आते हैं, ध्यान खींचते हैं। सोनाली सहगल और दर्शना बनिक अपने किरदारों के साथ न्याय करती हैं। हालांकि राजेश शर्मा, अलका अमीन और शिल्पा शिंदे जैसे अनुभवी कलाकारों को फिल्म में और बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता था। उनके किरदारों में और गहराई और स्क्रीन स्पेस की गुंजाइश साफ महसूस होती है। निर्देशक कमल चंद्रा ने एक अच्छा विषय चुना है और कई जगह उनकी संवेदनशीलता भी नजर आती है।

प्रदीप रावत के निधन पर बेटे का खुलासा

मुंबई। मुंबई में मंगलवार शाम दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। सरफरोश, लगान और गजनी जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय करने वाले रावत के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने हिंदी, क्षेत्रीय सिनेमा और टेलीविजन में काम किया। बुधवार दोपहर मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर समेत फिल्म जगत के कई लोग शामिल हुए। अभिनेता के बेटे विक्रमादित्य रावत ने अंतिम संस्कार के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि परिवार को पहले लगा था कि उन्हें पेट का मामूली संक्रमण है। हालांकि, बाद में डॉक्टरों ने उन्हें ब्लड कैंसर होने की पुष्टि की।

रियलिटी शोज पर भड़के महाभारत एक्टर सौरभ राज

मुंबई। मशहूर टीवी शो महाभारत में भगवान कृष्ण का किरदार निभाने वाले एक्टर सौरभ राज ने रियलिटी शोज पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि मेकर्स टीआरपी बटोरने के लिए जिस हद तक गिर रहे हैं वो शर्मनाक है। उनका ये बयान तब सामने आया है, जब ओटीटी प्लेटफॉर्म में लॉकअप 2, अलायंस और भोजपुरी बवाल जैसे शोज चर्चा में हैं। सौरभ राज ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से रियलिटी शोज पर निशाना साधते हुए लिखा है, मुझे कहा गया था कि इस मुद्दे पर चुप रहूं, क्योंकि प्रोफेशनली इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है।

'कबीर सिंह' मेरी पहली फिल्म समझते हैं : कियारा

मुंबई। आज कियारा आडवाणी बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। बड़े बैनर, करोड़ों की फिल्में और देशभर में करोड़ों प्रशंसक उनके नाम हैं। हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री में सलमान खान से खास कनेक्शन होने के बावजूद उनके लिए सफलता की राह आसान नहीं रही। पहली ही फिल्म फ्लॉप हो गई, महीनों तक काम नहीं मिला, 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद भी उन्हें ऑडिशन देने पड़े और कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। यही वजह है कि आज भी कई लोग 'कबीर सिंह' को उनकी पहली फिल्म समझते हैं। फैशन इंडस्ट्री में भी उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। 31 जुलाई 1992 को मुंबई में जन्मीं कियारा आडवाणी का असली नाम आलिया आडवाणी है। उनके पिता जगदीप आडवाणी बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेवीव जाफरी टीचर रह चुकी हैं। जेनेवीव जाफरी अभिनेता सईद जाफरी के भाई हमीद जाफरी और उनकी पहली पत्नी वैलेरी की बेटी हैं। बाद में हमीद जाफरी ने अशोक कुमार की बेटी भारती गांगुली से शादी की थी। कियारा का परिवार फिल्मी दुनिया से सीधे तौर पर जुड़ा नहीं था, लेकिन बॉलीवुड से परिचय बचपन से था। कियारा ने बताया है कि वह बचपन में आईने के सामने फिल्मों के सीन दोहराती थीं और स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती थीं। तभी उन्होंने फिल्मों में काम करने का सपना देखा।

कियारा आडवाणी, सलमान से खास कनेक्शन नहीं आया काम

उन्होंने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से पढ़ाई और जय हिंद कॉलेज से मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। 10वीं बोर्ड परीक्षा में उनके 92% अंक आए थे। फिल्मों में आने से पहले कियारा अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाती थीं। उन्होंने बताया था कि उन्हें बच्चों के साथ समय बिताना पसंद था। कुछ समय यह काम करने के बाद उन्होंने फिल्मों में आने के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया। कियारा का असली नाम आलिया था। बॉलीवुड में कदम रखने की तैयारी के दौरान आलिया भट्ट पहले से स्थापित थीं, इसलिए सलमान खान ने उन्हें नाम बदलने की सलाह दी। कियारा ने 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में बताया था।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com